76 रुपए में शारदा सिन्हा ने गाया था ये बॉलीवुड गीत, रातोंरात हुआ वायरल; रोडवेज बसों में खूब बजता है ये गाना

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 37
न्यूनतम - 24

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 275 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 04 अक्टूबर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 22 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

शुक्रवार के बाद शनिवार भी रहा 'स्वर्णिम'

● एक दिन में 5 गोल्ड, छाए रहे भारतीय ● रेसलर अमन सहरावत ने चल दिया सोने वाला दांव ● मेंस क्रिकेट,हॉकी, गोल्फ व तीरंदाजी में भी गोल्ड आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मेंस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता। भारत अब 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल के साथ टैली में चौथे स्थान पर आ गया है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह 11वें और जुगराज 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागे। वहीं, 14वें मिनट में मलेशिया के शेलो सिल्वरियस ने फील्ड गोल किया। 42वें मिनट में हार्दिक ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। 54वें मिनट में शिलानंद ने फील्ड गोल किया। 57वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर दूसरा गोल किया। इस जीत से भारत ने 2028 ओलिंपिक गेम्स का टिकट भी हासिल कर लिया है। रेसलर अमन सेहरावत ने पुरुषों के 57 केजी में सोना जीता। यह शनिवार को भारत का चौथा गोल्ड मेडल है।

महिला के बाद पुरुष हॉकी टीम ने भी जीता गोल्ड

एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में भारतीय टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह ने गोल किए। ये दोनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर आए। भारतीय पुरुष टीम एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीती है। इसके साथ ही हरमनप्रीत सिंह ने इतिहास रच दिया है। वह भारत को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में सफल रहे।

क्रिकेट: भारत ने जीता गोल्ड पाक को 15 रन से हराया

भारत ने मेंस क्रिकेट फाइनल में पाकिस्तान को 15 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। भारत के 211 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान के हसन नवाज ने शानदार पारी खेलते हुए 96 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

तीरंदाजी: कुमकुम मोहोड ने शूट-ऑफ में गोल्ड जीता

महिला रिकर्व के फाइनल में भारत की कुमकुम मोहोड ने शूट-ऑफ में साउथ कोरिया की ओह ये जिन को हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। शूट-ऑफ में ओह ये जिन ने 8 का निशाना लगाया, जबकि कुमकुम ने 10 अंक हासिल किए। इसके साथ ही कुमकुम एशियन गेम्स की चैंपियन बन गईं। कुमकुम महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत के लिए एशियन गेम्स मेडल जीतने वाली पहली तीरंदाज हैं।

प्रणवी उर्स ने जीता गोल्ड, पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं

नागोया में भारत की प्रणवी उर्स ने विमेंस इंडिविजुअल गोल्फ में गोल्ड मेडल जीता। वह एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गईं। उन्होंने चार राउंड में 15 अंडर 265 का स्कोर किया। प्रणवी ने फाइनल राउंड में 70 का स्कोर किया। तीसरे होल पर ट्रिपल बोगी के बाद उन्होंने तीन बर्डी लगाकर वापसी की और एक शॉट की बढ़त से गोल्ड जीता। भारत ने विमेंस टीम इवेंट में सिल्वर जीता। प्रणवी के साथ अदिति अशोक और दीक्षा डागर टीम में थीं।

संक्षिप्त समाचार

मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू परिवार को बड़ी राहत

● सुनवाई टली,अब अगली तारीख 30 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी) आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव , तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय होने की प्रक्रिया फिलहाल टल गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली इस सुनवाई के लिए अब 30 अक्टूबर की अगली तारीख तय की गई है। कोर्ट में सुनवाई टलने के बाद राजद सुप्रीमो

लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को फिलहाल 30 अक्टूबर तक राहत मिल गई है। इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया था। कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

टीवीके कैंडीडेट को 'सूटकेस बामा' कहने पर घिरे स्टालिन

'बॉडी शेमिंग' को लेकर चुनाव आयोग पहुंची विजय की पार्टी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव में सत्तारूढ़ टीवीके, विपक्ष डीएमके और एआईडीएमके बीच चुनाव घमासान के बीच बॉडी शेमिंग का विवाद चुनाव आयोग पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री थलपति विजय की अगुवाई वाली टीवीके ने पूर्व सीएम एम के स्टालिन के खिलाफ आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। डीएमके चीफ स्टालिन पर आरोप है कि उन्होंने टीवीके की धारापुरम उपचुनाव में कैंडीडेट सत्यभामा पर तंज कसा। उन्हें पेटी बामा (सूटकेस बामा) कहा। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके की जीत के बाद धारापुरम से एआईएडीएमके के टिकट पर जीतीं सत्यभामा ने इस्तीफा देकर विजय की पार्टी जॉइन की थी। तब से उनके ऊपर एआईएडीएमके और डीएमके पैसे लेकर टीवीके में जाने का आरोप लगा रहे हैं। टीवीके ने स्टालिन पर पलटवार करते हुए डीएमके अध्यक्ष पर पार्टी उम्मीदवार की बॉडी-शेमिंग करने और महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए स्टालिन ने विवादित बयान दिया।

अमित शाह का वादा: 2029 तक एमपी को करेंगे नशामुक्त

गृहमंत्री ने कहा-देश के टॉप 5 दूध उत्पादक राज्य बीजेपी शासित

कहा-कांग्रेसियों ने 75 साल तक सहकारिता मंत्रालय बनने नहीं दिया

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मध्य प्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त करेंगे। भोपाल के भेल दशहरा मैदान पर हुए 11 जिलों के करीब 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन में उन्होंने गोशालाओं को 101 करोड़ दिए। उज्जैन में बन रहे 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का वर्चुअली भूमिपूजन किया। शाह

भौंरी में आइसर के अत्रि परिसर का शिलान्यास और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

कांग्रेसी विरोध करते हैं, मैं हिसाब देने आया हूं

शाह ने कहा- कांग्रेसी हमारा विरोध करते हैं। मैं आज उनको हिसाब देने आया हूं। आपने 75 साल में देश में दूध का कुल उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन पहुंचाया था। मोदी जी ने 10 साल में 25 करोड़ तक पहुंचाने का काम किया है। ये इसलिए होता है कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें लगन से काम कर रही हैं। प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन 2014-15 में 307 ग्राम था, अब 58 प्रतिशत बढ़कर 485 ग्राम पर पहुंच गया है। हमारा देश दुनियाभर में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश बना है। इसमें पहले 5 राज्य-उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र बीजेपी शासित ही हैं।

आपके बेटे-बेटी के लिए नशे की जगह नहीं होगी

केंद्रीय मंत्री ने कहा- मेरी एक मीटिंग मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ है। मध्यप्रदेश 31 दिसंबर 2029 के पहले नारकोटिक्स से मुक्त हो जाए, इस प्रकार की बारीक प्लानिंग आज करना चाहते हैं। मध्यप्रदेश के सारे अभिभावकों को, विशेष कर माताओं को कहने आया हूं आपके बेटे-बेटी के लिए नशे की जगह ही नहीं होगी, उनका उज्ज्वल भविष्य होने वाला है। शाह ने कहा- देश आजाद हुआ तब से मांग थी कि भारत सरकार में एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बने, मगर कांग्रेसियों ने 75 साल तक बनने नहीं दिया। नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री आए, जिन्होंने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। इसका सबसे बड़ा फायदा किसी को होने वाला है तो मेरे सामने बैठे गोपालकों को होने वाला है। अगर आप को-ऑपरेटिव व्यवस्था में दूध भरोगे तो पहले ही दिन से 35 की जगह 55 मिलने की शुरुआत हो जाएगी।

अन्याय के खिलाफ राहुल गांधी की 'सत्याग्रह' पहल

● कहा-लोग अपनी समस्याएं भेजें, मैं संसद से सड़क तक साथ हूं ● कहा-महात्मा गांधी ने भी लोगों से जुड़ने यही तरीका अपनाया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने देशभर में अन्याय और अपने हक के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को एक साथ जोड़ने के लिए सत्याग्रह नाम से एक पहल शुरू की है। राहुल ने कहा कि जो भी लोग अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूं। राहुल की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने भी यही तरीका अपनाया था। गांधी हेरिटेज पोर्टल के मुताबिक, उस समय लोगों ने गांधीजी को जमीन, संपत्ति, जेल और अन्याय से जुड़े मामले बताए थे।

अखिलेश यादव से मुलाकात, सपा से टिकट हो गया है फाइनल!

2027 की सियासत पर चल रहीं चर्चाओं पर अब्बास अंसारी ने तोड़ी चुप्पी

मऊ (एजेंसी)। यूपी में मऊ सदर से सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर चल रही अटकलों पर खुलकर अपनी बात रखी है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अभी से उनका

नाम चर्चा में होना ही अपने आप में महत्वपूर्ण है। चर्चा उसी व्यक्ति की होती है जिसकी आवाम में पकड़ होती है। यही वजह है कि अलग-अलग राजनीतिक दल उनके साथ आने की इच्छा रखते हैं। अब्बास अंसारी ने कहा कि 2027 को लेकर अभी से उनके राजनीतिक भविष्य पर चर्चा होना अपने आप में बड़ी बात है। उनके मुताबिक, आवाम में जिसकी पकड़ होती है, उसी व्यक्ति की चर्चा होती है और हर दल चाहता है कि मैं उसके साथ रहूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला उनका और उनकी आवाम का होगा।

नकली थी 2021 में ममता बनर्जी की पैर की चोट

● नंदीग्राम में वोटिंग से पहले सीएम शुभेंदु अधिकारी ने दिखाए दस्तावेजी सबूत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों के उपचुनाव की वोटिंग से पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 2021 में ममता बनर्जी के लंग इंजरी को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि ममता बनर्जी ने पांच साल पहले 2021 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पैर की चोट का नाटक किया और नंदीग्राम का अपमान किया। शुभेंदु अधिकारी ने बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज की मेडिकल रिपोर्ट पेश करते हुए उन्होंने कहा कि 11 मार्च, 2021 के दस्तावेज में साफ तौर पर लिखा था कि फ्रैक्चर का कोई सबूत नहीं है।

गौरतलब हो कि 2021 के चुनावों में ममता बनर्जी ने पैर की चोट के व्हीलचेयर से चुनाव प्रचार किया था।

शुभेंदु अधिकारी बोले-सरकार करेगी जांच- सीएम शुभेंदु अधिकरी ने ऐलान किया है कि राज्य सरकार इसकी जांच शुरू करेगी और उपचुनाव खत्म होने के बाद आगे के कदम बताए जाएंगे। एक दिन पहले सीएम शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी की 2021 की चोट नकली बताई थी। तब उन्होंने कहा था कि उनके पास सबूत हैं।

भारत का 'फॉर्मूला' खत्म कराएगा यूक्रेन-रूस युद्ध!

● यूक्रेन बोला-नई दिल्ली का शांति प्रस्ताव सबसे बेहतर

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने रूस से चल रहे युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत से मिले प्रस्ताव की जमकर तारीफ की है। उनका कहना है कि फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार भारत ने युद्ध खत्म करने के लिए एक व्यापक और विस्तृत प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि चार अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों में से दिल्ली की ओर से मिला प्रस्ताव सबसे व्यापक है। कीव में पत्रकारों से बात करते हुए सिबिहा ने कहा, हमारे पास चार प्रस्ताव हैं। सबसे व्यापक प्रस्ताव भारत का है। पहली बार भारत ने इसमें भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। यूक्रेन ब्लैक सी (काला सागर) में ऊर्जा और कृषि से जुड़े समझौते (ट्रूस) के लिए तैयार है।

तिरुपति की फार्मा कंपनी में बॉयलर फटा, 5 की मौत

10 लोग गंभीर घायल,श्री सिटी में हादसे के बाद रेस्क्यू जारी

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बॉयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सत्यवेडु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीमें मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। एक अधिकारी के मुताबिक, बॉयलर फटने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी, सुरक्षा व्यवस्था में चूक, संचालन संबंधी लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ। अधिकारियों ने अभी सभी मृतकों की पहचान और हादसे की पूरी जानकारी जारी नहीं की है। बचाव अभियान और घायलों की मेडिकल जांच पूरी होने के बाद मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि होने की उम्मीद है।

कंटेनर-डंपर में टक्कर के बाद भीषण आग, 2 जिंदा जले

आगरा (एजेंसी)। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह कंटेनर और डंपर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई। इसमें डंपर सवार 2 हेल्पर की जिंदा जलकर मौत हो गई। दोनों के शव सीट से चिपके मिले हैं। सिर्फ हड्डियां बची हैं। वहीं, कंटेनर चालक और पास से गुजर रहे बाइक सवार गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5.45 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि धमाके जैसी आवाज हुई और तेज धुआं उठने लगा। कुछ ही पलों में ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान हाईवे पर 5 किमी लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन से गाड़ियां हटवाकर हाईवे के किनारे करवाईं। मृतकों की पहचान धौलपुर जिले के निवासी आकाश (25) और रवि (24) के रूप में हुई है। हादसा जिला मुख्यालय से 36 किमी दूर खंदौली थाना क्षेत्र के पास हुआ।

अब बिहार में एक करोड़ महिलाएं बनेंगी लखपति

पटना (एजेंसी)। बिहार की एक करोड़ महिलाएं अब लखपति बनेंगी। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से विशेष कार्य योजना तैयार की गई हैं। समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार योजना के तहत राज्य की 10 लाख महिलाओं को 5-5 लाख का लोन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे व्यवसाय कर वो आर्थिक समृद्धि हासिल कर सकती है। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से शुरू हो रही समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार योजना के तहत वर्तमान में राज्य में लखपति दीदियों की संख्या करीब 50 लाख हो चुकी है। इस अभियान में 10 लाख महिला उद्यमियों को बैंकों और वित्तीय संस्थानों के-माध्यम से पांच लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जायेगी।

अनमोल वचन

दिन-रात मिलाकर एक दिवस होता है और एक दिवस में चौबीस घंटे होते हैं। इतना समय हर व्यक्ति को प्राप्त है। परन्तु इन चौबीस घंटों के समय का उपयोग आप कैसे बचाते हैं, किस प्रकार से समय प्रबन्धन करते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। कुछ लोग सारा दिन व्यस्त रहते हैं और कहते हैं कि उन्हें आराम का समय ही नहीं मिलता, किन्तु परिणाम शून्य ही रहता है। ऐसे लोगों के लिए अंग्रेजी में एक वाक्य है– "इ४२८ ६३ँङ्क४३ इ४२ल्ली२२," अर्थात बिना किसी रचनात्मक कार्य के करने के दिन भर भागदौड़ करना। ऐसे लोग सोचते हैं कि काश उनके पास जादू की छड़ी होती जो घुमाने के साथ ही सारे कार्य सम्पादित कर देती। हाँ, जादू की छड़ी तो आपके पास है, किन्तु उसका प्रयोग कैसे करना है, यह जानना बहुत जरूरी है। वह जादू की छड़ी है– समयबद्ध दिनचर्या। व्यवसाय हो या घर, व्यक्तिगत हो अथवा सामाजिक सम्बन्ध, आपको समय के साथ तालमेल बैठाकर चलना है। समय प्रबन्धन के साथ ही प्रत्येक कार्य को किस प्रकार समय सीमा में पूरा करना चाहिए, यह ज्ञान भी अनिवार्य है। जीवन में कार्य प्रबन्धन और समय प्रबन्धन सही रहेगा तो परिणाम से संतुष्टि अवश्य मिलेगी।

यूपी में 23 पीसीएस अफसरों का तबादला, मुजफ्फरनगर समेत कई जिलों में बदले एडीएम-एसडीएम

अनिरुद्ध प्रताप सिंह को मंडी परिषद भेजा गया, गंभीर सिंह होंगे मुजफ्फरनगर के नए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मेरठ में भी बड़ा बदलाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 23 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें कई अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, अपर नगर आयुक्त और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। तबादला सूची में मुजफ्फरनगर और मेरठ से जुड़े महत्वपूर्ण बदलाव भी शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव मुजफ्फरनगर में हुआ है। यहां तैनात अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अनिरुद्ध प्रताप सिंह को उनके वर्तमान पद से हटाकर उपनिदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद बनाया गया है। वहीं आजमगढ़ के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह का तबादला मुजफ्फरनगर किया गया है। उन्हें अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), मुजफ्फरनगर की जिम्मेदारी दी गई है।

मेरठ में भी बदले कई अधिकारी

मेरठ नगर निगम की अपर नगर आयुक्त लवी त्रिपाठी का तबादला करते हुए उन्हें अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), सहारनपुर बनाया गया है। उनके स्थान पर सिद्धार्थनगर के उपजिलाधिकारी राजेश कुमार को अपर नगर आयुक्त, नगर निगम मेरठ की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मेरठ के अपर जिलाधिकारी (नगर) बृजेश कुमार सिंह को अब सचिव, मेरठ विकास प्राधिकरण बनाया गया है। इसके अलावा प्रतापगढ़ के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) आदित्य कुमार प्रजापति को अपर जिलाधिकारी (नगर), मेरठ के पद पर भेजा गया है।

23 अधिकारियों की नई तैनाती

तबादला सूची के अनुसार चंद्रेश कुमार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), संतकबीरनगर को मुख्य राजस्व अधिकारी, देवरिया बनाया गया है। ज्ञानेन्द्र विक्रम, उपजिलाधिकारी ललितपुर को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), संतकबीरनगर की जिम्मेदारी दी गई है। पुष्पेंद्र पटेल, उपजिलाधिकारी अंबेडकरनगर को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), रामपुर बनाया गया है। वहीं प्रतीक्षारत चल रहे अर्पित गुप्ता को कुलसचिव, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा नियुक्त किया गया है। विजय शंकर, उपजिलाधिकारी बिजनौर को कुलसचिव, महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुशीनगर बनाया गया है। अभिनव कन्नौजिया, उपजिलाधिकारी अमेठी को संयुक्त दुग्ध आयुक्त, दुग्ध आयुक्त कार्यालय भेजा गया है। शिवानी सिंह, जो राजस्व परिषद, लखनऊ से संबद्ध थीं, को अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति), जालौन बनाया गया है। वहीं जालौन में तैनात प्रेम चन्द्र मौर्य को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), प्रतापगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है। रामजी मिश्रा, उपनिदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), लखनऊ बनाया गया है। राजेंद्र कुमार, उपजिलाधिकारी गाजियाबाद को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), हरदोई और प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), हरदोई को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), मुरादाबाद बनाया गया है।

अलीगढ़ और आजमगढ़ में भी बदलाव

अपर जिलाधिकारी (नगर), अलीगढ़ किंशुक श्रीवास्तव को प्रतीक्षारत किया गया है। वहीं मुरादाबाद की अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संगीता देवी को अपर जिलाधिकारी (नगर), अलीगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है। उपनिदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद नरेंद्र सिंह को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), आजमगढ़ बनाया गया है। इससे पहले इस पद पर तैनात गंभीर सिंह को मुजफ्फरनगर भेजा गया है। इसके अलावा बृजेश कुमार त्रिपाठी को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), लखीमपुर खीरी बनाया गया है। अमित कुमार, अपर नगर आयुक्त वाराणसी को उपनिदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद और मयंक कुंडू, उपजिलाधिकारी हरदोई को उपजिलाधिकारी मुरादाबाद बनाया गया है। शासन के इस फेरबदल से कई जिलों में राजस्व, नगर प्रशासन और विकास प्राधिकरण से जुड़े कामकाज की जिम्मेदारियां नए अधिकारियों के हाथों में जाएंगी।

शिव चौक पर गूंजा महामृत्युंजय मंत्र, कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने की कामना

हिंद मजदूर किसान समिति के कार्यकर्ताओं ने किया सामूहिक जाप, इसके बाद निकाली रैली; आतंकवाद मुदार्बाद और स्मित मच्छार जिंदाबाद के नारों से गूंजा शिव चौक

मुजफ्फरनगर। हिंद मजदूर किसान समिति के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार रात मुजफ्फरनगर के प्रमुख शिव चौक पर कैप्टन स्मित मच्छार के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना को लेकर सामूहिक महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया। रात करीब आठ बजे शुरू हुआ कार्यक्रम लगभग 11 बजे तक चला। इस दौरान बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शिव चौक पर एकत्र हुए और धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। सामूहिक जाप के दौरान कार्यकर्ताओं ने महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करते हुए कैप्टन स्मित मच्छार के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। कार्यक्रम स्थल पर समिति की ओर से एक बड़ा बैनर भी लगाया गया था, जिस पर कैप्टन स्मित मच्छार के सम्मान और उनके जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना से संबंधित संदेश लिखा था। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि संकट की घड़ी में कैप्टन के साहस और सूझबूझ के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए यह आयोजन किया गया है।

सामूहिक जाप के बाद निकाली रैली

महामृत्युंजय मंत्र के सामूहिक जाप के बाद समिति के कार्यकर्ताओं ने शिव चौक से रैली निकाली। रैली में कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान ह्यआतंकवाद मुदार्बादह्न और ह्यस्मित मच्छार जिंदाबादह्न के नारे गूंजते रहे। हाथों में बैनर और अन्य संदेश लिए कार्यकर्ता उत्साह के साथ रैली में शामिल हुए। रैली के दौरान शिव चौक और आसपास का क्षेत्र काफी देर तक नारों से गूंजता रहा। समिति के राष्ट्रीय मीडिया प्रवक्ता अमित सिंह ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विमान को सुरक्षित लैंडिंग कराकर करीब 180 यात्रियों के जीवन की रक्षा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कैप्टन मच्छार के साहस और जिम्मेदारी के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए समिति की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

ह्यहिंदुस्तान की इज्जत बचाने का काम किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित सिंह ने कहा कि कैप्टन स्मित मच्छार ने विमान को सुरक्षित लैंडिंग कराकर हिंदुस्तान की इज्जत बचाने का काम किया है। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि यदि इस दौरान कोई चूक हो जाती तो देश में बैठे कुछ सेकुलर लोग उन्हें हिंदू आतंकवादी बताना शुरू कर देते। उनका यह बयान कार्यक्रम के दौरान चर्चा में रहा। उन्होंने कहा कि कैप्टन मच्छार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना को लेकर समिति के कार्यकर्ताओं ने धार्मिक अनुष्ठान किया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि कैप्टन के साहस और यात्रियों की सुरक्षा के लिए किए गए प्रयासों के प्रति सम्मान व्यक्त करना ही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में हिंद मजदूर किसान समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रमोहन (क्रांतिगुरु) समेत समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अध्यक्ष राजपाल सिंह, मीडिया सरपंच दीपक, पंकज, भूपेंद्र और रविकांत समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।कार्यक्रम के दौरान पहले सामूहिक रूप से महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया

खेत पर रखा ट्रांसफार्मर तोड़कर तेल और वाइंडिंग चोरी, बिजली विभाग को दो लाख की चपत

इंचौड़ा के जंगल में ट्यूबवेल पर रखा 63 केवीए का ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त मिला; तांबा-एल्यूमिनियम की वाइंडिंग और कीमती तेल ले गए चोर, विद्युत अधिनियम की धारा 136 में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र में बिजली विभाग के ट्रांसफार्मर को निशाना बनाकर चोरों ने उसके अंदर से कीमती तेल और तांबा-एल्यूमिनियम की वाइंडिंग चोरी कर ली। इंचौड़ा गांव के जंगल में ट्यूबवेल पर रखे 63 केवीए के ट्रांसफार्मर को चोरों ने क्षतिग्रस्त कर दिया और अंदर का कीमती सामान निकालकर फरार हो गए। बिजली विभाग के अनुसार चोरी से विभाग को करीब दो लाख रुपये की वित्तीय क्षति हुई है। मामले में रतनपुरी पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 136 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विद्युत विभाग के अवर अभियंता सुनील कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र गोयला पर अवर अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। एक अक्टूबर की सुबह क्षेत्र के उपभोक्ता ने उन्हें सूचना दी कि इंचौड़ा गांव के जंगल में खेत पर स्थित ट्यूबवेल के पास रखा ट्रांसफार्मर नीचे पड़ा हुआ है। सूचना के अनुसार, यह ट्रांसफार्मर ट्यूबवेल पर रखे 63 केवीए के

जोड़े पर रखा हुआ था। सुबह खेत पर पहुंचने पर ट्रांसफार्मर नीचे पड़ा मिला और उसमें से तेल तथा अंदर का सामान गायब था।

उपभोक्ता से सूचना मिलने के बाद अवर अभियंता सुनील कुमार संविदा लाइनमैन शुभम कुमार के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रांसफार्मर का निरीक्षण किया। विभागीय जांच में पाया गया कि अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर उसके अंदर से कीमती सामान निकाल लिया। तहरीर के अनुसार, चोर ट्रांसफार्मर में भरा कीमती तेल तथा तांबे और एल्यूमिनियम की वाइंडिंग चोरी करके ले गए। ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त किए जाने से विभाग को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा।

करीब दो लाख रुपये की वित्तीय क्षति विद्युत विभाग के अवर अभियंता ने पुलिस को बताया कि ट्रांसफार्मर से तेल और वाइंडिंग चोरी होने के कारण विभाग को करीब दो लाख रुपये की वित्तीय क्षति हुई है। चोरी की घटना सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर भी नुकसान का आकलन किया गया।

अवर अभियंता की तहरीर के आधार पर रतनपुरी थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 136 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आसपास के क्षेत्र में चोरों की गतिविधियों और घटना के समय वहां मौजूद लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। इसके साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की भी जांच की जा सकती है। ट्रांसफार्मर से तेल और तांबे की वाइंडिंग चोरी की घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली विभाग के उपकरणों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े किए हैं। खेतों और ट्यूबवेलों के पास खुले स्थानों पर रखे ट्रांसफार्मर अक्सर चोरों के निशाने पर रहते हैं। इस घटना में भी चोरों ने ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर उसके अंदर से मूल्यवान सामान निकाल लिया। फिलहाल रतनपुरी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

अमन फैक्ट्री में कैंटर से माल उतरवाने को लेकर विवाद, चालक को लात-घूंसों और डंडों से पीटा

गाली-गलौज के बाद 2-3 साथियों के साथ मिलकर मारपीट करने का आरोप, जान से मारने की धमकी; मंसूरपुर थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में कैंटर से माल उतरवाने को लेकर हुए विवाद में एक चालक के साथ कथित रूप से जमकर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अमन फैक्ट्री में माल उतरवाने को लेकर हुई कहासुनी के बाद माल उतरवाने वाले व्यक्ति ने अपने 2-3 साथियों के साथ मिलकर चालक को गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों और डंडों से बुरी तरह पीट दिया। मारपीट में चालक को काफी चोटें आई हैं। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मंसूरपुर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार ग्राम टोडा, थाना रतनपुरी निवासी राहिल पुत्र फरजू ने पुलिस को बताया कि उसके चाचा का लड़का इरफान पुत्र जैनुद्दीन एक अक्टूबर 2026 को फरीदाबाद से कैंटर संख्या यूपी12 बीटी 6284 में माल लेकर मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव संधावली से आगे स्थित अमन फैक्ट्री में आया था। कैंटर से फैक्ट्री में माल उतरना था।

माल उतरवाने को लेकर हुई कहासुनी

आरोप है कि अमन फैक्ट्री में कैंटर से माल उतरवाने को लेकर इरफान की शुभम शर्मा से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि शुभम शर्मा ने अपने दो-तीन अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया और सभी ने मिलकर इरफान के साथ मारपीट शुरू कर दी।

गाली-गलौज के बाद लात-घूंसों और डंडों से पीटा

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपियों ने इरफान को मां-बहन की गंदी-गंदी गालियां दीं और उसके साथ लात-घूंसों तथा डंडों से बुरी तरह मारपीट की। अचानक हुई मारपीट से इरफान को काफी चोटें आईं। आरोप है कि इरफान ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों के आने की भनक लगते ही आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर थाने पहुंचा चचेरा भाई

तहरीर के मुताबिक घटना की जानकारी मिलने के बाद इरफान के चचेरे भाई राहिल को मामले का पता चला। इसके बाद वह पुलिस के पास पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। उसने पुलिस को बताया कि मारपीट में इरफान को काफी चोटें आई हैं।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मंसूरपुर थाना पुलिस ने शुभम शर्मा और उसके 2-3 अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के संबंध में उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों की जानकारी जुटा रही है। आरोपियों की पहचान और घटना के वास्तविक कारणों की भी जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्रेशर में लेबर दिलाने के नाम पर 50 हजार की ठगी का आरोप, दो भाइयों पर कार्रवाई की मांग

बुलंदशहर से जानसठ पहुंचे सगे भाइयों से एडवांस के नाम पर 45 हजार नकद और पांच हजार ऑनलाइन लिए; एक घंटे में लौटने की बात कहकर दोनों कथित आरोपी हुए फरार

मुजफ्फरनगर। क्रेशर पर लेबर उपलब्ध कराने के नाम पर बुलंदशहर से जानसठ पहुंचे दो सगे भाइयों से 50 हजार रुपये लेने और रकम लेने के बाद वापस नहीं लौटने का मामला सामने आया है। बुलंदशहर के थाना स्याना क्षेत्र के गांव भोलिया निवासी सतपाल और प्रकाश ने पुलिस को तहरीर देकर दो लोगों पर लेबर दिलाने के नाम पर रकम लेने का आरोप लगाया है। पीड़ित भाइयों के अनुसार, आरोपियों ने पहले 60 हजार रुपये एडवांस की मांग की थी, लेकिन बातचीत के बाद 50 हजार रुपये में बात तय हुई। रकम देने के बाद दोनों कथित आरोपी एक घंटे में वापस आने की बात कहकर चले गए, लेकिन इसके बाद लौटकर नहीं आए।

क्रेशर की लेबर के सिलसिले में आए थे जानसठ

तहरीर के अनुसार, सतपाल और प्रकाश 30 सितंबर को क्रेशर के लिए लेबर की तलाश में जानसठ क्षेत्र के गांव गुज्जरहेड़ी आए थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी मुलाकात अरविंद और शंकर नाम के दो लोगों से हुई। दोनों ने क्रेशर के लिए लेबर उपलब्ध कराने की बात कही। आरोप है कि अरविंद और शंकर ने लेबर उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाते हुए दोनों भाइयों को अपना मोबाइल नंबर दिया और अगले दिन अपने घर आने के लिए कहा। पीड़ितों के अनुसार, उन्हें विश्वास में लेकर लेबर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

पहले मांगे 60 हजार रुपये एडवांस

आरोप है कि बातचीत के दौरान दोनों लोगों ने लेबर उपलब्ध कराने के एवज में 60 हजार रुपये एडवांस देने की मांग की। रकम अधिक होने पर बातचीत हुई और बाद में पांच हजार रुपये देने की बात तय होने का उल्लेख तहरीर में किया गया है। हालांकि, दो अक्टूबर को जब दोनों भाई आरोपियों के बताए पते पर पहुंचे तो वहां रकम को लेकर फिर बातचीत हुई। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने आरोपियों को कुल 50 हजार रुपये दिए।

45 हजार नकद, पांच हजार रुपये ऑनलाइन दिए

तहरीर के मुताबिक, दोनों भाइयों ने 45 हजार रुपये नकद दिए, जबकि पांच हजार रुपये ऑनलाइन माध्यम से दिए गए। इस तरह कुल 50 हजार रुपये आरोपियों को दिए गए। रकम मिलने के बाद दोनों लोगों ने कथित तौर पर करीब एक घंटे में वापस आने की बात कही। आरोप है कि इसके बाद दोनों वहां से चले गए, लेकिन काफी समय बीतने के बावजूद वापस नहीं लौटे।

लेबर भी नहीं मिली, रकम भी वापस नहीं की

पीड़ित भाइयों का आरोप है कि दोनों लोगों ने न तो उन्हें क्रेशर के लिए लेबर उपलब्ध कराई और न ही उनकी दी गई रकम वापस की। काफी इंतजार करने के बाद भी दोनों के वापस नहीं लौटने पर उन्हें अपने साथ ठगी होने का शक हुआ। इसके बाद दोनों भाइयों ने पुलिस से मामले की शिकायत करते हुए आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने और उनकी 50 हजार रुपये की धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। मामले को लेकर सीओ जानसठ ऋषिका सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। पुलिस द्वारा शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित लोगों से पूछताछ और रकम के लेनदेन से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है।

एशियाड में दो बार स्वर्ण जीतने वाले अर्जुन देशवाल को मिला सम्मान, अर्जुन अवॉर्ड देने की उठी मांग

पारस एंक्लेव में आयोजित समारोह में जुटे खेल और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग; वक्ताओं ने कहा–कबड्डी खिलाड़ी ने देश और मुजफ्फरनगर का नाम रोशन किया

मुजफ्फरनगर। एशियाड खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर लौटे जिले के स्टार कबड्डी खिलाड़ी अर्जुन देशवाल के सम्मान में एटूजेड रोड स्थित पारस एंक्लेव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। हेरिटेज पब्लिक स्कूल बसेड़ा के संचालक नीरज बालियान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रमुख जनप्रतिनिधियों, किसान नेताओं और समाज के लोगों ने अर्जुन देशवाल का सम्मान किया। वक्ताओं ने कहा कि अर्जुन देशवाल ने लगातार दो एशियाड खेलों में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया है। समारोह में अर्जुन देशवाल को अर्जुन अवॉर्ड दिए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

दो बार एशियाड में स्वर्ण जीतकर बढ़ाया देश का मान

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि अर्जुन देशवाल की उपलब्धि केवल उनके परिवार या जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। एशियाड जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर दो बार स्वर्ण पदक जीतना उनकी खेल प्रतिभा, मेहनत और निरंतर प्रदर्शन को दशार्ता है। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर अर्जुन ने कबड्डी के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

सम्मान समारोह में जुटे कई प्रमुख लोग एटूजेड रोड स्थित पारस एंक्लेव में आयोजित सम्मान समारोह में भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत, राष्ट्रीय लोकदल विधानमंडल दल के नेता राजपाल बालियान, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान तथा देशवाल खाप के चौधरी शरणवीर सिंह सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम का आयोजन हेरिटेज पब्लिक स्कूल बसेड़ा के संचालक नीरज बालियान की ओर से किया गया। समारोह में अर्जुन देशवाल की खेल उपलब्धियों को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

वक्ताओं ने कहा–अर्जुन ने बढ़ाया

मुजफ्फरनगर का गौरव

वक्ताओं ने कहा कि अर्जुन देशवाल ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर मुजफ्फरनगर को देश-विदेश में पहचान दिलाई है। एशियाड में स्वर्ण पदक हासिल करना जिले के लिए भी गर्व का विषय है। उनकी सफलता से जिले के युवा खिलाड़ियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि अर्जुन ने जिस तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है, उससे अन्य युवा खिलाड़ियों में भी खेलों के प्रति उत्साह बढ़ेगा। ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को उचित मंच और सुविधाएं मिलने पर वे देश के लिए बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

अर्जुन अवॉर्ड देने की मांग

सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने अर्जुन देशवाल को देश के प्रतिष्ठित खेल सम्मान अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने की मांग उठाई। वक्ताओं का कहना था कि एशियाड में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी की उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें अर्जुन अवॉर्ड दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों को सम्मान मिलने से न केवल उनका उत्साह बढ़ता है, बल्कि देश के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

कोचों की मेहनत को भी सराहा

समारोह में अर्जुन देशवाल के खेल सफर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कोच धर्मेंद्र देशवाल और उपेंद्र मलिक की भी सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि किसी खिलाड़ी की सफलता के पीछे उसकी मेहनत के साथ-साथ प्रशिक्षकों और परिवार का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। कार्यक्रम के दौरान अर्जुन देशवाल की उपलब्धियों पर मौजूद लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी देश के लिए इसी तरह शानदार प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती पर सिसौली में गूंजेगा गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ

आज से शुरू होगा अखंड पाठ, 6 अक्टूबर को गुरु के लंगर के साथ होगा समापन; भाकियू कार्यकर्ता और किसान होंगे शामिल

मुजफ्फरनगर। किसानों के मसीहा और भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जन्मजयंती के अवसर पर भाकियू की राजधानी सिसौली में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जयंती के उपलक्ष्य में 4 अक्टूबर यानी आज से सिसौली में गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ शुरू होगा। तीन दिन तक चलने वाले अखंड पाठ का समापन 6 अक्टूबर को गुरु के लंगर के साथ किया जाएगा। भाकियू के जिला मीडिया प्रभारी हेमेन्द्र कुमार ने बताया कि 6 अक्टूबर को किसान नेता स्वर्गीय बाबा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जन्मजयंती

मनाई जाएगी। जयंती को लेकर सिसौली में तैयारियां की जा रही हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी किसान नेता की स्मृति और उनके किसान हितों के संघर्ष को याद करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि 4 अक्टूबर को गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ शुरू होगा, जो लगातार जारी रहेगा। 6 अक्टूबर को अखंड पाठ की पूणार्हुति के बाद गुरु का लंगर आयोजित किया जाएगा। इसमें भाकियू से जुड़े पदाधिकारी, कार्यकर्ता, किसान और क्षेत्र के लोग शामिल होंगे।

चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित देशभर में किसानों के मुद्दों को लेकर लंबे समय तक आंदोलन किए। सिसौली को उन्होंने किसान आंदोलनों की प्रमुख गतिविधियों का केंद्र बनाया था। किसान, खेती, बिजली, सिंचाई और कृषि उपज से जुड़े मुद्दों को लेकर उनके नेतृत्व में कई बड़े आंदोलन हुए। इसी वजह से सिसौली को आज भी भाकियू की राजधानी के रूप में जाना जाता है।

जयंती पर जुटेंगे किसान और भाकियू कार्यकर्ता

महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती के अवसर पर सिसौली में आसपास के क्षेत्रों से किसानों और भाकियू कार्यकर्ताओं के पहुंचने की उम्मीद है। संगठन की ओर से जयंती कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। अखंड पाठ और लंगर के आयोजन के जरिए किसान नेता की स्मृतियों को याद किया जाएगा और उनके किसान हितों से जुड़े संघर्ष को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

पत्रांकः- 1328/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 दिनांकः- 03-10-2026

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत/वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत/किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत/नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 19 निर्माण कार्यों हेतु दिनांक 12/10/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा फार्म ऑनलाइन दिनांक 05/10/2026 की प्रातं 10:00 से दिनांक 12/10/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक 12/10/2026 की अपराह्न 4:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदय के समक्ष खोला जायेगा। कार्य राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 04 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

12 घंटे में खुलासा नहीं, सच्चाई चाहिए—रोहन राठी के परिजनों से मिले राकेश टिकैत

हरेटी पहुंचकर घटनास्थल का किया निरीक्षण, पुलिस की कार्रवाई पर परिवार की नाराजगी के बीच टिकैत ने कहा—जांच इतनी गहराई से हो कि असली सच्चाई सामने आए

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरेटी निवासी ग्राम प्रधान विवेक राठी के पुत्र रोहन राठी हत्याकांड का मामला पुलिस के खुलासे के बाद भी शांत होता नजर नहीं आ रहा है। पुलिस द्वारा दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजने और हत्याकांड का खुलासा करने का दावा किए जाने के बावजूद पीड़ित परिवार पुलिस की बताई कहानी से संतुष्ट नहीं है। परिजनों का कहना है कि हत्या की पूरी सच्चाई अभी सामने नहीं आई है और मामले में वास्तविक आरोपियों तक पहुंचना जरूरी है। परिवार की इसी नाराजगी के बीच भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत हरेटी गांव पहुंचे और रोहन राठी के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार से काफी देर तक बातचीत कर घटना की पूरी जानकारी ली। इसके बाद टिकैत ने उस स्थान का भी निरीक्षण किया, जहां से मामले से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी सामने आई थी। इस दौरान गांव और परिवार के लोगों ने भी उनके सामने अपनी आपत्तियां और सवाल रखे।

ह्यपुलिस का खुलासा परिवार को हजम नहीं हो रहाह्न

मीडिया से बातचीत में राकेश टिकैत ने कहा कि पुलिस ने रोहन राठी हत्याकांड का जो खुलासा किया है, वह पीड़ित परिवार को संतुष्ट नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार की बात को गंभीरता से सुना जाना चाहिए और पुलिस को पूरे मामले की गहराई से जांच करनी चाहिए। टिकैत ने कहा कि किसी भी हत्याकांड में केवल जल्द खुलासा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि जांच सही दिशा में हो और घटना की पूरी सच्चाई सामने आए। उन्होंने पुलिस से मांग की कि मामले में यदि कोई अन्य व्यक्ति या वास्तविक आरोपी जांच के दायरे में आता है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

ह्यमहज 12 घंटे में खुलासा कर वाहवाही नहीं, पूरी सच्चाई सामने आएह्न

राकेश टिकैत ने पुलिस की जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि महज 12 घंटे में हत्याकांड का खुलासा कर वाहवाही हासिल करने के बजाय पुलिस को हर पहलू की बारीकी से जांच करनी चाहिए। उनका कहना था कि परिवार के मन में जो सवाल हैं, उनका जवाब जांच के माध्यम से मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस के लिए यह जरूरी है कि वह परिवार को जांच की प्रगति और घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति से अवगत कराए। इससे परिजनों के मन में उठ रहे सवालों का समाधान हो सकेगा और उन्हें न्याय की प्रक्रिया पर भरोसा मिलेगा।

रोहन की मौत से परिवार की स्थिति का जिक्र करते हुए टिकैत भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार पहले ही एक बेटे को खो चुका है और अब इकलौते पुत्र की हत्या ने परिवार को गहरे सदमे में पहुंचा दिया है। ऐसे परिवार के लिए, बेटे की मौत का दर्द शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि परिवार इस समय केवल न्याय और घटना की पूरी सच्चाई चाहता है। इसलिए पुलिस को परिजनों की भावनाओं और उनके सवालों को गंभीरता से लेते हुए जांच को आगे बढ़ाना चाहिए। रोहन राठी हत्याकांड की जांच के लिए, पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है। पुलिस पहले ही दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजते हुए हत्याकांड का खुलासा करने का दावा कर चुकी है। हालांकि परिवार का कहना है कि पुलिस की इस कार्रवाई से उनके सवालों का समाधान नहीं हुआ है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस द्वारा बताया गया घटनाक्रम पूरी तरह स्पष्ट नहीं है और उन्हें मामले में वास्तविक स्थिति सामने आने का इंतजार है। परिवार लगातार मांग कर रहा है कि हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कर सभी पहलुओं को सामने लाया जाए। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद राकेश टिकैत ने घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से घटना से जुड़ी जानकारी ली और परिवार की ओर से बताए गए घटनाक्रम को समझने का प्रयास किया। टिकैत ने कहा कि मामले में किसी भी तरह की जल्दबाजी के बजाय तथ्यों के आधार पर जांच आगे बढ़नी चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से भी मांग की कि पीड़ित परिवार के साथ संवाद कायम किया जाए और उनकी ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब दिया जाए। परिवार को जांच पर भरोसा दिलाने की मांग राकेश टिकैत ने पुलिस अधिकारियों से मांग की कि वे पीड़ित परिवार के साथ बैठकर उनकी बात सुनें और जांच के संबंध में उन्हें संतुष्ट करें। उन्होंने कहा कि जब किसी परिवार ने अपना बेटा खोया हो और उसके मन में घटना को लेकर सवाल हों तो उन सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार को यह भरोसा मिलना चाहिए कि जांच किसी दबाव या जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सभी तथ्यों को सामने रखकर की जा रही है। रोहन राठी हत्याकांड में पुलिस की ओर से किए गए खुलासे के बावजूद परिवार की असहमति ने मामले को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। एक ओर पुलिस दो आरोपियों की गिरफ्तारी और जांच के आधार पर अपना पक्ष रख चुकी है, वहीं दूसरी ओर परिवार और उनके समर्थन में खड़े लोग घटना की पूरी सच्चाई सामने लाने की मांग कर रहे हैं।

खतौली में 22.9 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 11.50 लाख का नशे का माल बरामद

मेरठ निवासी दोनों आरोपियों से गांजा और केटीएम बाइक बरामद; तस्करी के आगे-पीछे के नेटवर्क की जांच शुरू

खतौली। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा—ह्यनशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओरह्न अभियान के तहत खतौली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कथित मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 22.9 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 11 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त एक केटीएम मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक के निर्देश पर मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, नशे की तस्करी और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए तीनों जनपदों में ऑपरेशन सवेरा चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा नशे के कारोबार में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

बताया गया कि 3 अक्टूबर 2026 को खतौली थाना पुलिस टीम नहर पटरी रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 22.9 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और मौके से एक केटीएम मोटरसाइकिल भी कब्जे में ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि पुत्र शिवकुमार निवासी रोहटा रोड, थाना कंकरखेड़ा, मेरठ, उम्र करीब 20 वर्ष तथा शंकर पुत्र पेरीसोमी निवासी रोहटा रोड, थाना कंकरखेड़ा, मेरठ, उम्र करीब 19 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक बरामद गांजे का कुल वजन 22.9 किलोग्राम है और इसकी अनुमानित कीमत करीब 11 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इसके साथ केटीएम मोटरसाइकिल संख्या यूपी 15 ईएल 7752 भी बरामद की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी गांजा कहां से लेकर आए थे और इसे आगे कहां सप्लाई किया जाना था। दोनों आरोपियों के खिलाफ खतौली थाने में मु0अ0सं0 325/2026, धारा 8/20/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की जांच

दहशत में जी रही महिला ने मीडिया सेंटर पहुंचकर सुनाई दर्दभरी दास्तां, बोली- मुझे इंसाफ चाहिए

रात के सन्नाटे में घर में घुसकर छेड़छाड़ का आरोप, विरोध पर महिला और भांजे को जान से मारने की धमकी देने का दावाउपचार के दौरान मौत, दो अन्य घायल, अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। आंखों में डर, चेहरे पर चिंता और दिल में इंसाफ की उम्मीद लेकर एक महिला शनिवार को मीडिया सेंटर पहुंची। पत्रकारों से वार्ता करते हुए महिला ने अपनी आपबीती सुनाई तो वह भावुक हो उठी। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने गांव के ही एक युवक पर रात के समय घर में घुसकर उसके साथ छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर उसे व उसके 10 वर्षीय भांजे को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। महिला का कहना है कि घटना के बाद से वह दहशत में है और उसे अपने तथा परिवार की सुरक्षा की चिंता सता रही है।महिला के अनुसार, 25 सितंबर की रात करीब 12 बजे वह अपने घर में 10 वर्षीय भांजे के साथ सो रही थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव का रहने वाला गुरदयाल पुत्र रविंद्र घर में घुस आया। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया और उसके साथ अश्लील हरकत व छेड़छाड़ करने लगा। पीड़िता ने बताया कि उसने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे और उसके भांजे को जान से

मारने की धमकी दी। महिला ने मीडिया सेंटर में पत्रकारों को बताया कि आरोपी लगातार उसके साथ छेड़छाड़ करता रहा। खुद को बचाने के लिए उसने आरोपी के हाथ पर काट लिया। इसी दौरान उसका 10 वर्षीय भांजा भी जाग गया। भांजे के जागने पर आरोपी घबरा गया और वहां से भागने लगा। महिला का आरोप है कि जाते समय भी आरोपी उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देता गया। घटना को याद करते हुए महिला ने बताया कि उस रात के बाद से वह बेहद डरी हुई है। उसे आशंका है कि आरोपी उसके और परिवार के साथ कोई अनहोनी कर सकता है। पीड़िता का आरोप है कि अगले दिन वह हिम्मत जुटाकर थाना सिखेड़ा में शिकायत करने के लिए निकली तो आरोपी ने उसका पीछा किया। महिला के अनुसार, आरोपी ने उसे धमकाते हुए कहा कि यदि उसने उसके खिलाफ तहरीर दी तो उसे जान से मार देगा। इसके बावजूद महिला ने थाना सिखेड़ा पहुंचकर शिकायत दी। महिला ने आरोप लगाया कि सिखेड़ा थाने से बाहर निकलने के बाद आरोपी गुरदयाल ग्राम प्रधान मनोज और कुछ अन्य लोगों के साथ उसे मिला।

अम्बा प्लांट में सिक्योरिटी गार्ड का शव मिलने से मचा हड़कंप

एनएच-58 स्थित प्लांट के दूसरे गेट के ऊपर पंखे से लटका मिला कुलदीप का शव, फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जुटाए साक्ष्य, दो साल से अम्बा प्लांट में कर रहा था काम

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र में एनएच-58 स्थित अम्बा प्लांट में सिक्योरिटी गार्ड का शव संदिग्ध परिस्थितियों में दूसरे गेट के ऊपर पंखे से लटका मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की जानकारी होते ही प्लांट में मौजूद कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मंसूरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना की जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

मृतक की पहचान करीब 25 वर्षीय कुलदीप पुत्र सतेंद्र, निवासी राजापुरवा, थाना गोसाईगंज, जनपद कन्नौज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार कुलदीप पिछले दो साल से अम्बा प्लांट में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम कर रहा था। उसके पिता सतेंद्र भी करीब 15 वर्षों से सिक्योरिटी का काम कर रहे हैं। कुलदीप शादीशुदा था और उसकी पत्नी कन्नौज में रहती है। प्लांट के दूसरे गेट के ऊपर कुलदीप का शव पंखे से लटका मिलने के बाद प्लांट प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को नीचे उतरवाया। पुलिस ने प्लांट में मौजूद कर्मचारियों और प्रबंधन से घटना के संबंध में जानकारी ली।

फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल खंगाला

मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करते

हुए जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस प्लांट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना से पहले और बाद की गतिविधियों की जानकारी मिल सके।

दो साल से प्लांट में कर रहा था ड्यूटी

अम्बा प्लांट के मैनेजर सुधीर सहरावत ने बताया कि कुलदीप पिछले दो साल से प्लांट में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम कर रहा था। वह प्लांट में ड्यूटी करता था। उसका शव दूसरे गेट के ऊपर पंखे से लटका मिला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों के अनुसार कुलदीप के पिता सतेंद्र करीब 15 साल से सिक्योरिटी का काम कर रहे हैं। कुलदीप भी इसी क्षेत्र में काम करता था। वह शादीशुदा था और उसकी पत्नी कन्नौज में रहती है।

परिजनों में मचा कोहराम

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कुलदीप के परिजनों को जानकारी दी। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और अन्य परिजन कन्नौज से मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हुए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के अलावा सीसीटीवी फुटेज तथा प्लांट में मौजूद कर्मचारियों से मिली जानकारी के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

जग्गाहेड़ी टोल विवाद में मुकदमा दर्ज, मैनेजर पर गोली मारने की धमकी का आरोप

वीएचपी-बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने टोल मैनेजर और साथी पर लगाया अभद्रता, गाली-गलौज व हाथापाई का आरोप विरोध में करीब एक घंटे टोल रहा फ्री

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के जग्गाहेड़ी टोल प्लाजा पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं तथा टोल कर्मचारियों के बीच हुआ विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। मुजफ्फरनगर में आयोजित विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में शामिल होने आए शामली के कार्यकर्ताओं और टोल मैनेजर के बीच सुबह हुई कथित कहासुनी के बाद शाम को कार्यकर्ताओं ने टोल प्लाजा पर पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान टोल पर जाम लग गया और करीब एक घंटे तक वाहनों से शुल्क नहीं लिया गया। मामले में एक कार्यकर्ता की तहरीर पर तितावी पुलिस ने टोल मैनेजर और उसके साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। तहरीर में गाली-गलौज, अभद्रता, हाथापाई, गोली मारने की धमकी तथा हथियारबंद साथियों को बुलाने के आरोप लगाए गए हैं।

शामली जिले के ग्राम ताना निवासी आर्यन चौधरी पुत्र रामबीर की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक दो अक्टूबर को मुजफ्फरनगर के केशवपुरी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में विश्व हिंदू

परिषद का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जनपद शामली से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बसों के जरिए मुजफ्फरनगर आ रहे थे। कार्यकताओं की कई बसें जग्गाहेड़ी टोल प्लाजा से होकर गुजर रही थीं। इनमें से एक बस अन्य बसों के आने की प्रतीक्षा कर रही थी। इसी दौरान टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों और कार्यकताओं के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि टोल कर्मचारियों ने कार्यकताओं के साथ अभद्रता की। मामले की शिकायत करने के लिए कार्यकर्ता आर्यन चौधरी टोल मैनेजर के कार्यालय में पहुंचा।

मैनेजर के कार्यालय में फिर हुआ विवाद

आर्यन चौधरी की ओर से दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि टोल मैनेजर गौरव और उसका साथी बिल्लू कार्यालय में मौजूद थे। शिकायत करने पहुंचे आर्यन के साथ वहां भी कथित तौर पर अभद्रता की गई। आरोप है कि देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और उसके साथ हाथापाई की गई। तहरीर के मुताबिक, टोल मैनेजर गौरव ने आर्यन चौधरी और अन्य कार्यकताओं के साथ गाली-गलौज की तथा आवेश में आकर गोली मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बाद गौरव ने फोन करके अपने कुछ साथियों को मौके पर बुलाया। तहरीर में इन लोगों के हथियारों के साथ पहुंचने का भी आरोप लगाया गया है।

बसें पहुंचीं तो मौके से चले गए आरोपी

शिकायतकर्ता के अनुसार, इसी बीच शामली से आ रही कार्यकर्ताओं की अन्य बसें भी टोल प्लाजा पर पहुंच गईं। कार्यकताओं की संख्या बढ़ने और भीड़ एकत्र होने के बाद आरोपी पक्ष के लोग मौके से चले गए। उस समय कार्यकताओं को मुजफ्फरनगर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था, इसलिए उन्होंने तत्काल पुलिस से शिकायत नहीं की और कार्यक्रम में चले गए। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जब कार्यकर्ता शाम को वापस शामली की ओर लौट रहे थे, तो सुबह टोल पर हुई घटना को लेकर एक बार फिर नाराजगी सामने आई। शाम के समय विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल से जुड़े बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जग्गाहेड़ी टोल प्लाजा पर पहुंच गए। कार्यकताओं ने सुबह अपने साथी के साथ हुई कथित अभद्रता और मारपीट को लेकर विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते टोल परिसर में भीड़ बढ़ गई और कार्यकताओं ने टोल पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं का आरोप था कि सुबह शिकायत करने पहुंचे उनके साथी के साथ टोल मैनेजर और उसके साथी ने गाली-गलौज व बदसलूकी की थी।

चकरोड के कब्जे का विरोध पड़ा भारी! परिवार को जान से मारने और बेटियों के अपहरण की धमकी का आरोप

शेरपुर के हमीदुल्ला ने मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता कर सुनाई पूरी आपबीती, सरकारी चकरोड पर कब्जे का आरोप; मकान-दुकान में घुसने और ताले तोड़ने का भी दावा, एसएसपी से परिवार की सुरक्षा की गुहार

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के गांव शेरपुर में सरकारी भूमि पर दर्ज चकरोड पर कथित कब्जे को लेकर चल रहा विवाद अब बेहद गंभीर आरोपों तक पहुंच गया है। चकरोड से कथित कब्जा हटाने की मांग करने वाले गांव निवासी हमीदुल्ला ने मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कुछ लोगों पर उसके और उसके परिवार को जान से मारने, अपहरण कराने तथा बेटियों को बदनाम करने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि चकरोड से कब्जा हटाने की मांग करने के बाद से ही उस पर और उसके परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है। हमीदुल्ला ने बताया कि उसने पूरे मामले को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक समेत मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। उसने अधिकारियों से कथित कब्जे को हटवाने के साथ-साथ परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने

की भी गुहार लगाई है। मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए हमीदुल्ला पुत्र याहिया निवासी ग्राम शेरपुर ने बताया कि गांव समाज शेरपुर की भूमि के खसरा नंबर 924, 936, 835 और 842 राजस्व अभिलेखों में चकरोड के रूप में दर्ज हैं। उसका आरोप है कि उक्त सरकारी भूमि पर गांव के कुछ लोगों ने कथित रूप से कब्जा कर रखा है। हमीदुल्ला ने अपनी शिकायत में जाकिर, जाबिर, उस्मान, अनीस, हसन, फुरमान और इरफान समेत कई लोगों पर चकरोड पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। साथ ही उसने लेखपाल भूपेंद्र सिंह और ग्राम प्रधान पर भी कब्जा कराने में मिलीभगत और आर्थिक लेनदेन के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आना बाकी है। पीड़ित ने बताया कि 26 अक्टूबर 2025 को उसके साथ कथित मारपीट, लूट तथा उसकी दुकान और मकान के बैनामे से संबंधित कागजात जबरन ले जाने के आरोपों को लेकर उसने अगले दिन अधिकारियों को शिकायत भेजी थी।

शिकायत मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, पुलिस अधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजे जाने का दावा किया गया है। हमीदुल्ला के अनुसार, उस शिकायत पर पुलिस ने जांच की थी।

इसके बाद गांव के लोगों के बीच आपसी समझौता हुआ था। पीड़ित का दावा है कि उस समय कथित कब्जेदारों ने अपनी गलती मानते हुए चकरोड खाली करने की बात कही थी। आरोप है कि समझौते के बावजूद चकरोड से कब्जा नहीं हटाया गया। हमीदुल्ला का कहना है कि उसने कई बार संबंधित लोगों, ग्राम प्रधान और लेखपाल से समझौते के अनुसार रास्ता खाली करने के लिए कहा, लेकिन कथित तौर पर उसकी बात नहीं मानी गई। हमीदुल्ला का आरोप है कि चकरोड खाली कराने के लिए बार-बार कहने पर आरोपी पक्ष उससे नाराज हो गया।

लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के तहत चार अक्टूबर को सपा निकालेगी मार्च

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने पर उठाए सवाल, डीएम से मिलकर मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के साक्ष्य सौंपने का भी ऐलान

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी की ओर से दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक ह्यलोकतंत्र बचाओ सप्ताहह्न मनाया जा रहा है। इसी क्रम में पार्टी ने जिले में विभिन्न कार्यक्रमों की घोषणा की है। शनिवार को महावीर चौक स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने आंदोलन के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई। साथ ही एसआईआर के बाद जारी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर भी सवाल खड़े किए। जिला अध्यक्ष जिया चौधरी ने बताया कि

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर लोकतंत्र बचाओ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत विधानसभा स्तर पर बैठकें भी आयोजित की जा चुकी हैं। अब चार अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर पार्टी कार्यकर्ता पैदल मार्च निकालकर अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाएंगे। जिया चौधरी ने बताया कि चार अक्टूबर को सुबह 11 बजे समाजवादी पार्टी कार्यालय से पैदल मार्च शुरू होगा। यह मार्च महावीर चौक से होते हुए कचहरी गेट स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल तक पहुंचेगा। वहां पार्टी कार्यकर्ता प्रदर्शन कर अपनी मांगें रखेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन करने की भी घोषणा की गई है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी का यह कार्यक्रम लोकतांत्रिक अधिकारों और मतदाता सूची से जुड़े सवालों को लेकर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस अपना काम करेगी और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अपना लोकतांत्रिक कार्यक्रम करेंगे। पत्रकार वार्ता में जिया चौधरी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को लेकर सवाल उठा रही है और इन्हें लेकर पार्टी आगे भी अपना आंदोलन जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों को जनता और प्रशासन के सामने रखना है। इसी क्रम में चार अक्टूबर का मार्च और प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष ने एसआईआर के बाद जारी मतदाता सूची को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रक्रिया के बाद बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने मांग की कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनकी वैधानिक स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाया गया है

खतौली में चाकू के साथ युवक गिरफ्तार: आर्म्स एक्ट में दर्ज मुकदमा

पुलिस की चेकिंग में पकड़ा गया शातिर

खतौली (मुजफ्फरनगर)। आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना खतौली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मूल रूप से गौतमबुद्धनगर का निवासी है और फिलहाल मेरठ के सरधना में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया है। थाना खतौली पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रढ) संजय कुमार वर्मा द्वारा जनपद में

अपराधियों एवं अवैध शस्त्र धारकों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र के नेतृत्व में पुलिस टीम थाना क्षेत्र में मुस्तैदी से चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान भूड़ चौकी क्षेत्र के अंतर्गत सफेदा पुल के नीचे स्थित रेलवे अंडरपास के पास पुलिस को एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया। पुलिस टीम को देखकर उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद जवानों ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस द्वारा पकड़े गए युवक की मौके पर तलाशी ली गई, तो उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पूछताछ करने पर आरोपी की पहचान आरिश पुत्र आशिब के रूप में हुई। आरोपी मूल रूप से नई आबादी दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर का निवासी है और वर्तमान में नई बस्ती देव मंदिर, कस्बा व थाना सरधना, जनपद मेरठ में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी आरिश के खिलाफ मु०अ०सं० 326/2026, धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेंगे।

संपादकीय

पढ़ाई का दबाव कहीं जिंदगी पर भारी तो नहीं पड़ रहा?

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में अच्छे अंक लाने, प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने और बेहतर करिअर बनाने की होड़ में विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।नए सर्वेक्षण के अनुसार, करीब 34 फीसद विद्यार्थियों ने माना कि उन्होंने किसी न किसी स्तर पर परिसर में खुद को बाहरी व्यक्ति जैसा महसूस किया।देश भर में विद्यार्थियों के आत्महत्या करने की बढ़ती घटनाएं एक गंभीर सामाजिक और शैक्षिक चिंता बनती जा रही है। पढ़ाई, परीक्षा और भविष्य को लेकर दबाव कई विद्यार्थियों को मानसिक तनाव की ऐसी स्थिति में पहुंचा देता है, जहां उन्हें समस्याओं के समाधान का कोई रास्ता नजर नहीं आता। यह शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ संस्थानों तथा परिवार एवं समाज से जुड़ा व्यापक मुद्दा है।आज के प्रतिस्पर्धी दौर में अच्छे अंक लाने, प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने और बेहतर करिअर बनाने की होड़ में विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। इसकी पुष्टि सर्वोच्च न्यायालय की ओर से गठित समिति के राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के नतीजों से भी होती है। इसमें नौ फीसद विद्यार्थियों ने आत्महत्या के विचार आने की बात मानी है, जबकि करीब पंद्रह फीसद विद्यार्थियों ने स्वीकार किया कि पिछले छह महीनों में वे ऐसे दौर से गुजरे, जब उन्होंने खुद को बेहद परेशान या तनावग्रस्त महसूस किया।जाहिर है कि विद्यार्थियों पर दबाव को कम करने और उनकी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस उपाय करने की नितांत आवश्यकता है।अहम सवाल यह है कि क्या शिक्षण संस्थान महज अंकों की प्रतिस्पर्धा के केंद्र बनकर रह गए हैं! क्या विद्यार्थियों की परेशानियों के समाधान को लेकर संस्थानिक संवेदनशीलता और जिम्मेदारी को हाशिये पर रखा जा रहा है? राष्टीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में देश भर में तेरह हजार से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न कारणों से आत्महत्या की।हाल ही में आइआइटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या की घटना ने एक बार फिर इस मसले पर व्यापक चिंता और व्यवस्था में सुधार की जरूरत को रेखांकित किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020-21 से 2024-25 के बीच देश के तेईस आइआइटी में विद्यार्थियों की आत्महत्या के पैंतालीस मामले सामने आए।नए सर्वेक्षण के अनुसार, करीब 34 फीसद विद्यार्थियों ने माना कि उन्होंने किसी न किसी स्तर पर परिसर में खुद को बाहरी व्यक्ति जैसा महसूस किया। इससे स्पष्ट है कि शिक्षण संस्थानों में ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है, जहां शिक्षा के साथ-साथ भावनात्मक अभिव्यक्ति और शिक्षकों के साथ खुले संवाद को भी महत्त्व दिया जाए।शिक्षण संस्थानों में परामर्श की सुविधा का सवाल भी महत्त्वपूर्ण है। सर्वेक्षण के दौरान बत्तीस फीसद शिक्षार्थियों ने कहा कि उनके संस्थान में परामर्श की सुविधा नहीं है।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

(ललित गर्ग)

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों

को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को 'एआई बंद करो' नहीं, बल्कि 'एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो' का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता।

हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता, तस्करी के जाल में सिसकता बचपन

(ऋतुपर्ण दवे)

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2018 से 30 जून 2023 तक 2,75,125 बच्चे लापता हुए, जिनमें 62 हजार से अधिक लड़के और दो लाख से ज्यादा लड़कियां हैं।सबसे ज्यादा 61,102 बच्चे मध्य प्रदेश से गायब हुए, जिनमें 49,024 लड़कियां और 12,078 लड़के हैं। भारत में बाल तस्करी ने एक ऐसी गंभीर समस्या का रूप ले लिया है, जो बच्चों के अधिकारों और भविष्य को नष्ट कर रही है। तस्करी के शिकार बच्चों को न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ती है। बच्चों को अगवा करने के बदलते तौर-तरीके गहरी चिंता पैदा करते हैं। लापता होने वाले बच्चों के सरकारी आंकड़े रोंगटे खड़े कर देते हैं। देश भर में हर साल हजारों बच्चे लापता हो जाते हैं। औसतन हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। इस पर विडंबना यह है कि कड़े कानूनों के बावजूद लापता बच्चों की बरामदगी की दर काफी कम है। बाल तस्कर गिरोह बच्चों को अगवा कर कई बार उन्हें बाल श्रम या भिक्षावृत्ति के जरिए अपने लिए आय के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यही नहीं, ऐसे बच्चों को यौन शोषण और अंगों की तस्करी का दंश भी झेलना पड़ता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बाल तस्कर गिरोहों पर कानून का शिकंजा क्यों नहीं कस पा रहा है? सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2018 से 30 जून 2023 तक 2,75,125 बच्चे लापता हुए, जिनमें 62 हजार से अधिक लड़के और दो लाख से ज्यादा लड़कियां हैं। सबसे ज्यादा 61,102 बच्चे मध्य प्रदेश से गायब हुए, जिनमें 49,024 लड़कियां और 12,078 लड़के हैं। दूसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल है, जहां 49,129 बच्चे लापता हुए, जिनमें 41,808 लड़कियां और 7,321 लड़के हैं। तीसरा स्थान कर्नाटक का है, जहां 27,528 लापता बच्चों में 18,893 लड़कियां और 8,635 लड़के हैं। इसी तरह गुजरात में 20,081 लापता बच्चों में 16,432 लड़कियां और 3,649 लड़के हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दौरान 22,964 बच्चे लापता हुए, जिनमें 15,365 लड़कियां और 7,599 लड़के हैं। वर्ष 2024 के आंकड़े भी कम नहीं हैं, इस दौरान देश भर में 98,375 बच्चे लापता हुए, जो 2023 की तुलना में आठ फीसद ज्यादा हैं। यह और भी चिंताजनक है कि इन आंकड़ों में लड़कियों की संख्या कहीं ज्यादा है। एक और सरकारी आंकड़ा चिंता को बढ़ाता है। वर्ष 2023 में करीब बीस हजार बच्चे ऐसे थे, जो देश की सड़कों पर रहते थे। इनमें दस हजार बच्चे ही अपने परिवारों के साथ रहते थे, बाकी सभी बेघर एवं बेसहारा थे। ऐसे बच्चे भी बाल श्रम, अंग तस्करी या यौन अपराधियों का शिकार बनते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय को केंद्र सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2020 से लगभग 36 हजार बच्चे लापता हैं, जिन्हें अब तक खोजा नहीं जा सका। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2022 में बच्चों के अपहरण के 16,262 मामले दर्ज हुए। वर्ष 2023 में देश भर में कुल 91,296 बच्चे लापता हुए, जिनमें 22,460 लड़के और 68,835 लड़कियां थीं। जबकि 2022 में यह संख्या 83,350 थी। यानी लापता बच्चों की संख्या में 9.5 फीसद की वृद्धि हुई।

इन आंकड़ों को सार्वजनिक करने में बीस माह की देरी हुई और इसके लिए सत्यापन तथा मिलान का हवाला दिया गया। ये तो वे आंकड़े हैं, जो पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों के पास दर्ज होते हैं। मगर ऐसे भी कई मामले होते हैं, जो पुलिस में दर्ज ही नहीं हो पाते।

बाल श्रम पर काम करने वाली संस्था कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन की एक रिपोर्ट बताती है कि कोविड-19 के बाद बच्चों की तस्करी के मामले 68 फीसद तक बढ़े। वर्ष 2016 से 2022 तक 13,549 बच्चों को तस्करी से बचाया गया, जिनमें से अस्सी फीसद बच्चे 13 से 18 साल के थे। तकनीक के इस दौर में बाल तस्करी के नए तौर-तरीके सामने आना चिंता बढ़ाता है। इसमें आनलाइन मंच का उपयोग कर दूर बैठे तस्कर पहले बच्चों से मेल-जोल बढ़ाते हैं और फिर उन्हें अपनी गिरफ्त में ले लेते हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्तर पर लापता बच्चों का पता लगाने की दर करीब पैंसठ फीसद है, जिसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता। यह दर केरल में 95.9 फीसद, आंध्र प्रदेश में 85.7 फीसद, तमिलनाडु में 80.3 फीसद और मध्य प्रदेश में 69.8 फीसद है। इनमें वह आंकड़ा शामिल नहीं है, जिसमें ऐसे बच्चों की बरामदगी हुई है, जिनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज नहीं थी। सबसे पहले बच्चों के लापता होने और तस्करों के जाल में फंसने के कारणों को समझने की जरूरत है। अशिक्षा, गरीबी और बेरोजगारी के अलावा सामाजिक भेदभाव भी इसके प्रमुख कारण हैं। आर्थिक तंगी के कारण दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के बच्चों पर तस्करी का जोखिम सबसे ज्यादा होता है। इन समुदायों में माता-पिता अक्सर काम के लिए अपने बच्चों को ठेकेदारों या जान-पहचान वालों के साथ भेज देते हैं, जहां वे बाल तस्कर गिरोहों के जाल में फंस जाते हैं और उनका लौटना मुश्किल हो जाता है।

सावधान ! इलेक्ट्रिसिटी बिल में जुड़कर आयेगी बकाया ट्रेफिक चैंलेज राशि, नहीं भरा जुर्माना तो कटेगी लाइट !

इसके साथ ही सड़कों पर रेंडम चेक बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया, ताकि पता चल सके कि किन वाहनों पर पुराने ई-चालान लंबित हैं। हम आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली के आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को और ज्यादा उजागर करते हैं। 28 सितंबर 2026 तक दिल्ली में यातायात चालानों और कैमरे से जारी नोटिसों की कुल लंबित दर करीब 73 प्रतिशत है। मौके पर काटे गए करीब 1.7 करोड़ चालानों में लगभग 1.1 करोड़ लंबित हैं, जबकि कैमरे से जारी करीब 4.5 करोड़ नोटिसों में लगभग 3.4 करोड़ का भुगतान नहीं हुआ है।

(नीरज कुमार दुबे)

अदालत ने परिवहन संबंधी ऑनलाइन व्यवस्था पर ऐसे वाहनों को चिह्नित करने और बकाया चालान साफ होने तक स्वामित्व परिवर्तन रोकने की बात कही। इसके साथ ही सड़कों पर रेंडम चेक बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया, ताकि पता चल सके कि किन वाहनों पर पुराने ई-चालान लंबित हैं।

सड़क पर यातायात नियम तोड़कर चालान कटवाना आसान है, लेकिन अब उसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को लंबित ई-चालानों की वसूली के लिए ऐसा तंत्र बनाने की जरूरत बताई है, जिससे नियम तोड़ने वालों को जुर्माना चुकाने के लिए मजबूर होना पड़े। अदालत ने यहां तक सुझाव दिया कि बकाया यातायात चालान को बिजली बिल से जोड़ दिया जाए। बिजली का बिल नहीं चुकाने पर जिस तरह बिजली काटने की कार्रवाई होती है, उसी तरह चालान की वसूली सुनिश्चित करने का रास्ता खोजने की बात अदालत ने कही।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने साफ कहा कि केवल हजारों-लाखों ई-चालान काटते रहना पर्याप्त नहीं है। असली सवाल जुर्माने की वसूली का है। अदालत के सामने रखे आंकड़ों के मुताबिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में करीब 45 हजार करोड़ रुपये के ई-चालान जारी किए गए हैं, जिनमें लगभग 25 हजार करोड़ रुपये ही वसूल हो पाए हैं। यानी करीब 20 हजार करोड़ रुपये अब भी बकाया हैं।

यह सुनवाई 2012 से लंबित सड़क सुरक्षा से जुड़ी जनहित याचिका के तहत हुई। अदालत ने लंबित चालानों से निपटने के लिए कई कठोर विकल्पों पर भी विचार किया। बकाया चालान वाले वाहनों को काली सूची में डालने, वाहन का स्वामित्व हस्तांतरण

रोकने और पंजीकरण प्रमाणपत्र के नवीनीकरण पर रोक जैसे उपायों की चर्चा हुई। यहां तक कि ऐसे वाहनों के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र और फिटनेस प्रमाणपत्र रोकने तथा चालक के लाइसेंस के नवीनीकरण पर भी कार्रवाई का सुझाव सामने आया।

अदालत ने परिवहन संबंधी ऑनलाइन व्यवस्था पर ऐसे वाहनों को चिह्नित करने और बकाया चालान साफ होने तक स्वामित्व परिवर्तन रोकने की बात कही। इसके साथ ही सड़कों पर रेंडम चेक बढ़ाने का सुझाव भी दिया गया, ताकि पता चल सके कि किन वाहनों पर पुराने ई-चालान लंबित हैं। हम आपको बता दें कि राजधानी दिल्ली के आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को और ज्यादा उजागर करते हैं। 28 सितंबर 2026 तक दिल्ली में यातायात चालानों और कैमरे से जारी नोटिसों की कुल लंबित दर करीब 73 प्रतिशत है। मौके पर काटे गए करीब 1.7 करोड़ चालानों में लगभग 1.1 करोड़ लंबित हैं, जबकि कैमरे से जारी करीब 4.5 करोड़ नोटिसों में लगभग 3.4 करोड़ का भुगतान नहीं हुआ है। कैमरा आधारित नोटिसों की लंबित दर करीब 75.8 प्रतिशत, जबकि मौके पर काटे गए चालानों की लंबित दर करीब 66.4 प्रतिशत है। बकाया चालानों में सबसे ऊपर तेज रफ्तार है, जिसके करीब 1.7 करोड़ चालान लंबित हैं। इसके बाद गलत पार्किंग के करीब 85.4 लाख, बिना हेलमेट करीब 47.8 लाख और लालबत्ती तोड़ने के करीब 47.5 लाख मामले हैं। इस साल 28 सितंबर तक भी तेज रफ्तार के करीब 18.5 लाख, गलत पार्किंग के 17.3 लाख और बिना हेलमेट के 11.2 लाख चालान दर्ज हुए हैं। वसूली की राह में भुगतान प्रक्रिया भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कई लोग लोक अदालतों का इंतजार करते हैं। कुछ मामलों में 2,000 रुपये का चालान लोक अदालत में 200 रुपये में निपटने की संभावना बताई जाती है। दूसरी ओर, रोज नए चालान बनते हैं, जबकि लोक अदालतें निश्चित समय पर लगती हैं, जिससे लंबित मामलों का ढेर बढ़ता रहता है। वहीं तेज रफ्तार के मामलों में ऑनलाइन भुगतान की समयसीमा 90 दिन है, जबकि लालबत्ती उल्लंघन में शिकायत दर्ज कराने के लिए 15 दिन की अवधि होती है। इसके अलावा चालान संदेशों के अनियमित पहुंचने और मौके पर तत्काल भुगतान न कर पाने की स्थिति भी वसूली को प्रभावित करती है।

हालांकि दिल्ली में व्यवस्था सुधारने की कोशिशें तेज हुई हैं। सितंबर 2025 में दिल्ली यातायात पुलिस ने ई-चालान व्यवस्था को भारत बिल भुगतान प्रणाली से जोड़ा, जिससे पुराने और मौजूदा समझौता योग्य चालानों का भुगतान यूपीआई आधारित माध्यमों से किया जा सकता है। नागरिकों को व्हाट्सऐप के जरिए भी चालान की सूचना भेजी जा रही है। सूत्रों के अनुसार इन दोनों व्यवस्थाओं के बाद चालान भुगतान में पांच गुना वृद्धि हुई है। इसके अलावा, लोक अदालतों और शाम की अदालतों के बाद अब सप्ताहांत में भी सुनवाई बढ़ाने की कोशिश हो रही है और अधिक पीठों के जरिए मामलों के निपटारे की गति बढ़ाई जा रही है। देखा जाये तो सुप्रीम कोर्ट का संदेश साफ है कि सड़क पर नियम तोड़कर चालान कटवाना समस्या का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। अब चुनौती चालान काटने की नहीं, हर बकाया रुपये की वसूली की है।

उधर, सोशल मीडिया पर इस सुझाव को लेकर प्रतिक्रियाएं मिश्रित दिखाई दे रही हैं। कुछ लोगों ने इसे लंबित चालानों की वसूली सुनिश्चित करने के लिए कड़ा और व्यावहारिक दबाव बनाने वाला विचार बताया, जबकि कई लोगों ने सवाल उठाया कि बिजली का बिल पूरे परिवार या मकान से जुड़ा होता है, जबकि यातायात उल्लंघन किसी एक व्यक्ति या वाहन से संबंधित होता है।

श्री 1008 अनंतनाथ भगवान की वार्षिक शोभायात्रा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ धूमधाम से निकली

अभिषेक, शांतिधारा एवं ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ धार्मिक आयोजन

मुजफ्फरनगर। श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर, चोरी गली, नई मंडी, मुजफ्फरनगर में शनिवार को 1008 श्री अनंतनाथ भगवान की वार्षिक शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ निकाली गई। प्रातःकाल भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुई। इसके पश्चात धार्मिक परंपरानुसार सर्वप्रथम झंडारोहण किया गया।

झंडारोहण का सौभाग्य

धार्मिक आयोजन में सर्वप्रथम झंडारोहण का सौभाग्य अर्जुन जैन एवं श्रीमती पिंकी जैन, कुटेसरा वालों को प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ ध्वजारोहण कर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

श्री 1008 अनंतनाथ भगवान को रथ में विराजमान कराने का सौभाग्य प्रमोद जैन, अशोक जैन, मनोज जैन एवं पिंटू जैन सर्राफ परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ भगवान का गुणगान किया और वातावरण भक्तिमय हो गया।

रथ के सारथी बनने का अवसर

भगवान के रथ के सारथी बनने का सौभाग्य विपिन जैन, भुल्लन सिंह एवं धनप्रकाश जैन सर्राफ परिवार को प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने धार्मिक उल्लास के साथ शोभायात्रा में सहभागिता की। इस अवसर पर राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भगवान के समक्ष श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए अभिषेक एवं धार्मिक आयोजन में सहभागिता की। उन्होंने जैन समाज को वार्षिक रथयात्रा एवं धार्मिक पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान महावीर एवं जैन तीर्थंकरों द्वारा दिया गया अहिंसा, सत्य, संयम और त्याग का संदेश आज के समाज के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। धार्मिक आयोजन समाज में शांति, सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

इस अवसर पर दाएं इंद्र बनने का सौभाग्य नीरज जैन एवं अतिशय जैन, खतौली वालों को प्राप्त हुआ। बाएं इंद्र का सौभाग्य चंद्रमोहन जैन को प्राप्त हुआ। वहीं खजांची बनने का अवसर ऋषभ जैन, अतिशय जैन, कवाल वालों तथा नवीन जैन एवं मोहित जैन, कवाल वालों को प्राप्त हुआ। इन सभी परिवारों ने धार्मिक पात्रों का निर्वहन करते हुए भगवान की भक्ति एवं आराधना में सहभागिता की।

धार्मिक उल्लास से गूंजा नई मंडी क्षेत्र शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भगवान श्री अनंतनाथ के जयकारों, भक्ति एवं धार्मिक वातावरण से नई मंडी क्षेत्र गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा अहिंसा, संयम, त्याग, तप एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मंदिर समिति के अध्यक्ष अमित कुमार जैन एडवोकेट ने कहा कि भगवान की वार्षिक शोभायात्रा समाज के लिए आस्था, धर्म और एकता का पर्व है। भगवान के सिद्धांतों को जीवन में उतारना ही उनकी सच्ची आराधना है। उन्होंने शोभायात्रा में सहभागिता करने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। मंदिर समिति की ओर से सभी पात्रों एवं उनके परिवारों को धार्मिक सौभाग्य प्राप्त होने पर शुभकामनाएं दी गईं तथा शोभायात्रा में सहयोग करने वाले समस्त श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया।

हवन की आहुति और भंडारे के साथ श्रीराम कथा का समापन।

तपस्वी बाबा मदन लाल जी महाराज की पुण्यतिथि पर श्रद्धालुओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि, बड़ी संख्या में भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद।

थानाभवन- दयाल आश्रम में तपस्वी बाबा मदन लाल जी महाराज की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में दयाल आश्रम ट्रस्ट की ओर से आयोजित सात दिवसीय श्रीराम कथा का विधि-विधान से समापन हुआ। समापन अवसर पर हवन-पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दयाल आश्रम पहुंचकर हवन में आहुति दी और तपस्वी बाबा मदन लाल जी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

दयाल आश्रम परिसर में सात दिनों तक चली श्रीराम कथा में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, मयार्दा, त्याग और भक्ति से जुड़े प्रसंगों का श्रवण किया। कथा के समापन अवसर पर हवन में श्रद्धालुओं ने परिवार और समाज की सुख-शांति, समृद्धि एवं कल्याण की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित कीं। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

भंडारे की व्यवस्था में समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान तपस्वी

बाबा मदन लाल जी महाराज के जीवन और उनके आध्यात्मिक योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि संत-महात्माओं का जीवन समाज को धर्म, सेवा, सद्भाव और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में समिति की ओर से जगदीश नारंग, संजीव चावला, अशोक चावला, महेंद्र नारंग,पंकज चावला और सुभाष नारंग सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। वहीं गुरु परिवार की ओर से मास्टर आरके कालिया (अंबाला), प्रेम कालिया, भूषण लाल, बलविंदर कालिया (करनाल), मंगतराम कालिया (करनाल), राम प्रताप कालिया एवं श्री राम किशन सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा, सेवा भावना और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा मिलता है

अमित विहार मे पितृनाम संकीर्तन एवं गीतापाठ का भव्य आयोजन किया

मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फरनगर के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि पितृपक्ष मे नगर के अलग-अलग क्षेत्रों/परिवारों में प्रतिदिन निःशुल्क गीतापाठ,पितृनाम संकीर्तन का जो आयोजन किया जा रहा है उसी श्रृंखला मे अर्जुन पाल कूकड़ा,अमित विहार के सौजन्य से आयोजित किया गया। सर्वप्रथम विधिवत पूजन के उपरांत अतुल गर्ग द्वारा गणेश वन्दना,मॉ शारदा का आह्वान,ॐ नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र,अक्षर ब्रह्मयोग का पाठ,भगवत स्तुति गीता मन्त्र।माता,पिता आदि के भजनो के साथ पितृनाम संकीर्तन मे भजन गायक महेन्द्र रावत,राजेश वर्मा तथा दीपाली कौशिक, विपिन गुप्ता,संजय अरोरा द्वारा राधा नाम स्तुति तथा पितरों के प्रति समर्पित भावपूर्ण भजनों की सुमधुर प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजनों में व्यक्त

भक्ति, श्रद्धा और पूर्वजों के प्रति सम्मान की भावना ने ऐसा भावनात्मक वातावरण निर्मित किया कि "श्रद्धालु अपने पितरों का स्मरण कर भावुक हो उठे और अनेक लोगों की आंखें नम हो गईं । वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने बताया कि महर्षि याज्ञवल्क्य ने अपनी याज्ञ वल्क्य स्मृति में लिखा है कि पितृ लोग श्राद्ध से तृप्त होकर आयु,पूजा,धन, विद्या,स्वर्ग, मोक्ष,राज्य एवं अन्य सभी सुख प्रदान करते हैं। ।गीतापाठ के सफल आयोजन मे, अर्जुनपाल, मीनाक्षी शर्मा,अनीता गुप्ता, डॉ अंकिता गर्ग,दीपक गौतम, शुभम वत्स,पूजा, नीलम, सरिता,ज्योति,आशा, संतोष, वेदपाल,गीता,टिंकू, स्वाति, रितू, रीना,पिंकी,अंश, प्रमेन्द्र, जितेंद्र,राकेश,राजपाल, राजेश,अर्चना,दीपक,मिंटू, आर्यन,राखी,सृष्टि,अनिका, सोलंकी,वीर आदि तथा बड़ी संख्या मे मातृशक्ति उपस्थित रही। गीताजी की आरती के उपरांत भोग प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

मेरठ के परतापुर में सपा का प्रचंड प्रदर्शन: भारी पुलिस बल से तीखी नोकझोंक, SDM को सौंपा ज्ञापन, CEC के इस्तीफे पर अड़े !

मेरठ। परतापुर थाना क्षेत्र में आज मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर भारी हंगामा देखने को मिला, जहां कुंडा गांव में सुबह से ही सैकड़ों सपा कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा हुआ था। यह सभी कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय के घेराव के लिए निकलने वाले थे, लेकिन ब्रह्मपुरी सीओ राम प्रकाश, परतापुर थाना एसओ अजय शुक्ला और एसडीएम शुभम श्रीवास्तव ने भारी पुलिस बल के साथ कुंडा में ही कार्यकर्ताओं को रोक लिया।

सपा नेता प्रदीप कसाना और जाहिद त्यागी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही जमकर नारेबाजी की और सरकार पर लोकतंत्र दबाने का आरोप लगाया। सपा नेताओं का सीधा दावा है कि 2024 से मुख्य चुनाव आयुक्त बने ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में चुनावों में भारी धांधली हुई है और कई राज्यों में जातिगत आधार पर टारगेट करके वोट काटे गए हैं। परतापुर थाना क्षेत्र में मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा काफी समझाने-बुझाने और भारी मशक्कत के बाद आखिरकार कार्यकर्ताओं ने एसडीएम शुभम श्रीवास्तव को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान इशू पुट्ठा, हर्षवर्धन त्यागी, आशीष, रजत, राजू पाल, दीपक ढिलोर, रॉबिन मावी, दीपक पुट्ठा और रितिक कुंडा समेत सैकड़ों सपा कार्यकर्ता डटे रहे और साफ चेतावनी दी कि जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं होगा, तब तक समाजवादी लोग सड़कों पर ही आंदोलन करते रहेंगे।

पेंट से भरा ट्रक पलटा, भारी मात्रा में सडक पर फैला पेंट

गाजियाबाद। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में तिगरी गोल चक्कर के पास शनिवार को पेंट से भरा एक ट्रक अचानक पलट गया। ट्रक के सड़क पर पलटते ही उसमें रखा भारी मात्रा में पेंट सड़क पर फैल गया। देखते ही देखते सड़क का एक बड़ा हिस्सा पेंट से भर गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। ट्रक से पेंट सड़क पर फैलने के बाद मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोग और राहगीर सड़क पर गिरे पेंट को अपने बर्तनों में भरकर ले जाते दिखाई दिए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में लोग सड़क पर फैले पेंट को बर्तनों में भरते नजर आ रहे हैं। वहीं, सड़क पर बड़ी मात्रा में पेंट फैल जाने के कारण वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। पेंट के कारण सड़क पर वाहनों की रफ्तार कम हो गई और वाहन चालक संभलकर वहां से निकलते दिखाई दिए दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और संबंधित टीमों ने मौके की स्थिति का जायजा लिया। सड़क से पेंट और ट्रक को हटाने की कार्रवाई की गई। हालांकि, वायरल वीडियो में दिखाई दे रही स्थानीय लोगों की गतिविधियों और घटना के अन्य पहलुओं की स्वतंत्र रूप से पुष्टि किया जाना बाकी है।

फिलहाल ट्रक किस वजह से पलटा और हादसे में किसी व्यक्ति के घायल होने की जानकारी है या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

IIA की पहल: DAV Degree College के छात्रों को मुजफ्फरनगर के उद्योग जगत से जोड़ने का प्रयास

IIA Campus Connect के तहत IIA-IYC मुजफ्फरनगर ने आयोजित किया भर्ती एवं करियर संवाद कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। आईआईए-आईवाईसी मुजफ्फरनगर चैप्टर की ओर से डीएवी डिग्री कॉलेज, आर्य समाज रोड, मुजफ्फरनगर में IIA Campus Connect के तहत भर्ती कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीबीए एवं बीसीए के छात्रों ने भाग लिया। कॉलेज प्रबंधन एवं शिक्षकों ने आईआईए-आईवाईसी टीम का स्वागत किया और कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों से बातचीत की गई तथा उनकी योग्यता, रुचि और करियर से जुड़ी जानकारी ली गई। चयन प्रक्रिया के माध्यम से योग्य छात्रों को आगे रोजगार के अवसरों के लिए चिन्हित किया जाएगा।

इस अवसर पर IIA Senior Membe नीरज केडिया, Secretary राहुल मित्तलChairman Public Relation Committee राज शाह, IYC Captainअनमोल अग्रवाल, Chairman Industrial Human Resource

Committee अमन गुप्ता, समर्थ जैन, कनव अग्रवाल, चैतन्य अग्रवाल एवं नमन जैन ने छात्रों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों को रोजगार, उद्योग जगत और करियर से जुड़े अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्रों को बताया गया कि आज के समय में रोजगार के लिए केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है। विषय की जानकारी के साथ अच्छी संवाद क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम भावना और व्यावहारिक समझ भी जरूरी है।

आईआईए-आईवाईसी मुजफ्फरनगर चैप्टर द्वारा IIA Campus Connectके माध्यम से DAV Degree College के छात्रों और मुजफ्फरनगर के उद्योग जगत के बीच संपर्क बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। आगे भी विभिन्न कॉलेजों में भर्ती एवं करियर संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए आईआईए-आईवाईसी मुजफ्फरनगर चैप्टर ने डीएवी डिग्री कॉलेज प्रबंधन एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

सपा विधायक बोले– BJP MLC बनवा रहे फर्जी वोट मेरठ में BLO से ऐप-OTP मांगने और तबादले कराने का दावा, चुनाव आयोग से शिकायत

मेरठ । शहर सीट से सपा विधायक रफीक अंसारी ने भाजपा एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज पर SIR के दौरान गड़बड़ी करने के आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस-।वार्ता कर उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में BLO के तबादले कराए गए और उनसे ऐप व OTP मांगे जा रहे हैं। रफीक अंसारी ने कहा कि उन्होंने मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की है। उनका आरोप है कि जो BLO ऐप और OTP देने से मना कर रहे हैं, उनका तबादला कराया जा रहा है। विधायक ने दावा किया कि अब तक करीब 48 इछड का तबादला हो चुका है और इसकी सूची भी आयोग को दी गई है।

सपा विधायक ने आरोप लगाया कि रक्फ्र खत्म होने के बाद भी BLO से उनके ऐप और OTP मांगे जा रहे हैं। उनका दावा है कि इसी ऐप और

OTP का इस्तेमाल मतदाता सूची में नाम जोड़ने के काम में होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरठ शहर सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी के चलते फर्जी वोट बनवाने की कोशिश की जा रही है।

चुनाव आयोग से तबादले रद्द करने की मांग

रफीक अंसारी ने बताया कि उन्होंने राज्य निर्वाचन आयुक्त से मिलकर शिकायत दी है। इसमें मेरठ की 48-मेरठ विधानसभा सीट पर SIR में बड़े स्तर पर गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। उन्होंने मांग की कि जिन BLO का गलत तरीके से तबादला हुआ है, उन्हें वापस उसी क्षेत्र में तैनात किया जाए और पूरे मामले की जांच कराई जाए।

मेरठ जिला प्रशासन की वेबसाइट पर 48- मेरठ विधानसभा सीट के लिए रक्फ्र2026 से संबंधित रिकॉर्ड और मतदाता सूची की जानकारी उपलब्ध है।

मीडिया के सामने ऑडियो सुनाया

प्रेसवार्ता में रफीक अंसारी ने दो लोगों की बातचीत का ऑडियो भी सुनाया विधायक के मुताबिक, बातचीत में एक व्यक्ति खुद को BLO बता रहा है और धर्मेंद्र भारद्वाज का नाम लेते हुए आरोप लगा रहा है कि कुछ इछड को अपने पक्ष में किया गया और तबादले कराए जा रहे हैं।

ऑडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दैनिक भास्कर भी ऑडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता।

रफीक अंसारी ने बताया कि इस मामले में डीएम मेरठ से लेकर चुनाव आयोग तक शिकायत की गई है। करीब पांच दिन पहले सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने भी मेरठ शहर सीट पर मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और BLO के तबादलों को लेकर चुनाव आयोग में शिकायत की थी। प्रेसवार्ता में सपा जिलाध्यक्ष कर्मवीर सिंह गुमी और महानगर अध्यक्ष आदिल चौधरी भी मौजूद रहे। रफीक अंसारी ने कहा कि पार्टी सभी विधानसभा सीटों पर मतदाता सूची की जांच कर रही है।

गाजियाबाद में चोरियों से परेशान लोगों का मार्च, सड़कों पर गूंजा जागते रहो का नारा

गाजियाबादः विजय नगर थाना क्षेत्र की सेक्टर-9 चौकी इलाके में लगातार हो रही चोरियों से परेशान स्थानीय लोगों का गुस्सा अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोगों ने इलाके में मार्च निकालकर विरोध जताया। इस दौरान लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर निकले और जागते रहो के नारे लगाते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले करीब एक महीने में इलाके में 6 से ज्यादा चोरी की वारदातें हो चुकी हैं, जबकि 10 से अधिक चोरी के प्रयास किए जाने की बात भी सामने आई है। लगातार हो रही घटनाओं के चलते लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। लोगों का आरोप है कि चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस में शिकायत और एफआईआर दर्ज कराने के बावजूद अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इससे नाराज लोगों ने कहा कि जब पुलिस इलाके की सुरक्षा नहीं संभाल पा रही है तो अब वे खुद सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्थानीय युवाओं ने एक दल गठित कर रात के समय इलाके में निगरानी शुरू करने की बात कही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को लोग लाठी-डंडों के साथ सड़कों पर उतरे और मार्च निकाला।

रंग संसार

76 रुपए में शारदा सिन्हा ने गाया था ये बॉलीवुड गीत, रातोंरात हुआ वायरल; रोडवेज बसों में खूब बजता है ये गाना

नई दिल्ली। बिहार की लोक गायिका शारदा सिन्हा भले ही आज हमारे बीच न हों, लेकिन अपनी आवाजों के जरिए वह फैंस के दिलों में हमेशा अमर रहेंगी। छठ के पूजा से लेकर बिहार के पारंपरिक विवाह में उन्होंने अलग-अलग गीत गाए। शारदा सिन्हा का छठ पूजा के अलावा बॉलीवुड में भी विशेष योगदान रहा है। उन्होंने 32 साल पहले बॉलीवुड का एक ऐसा चार्टबस्टर सॉन्ग गाया था, जिसके लिए उन्हें महज 76 रुपए की फीस मिली थी। शारदा सिन्हा अगर बॉलीवुड में किसी सुपरस्टार के लिए सबसे ज्यादा लकी रही हैं, तो वह सलमान खान हैं। सलमान के लिए उन्होंने 2 गाने गाए और दोनों ही हिंदी सिनेमा के यादगार गीतों में शामिल हुए। जिस मूवी के लिए दिग्गज सिंगर शारदा सिन्हा ने मात्र 76 रुपए की फीस ली थी वह भी सलमान की पहली सुपरहिट फिल्म 'मैंने प्यार किया' का ही है, जो 32 साल पहले 1989 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शारदा सिन्हा ने राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म मैंने प्यार किया में 'काहे तोसे सजना' गाना गाया था, जो रातों-रात खूब वायरल हुआ था। इस गाने को फिल्म में उस सिचुएशन पर फिल्माया गया है, जहां सलमान खान, भाग्यश्री की खातिर अपने पिता का घर छोड़कर पहाड़ तोड़ते हैं और भाग्यश्री उनके लिए प्यार से खाना लाती हैं। यह गाना जब रिलीज हुआ था तो रातों-रात वायरल हो गया था और शारदा सिन्हा एक बड़ा नाम बन गई थीं। एक करोड़ के बजट में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म मैंने प्यार किया के लिए सलमान खान को जहां 30 हजार रुपए मिले तो वहीं शारदा सिन्हा को नई होने की वजह से सिर्फ 76 रुपए मिले। हालांकि, जब 1989 में रोमांटिक फिल्म आई और उसका गाना 'काहे तोसे सजना'रिलीज हुआ, तो शारदा सिन्हा की आवाज का ऐसा जादू चला कि रोडवेज बसों से लेकर गांव में बैठी महिलाएं भी इस गाने को सुनने लगी।

राज काज

₹190 के केमिकल शेयर ने 1 साल में दिया 202% रिटर्न, अब स्विस तकनीक वाले भारत के पहले प्लांट से बदलेंगे कंपनी के दिन

नई दिल्ली शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी है। ऐसे में हमने आपके एक ऐसा शेयर चुना है जिसने 1 साल में 202% का जबरदस्त रिटर्न दिया है। हम यहां आपको बोडल केमिकल्स के बारे में बता रहे हैं। शेयर की कीमत 190 रुपये तक पहुंच गई है। वहीं कंपनी का मार्केट कैप 2,390 करोड़ रुपये है। कंपनी डाई इंटरमीडिएट्स की भारत की सबसे बड़ी घरेलू निमार्ता कंपनी में से एक हैं। वह अपने ग्लोबल विस्तार के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक यूरोपीय टेक्नोलॉजी पर दांव लगा रही है। 25 सितंबर, 2026 को कंपनी की 40वीं सालाना आम बैठक (AGM) के दौरान, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर सुरेश जे. पटेल ने बताया कि 2025-2026 का फाइनेंशियल ईयर कंपनी के अब तक के सबसे मजबूत रेवेन्यू प्रदर्शन वाले सालों में से एक रहा है। बदलती ग्लोबल सप्लाई चेन के बीच, बोडल केमिकल्स ने वॉल्यूम-आधारित बिक्री से हटकर ज्यादा मार्जिन वाले वैल्यू क्रिएशन की ओर एक बहुत सफल रणनीतिक बदलाव किया।इस बदलाव का मुख्य केंद्र गुजरात के सायखा में हाल ही में शुरू की गई ग्रीनफील्ड मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी है, जो कंपनी की आकर्षक बेंजीन डेरिवेटिव्स सेगमेंट में रणनीतिक एंट्री को दिखाती है। यह अत्याधुनिक प्लांट एडवांस्ड जर्मन इंजीनियरिंग को अपनाता है और इसमें ढठउइ के लिए भारत का पहला स्विस-सोर्स्ड कंटीन्यूअस क्रिस्टलाइजेशन सिस्टम लगा है।ऑपरेशनल क्षमता को बेहतर बनाने और पर्यावरण मानकों को ऊंचा उठाने के लिए, बोडल ने अपनी पुरानी वटवा यूनिट्स को हमेशा के लिए बंद कर दिया और प्रोडक्शन क्षमता को वडोदरा और कोसी की अपग्रेडेड फैसिलिटीज में आसानी से ट्रांसफर कर दिया। कंपनी का लक्ष्य भारत, चीन, तुर्की, बांग्लादेश और इंडोनेशिया में फैले अपने 10 एक्सक्लूसिव वेयरहाउस के मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का फायदा उठाकर लंबे समय के कस्टमर प्रोग्राम्स के जरिए एक्सपोर्ट रेवेन्यू को तेजी से बढ़ाना भी है।

दैनिक राशिफल रविवार 04 अक्टूबर 2026

मेष – रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी।

वृष – कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें।

मिथुन : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा।

कर्क – परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी।

सिंह– मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ड्डूषचतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कन्या – शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

तुला – कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक – स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

धनु – महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर – धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी।

कुंभ – शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें।

मीन – धर्म -कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

दैनिक पंचांग

4 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.55 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	09.10 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.26 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.31 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.17 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.50 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.01 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.59 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		कर्क	00.12 बजे से
		सिंह	02.28 बजे से
		कन्या	04.40 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 277 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 03.54 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 00.14 बजे रात्र को समाप्त। **योग** परिघ 12.32 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 16.52 बजे तदनन्तर गर 03.54 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 04° 16' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872852 **जूलियन दिन** 2461317.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बाल विवाह के खात्मे के लिए ग्राम सभाओं ने लिया संकल्प, ग्रामीण समाज विकास केन्द्र ने किया स्वागत

गांव और समाज एकजुट होगा तो बाल विवाह के खिलाफ बदलाव तेजी से आएगा- मेहरचंद

मुजफ्फरनगर। बाल विवाह के उन्मूलन के लिए जमीनी स्तर पर अभियान चला रहे ग्रामीण समाज विकास केन्द्र, मेरठ ने केंद्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय की पहल का स्वागत किया है। गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में बाल विवाह के खात्मे का संकल्प लिया गया। संगठन ने कहा कि गांव स्तर पर लिए जा रहे ऐसे संकल्प बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

भारत सरकार की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए थे कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर ह्वबाल विवाह मुक्त भारतह्व का संकल्प लिया जाए। इसी क्रम में 2.42 लाख से अधिक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन ग्राम सभाओं में गांवों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने का प्रस्ताव रखने के साथ इसके खात्मे का संकल्प लिया गया। कार्यक्रमों में स्थानीय ग्रामीणों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

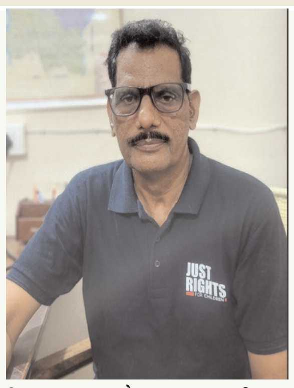

गांव और समाज एकजुट होगा तो बाल विवाह के खिलाफ बदलाव तेजी से आएगा

ग्रामीण समाज विकास केन्द्र के सचिव मेहर चंद ने कहा कि भारत सरकार, विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और पंचायती राज मंत्रालय की ओर से देशभर की ग्राम सभाओं के माध्यम से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू की गई मुहिम स्वागत योग्य है। जिला प्रशासन और जिलाधिकारी की ओर से इस दिशा में किए जा रहे प्रयास भी सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन की इस पहल से 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लक्ष्य को नई गति मिलेगी। मेहर चंद ने कहा कि जब पूरा गांव और समाज एकजुट होकर बाल विवाह के खिलाफ खड़ा होगा, तब बदलाव तेजी से आएगा। इससे हर बेटी को अपना बचपन जीने और अपने सपने पूरे करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के साथ समाज की सामूहिक भागीदारी भी जरूरी है। ग्रामीण समाज विकास केन्द्र ने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन की यह पहल बाल विवाह के खिलाफ चल रहे अभियान को जमीनी स्तर पर और मजबूती प्रदान करेगी। संगठन ने सरकार और प्रशासन के साथ मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए पहले से अधिक सक्रियता के साथ काम करने की बात कही।

संगठन के अनुसार, ग्रामीण समाज विकास केन्द्र, मेरठ ह्यजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेनह्ण यानी जेआरसी का सहयोगी संगठन है। जेआरसी बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए काम करने वाले नागरिक समाज संगठनों का नेटवर्क है। संगठन के अनुसार, जेआरसी अपने 300 से अधिक सहयोगी संगठनों के साथ देश के 782 जिलों में बाल विवाह के खिलाफ सरकार और प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहा है। जेआरसी ने अपने सहयोगी नागरिक समाज संगठनों की भागीदारी से बाल विवाह के खिलाफ देशव्यापी जमीनी अभियान शुरू किया है। संगठन का उद्देश्य एक पीढ़ी के भीतर बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने के लिए समुदायों को जागरूक और सक्रिय करना है। वर्ष 2024 में भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान से इस मुहिम को और व्यापकता मिली। गांधी जयंती पर आयोजित ग्राम सभाओं में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों और अधिकारियों की भागीदारी के जरिए बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का संदेश दिया गया। संगठन का कहना है कि सामूहिक भागीदारी से अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने में मदद मिलेगी और बाल विवाह के खिलाफ सामाजिक माहौल मजबूत होगा।

खतौली व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष बने नीरज शर्मा: भारतीय व्यापार मण्डल ने किया मनोनीत

भारतीय व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया मनोनीत

खतौली (मुजफ्फरनगर)। भारतीय व्यापार मण्डल की मूल विचारधारा वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को आत्मसात करते हुए संगठन निरंतर सभी वर्गों को साथ लेकर व्यापारियों के उत्थान, हितों की रक्षा और नवनिर्माण की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी संगठनात्मक विस्तार और मजबूती की कड़ी में राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा खतौली में नए दायित्वों की घोषणा की गई है। नीरज शर्मा को सौंपी गई नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी संगठन के विस्तार के तहत भारतीय व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर सिंघल ने राष्ट्रीय प्रवक्ता

अजय जन्मेजय की संस्तुति पर नीरज शर्मा को भारतीय व्यापार मण्डल, खतौली का नया नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से स्थानीय व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

व्यापारियों में जगी नई उम्मीदें

संगठन से जुड़े तमाम व्यापारियों ने नीरज शर्मा के नगर अध्यक्ष बनने पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है। व्यापारियों का मानना है कि उनके नेतृत्व में भारतीय व्यापार मण्डल, खतौली में संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होगा। साथ ही, यह व्यापारियों की समस्याओं और उनके हितों की रक्षा की लड़ाई को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का काम करेगा।

दोषसिद्ध बंदियों को बताए संवैधानिक और विधिक अधिकार

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। प्रभारी जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर के कुशल निर्देशन में शनिवार को सिविल जज सीडि एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने जिला कारागार मुजफ्फरनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कारागार की पाकशाला, अस्पताल, पुरुष बैरक, महिला बैरक तथा बाल बैरक का जायजा लेते हुए व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

इस दौरान डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने दोषसिद्ध बंदियों से संवाद कर उन्हें उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बंदियों को अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर उपलब्ध विधिक सहायता का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बंदियों से उनकी समस्याएं भी सुनीं। बंदियों को बताया गया कि यदि किसी दोषसिद्ध बंदी को माननीय उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने में किसी प्रकार की कानूनी समस्या आती है तो वह अधीक्षक जिला कारागार के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को आवेदन अथवा अपनी समस्या से अवगत करा सकता है। ऐसे मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

जेल लोक अदालत से मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर

निरीक्षण के दौरान डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने अधीक्षक जिला कारागार को निर्देशित किया कि ऐसे बंदियों की सूची तैयार कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराई जाए, जिनके मामले ई-जेल लोक अदालत अथवा जेल लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पात्र मामलों को चिन्हित कर उनके शीघ्र निस्तारण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाए, जिससे बंदियों को समय से न्यायिक राहत मिल सके।

जमानत स्वीकृत बंदियों को भी मिली विधिक सहायता

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने उन बंदियों के संबंध में भी जानकारी ली, जिनकी जमानत याचिका अधीनस्थ न्यायालय द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। ऐसे बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आवश्यक विधिक सहायता प्रदान की गई। डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य जरूरतमंद और पात्र व्यक्तियों तक न्याय एवं कानूनी सहायता पहुंचाना है। निरीक्षण के दौरान बंदियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

एमएसपी से नीचे दाम जाते ही नाफेड-एनसीसीएफ सीधे शुरू कर सकेंगी खरीद : अशोक बालियान

मुजफ्फरनगर। केंद्र की मोदी सरकार ने दलहन और तिलहन किसानों के हित में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए मूल्य समर्थन योजना (PSS) के तहत सरकारी खरीद शुरू करने के लिए राज्यों के औपचारिक अनुरोध की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। सरकार के इस निर्णय को किसान हित में बड़ा और सराहनीय कदम बताते हुए पीजेंट वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन अशोक बालियान ने कहा कि इससे किसानों को मंडियों में अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से कम कीमत पर बेचने की मजबूरी से राहत मिलने की उम्मीद है।

अशोक बालियान ने बताया कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने मूल्य समर्थन योजना (PSS) के तहत 5,547.99 करोड़ रुपये की खरीद को मंजूरी दी है। शुरूआती चरण में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना सहित राज्यों में लगभग 7.11 लाख टन दलहन और तिलहन की खरीद की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पहले सरकारी खरीद शुरू करने के लिए संबंधित राज्य सरकार के औपचारिक अनुरोध की आवश्यकता होती थी। अब इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने नाफेड (NAFED) और एनसीसीएफ (NCCF) जैसी नोडल एजेंसियों को मंडियों में दाम एमएसपी

से नीचे जाने पर हस्तक्षेप कर खरीद शुरू करने का अधिकार दिया है। इससे सरकारी खरीद के लिए राज्य सरकार के प्रस्ताव का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी और किसानों को बाजार में कीमत गिरने की स्थिति में तत्काल राहत मिल सकेगी।

अशोक बालियान ने कहा कि इस व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि किसानों को उनकी उपज का भुगतान सीधे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से बैंक खातों में किया जाएगा। इससे भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और बिचौलियों की भूमिका कम होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि मंडियों में दलहन और तिलहन की कीमतें एमएसपी से नीचे जाने पर किसानों को होने वाली परेशानी और उनकी उपज को कम दाम पर बेचने की मजबूरी को लेकर उन्होंने बाजार हस्तक्षेप योजना (MIS) और मूल्य समर्थन योजना (PSS) के नियमों में सुधार का विषय केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष रखा था।

पीजेंट वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन अशोक बालियान ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय किसानों को बाजार में मूल्य गिरावट से सुरक्षा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस योजना को प्रभावी तरीके से देश के सभी जनपदों में लागू किया जाएगा, ताकि दलहन और तिलहन उत्पादक किसानों को अपनी फसल एमएसपी से कम कीमत पर मजबूरी में बेचने की स्थिति का सामना न करना पड़े।

मीरापुर में कान्हा गोशाला का निरीक्षण: पशु चिकित्सा अधिकारी ने परखी व्यवस्थाएं, गोवंश पाए गए स्वस्थ

गौशाला में हरा चारा व पेयजल की भी मिली समुचित व्यवस्था

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र गुप्ता के कुशल निर्देशन में शनिवार को पशुपालन विभाग द्वारा मीरापुर स्थित कान्हा गोशाला का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के लिए पहुंचे पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने गोशाला की तमाम व्यवस्थाओं का बारीक जायजा लिया। इस दौरान गोशाला परिसर में संरक्षित सभी गोवंश पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित पाए गए।

खान-पान और पेयजल व्यवस्था का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने गौआश्रय स्थल में गोवंशों के खान-पान, चारे और पानी के प्रबंधों की जांच की। जांच के दौरान गोशाला में गोवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में सूखा भूसा, हरा चारा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध मिला। निरीक्षण के समय गोशाला का केयरटेकर भी मौके

पर मुस्तैद मिला। अधिकारियों ने गोशाला परिसर में उपलब्ध संसाधनों और खान-पान की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया।

नियमित देखभाल और सफाई के सख्त निर्देश

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार ने निरीक्षण के बाद गोशाला प्रबंधन और केयरटेकर को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने हिदायत दी कि गोवंशों के पोषण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और उन्हें नियमित रूप से हरे चारे के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में खल और चोकर दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने गोशाला परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखने, मक्खी-मच्छरों से बचाव के उपाय करने और गोवंशों के स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए।

छात्राओं ने रैली निकालकर दिया स्वच्छता और सामाजिक समरसता का संदेश

मुजफ्फरनगर। जैन कन्या इंटर कॉलेज, नई मंडी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या किरण देवी ने महात्मा गांधी के जीवन संघर्ष, देश सेवा तथा उनके जीवन मूल्यों सत्य और अहिंसा पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को गांधी जी के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए महात्मा गांधी के विचारों एवं उनके जीवन दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम के दौरान सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। छात्राओं द्वारा महात्मा गांधी के प्रिय भजन ह्यवैष्णव जन तो तेने कहिएह्न की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता एवं गोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के उपरांत छात्राओं ने रैली

निकालकर स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। इसके बाद स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ ने परिसर को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज में समता, समानता और सामाजिक समरसता स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। स्काउट-गाइड जिला संस्था के डीओसी भारत भूषण अरोड़ा, डीओसी गाइड प्रभा दहिया तथा विद्यालय गाइड कैप्टन प्रिया माहेश्वरी विशेष रूप से उपस्थित रहीं और कार्यक्रम में अपना सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

समाधान दिवस में डीएम-एसएसपी ने सुनीं फरियादें, अफसरों को मौके पर पहुंचकर निस्तारण के निर्देश

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने तहसील सदर में शिकायतों की समीक्षा की, महिला अपराध की शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश; साइबर ठगी से बचाव को लेकर भी किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर शनिवार को तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को मौके पर जाकर जांच करने तथा शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं लेकर पहुंचे शिकायतकताओं की बात जिलाधिकारी और एसएसपी ने ध्यानपूर्वक सुनी। दोनों अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों से शिकायतों की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि केवल कागजी कार्रवाई तक शिकायतों का निस्तारण सीमित न रहे, बल्कि अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करें और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करते हुए समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी और एसएसपी ने समाधान दिवस में मौजूद सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों की मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच की जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और शासन द्वारा

निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से शिकायतों का निस्तारण किया जाए। अधिकारियों ने कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में शिकायतकर्ता की बात को गंभीरता से सुना जाए और जांच के दौरान सभी तथ्यों को ध्यान में रखा जाए। संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी के अनुसार कार्रवाई करते हुए निस्तारण की रिपोर्ट भी समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान महिला अपराध से संबंधित शिकायतों को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी और एसएसपी ने कहा कि महिला अपराध से जुड़ी शिकायतों की जांच प्राथमिकता के आधार पर की जाए। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए पीड़ित पक्ष की समस्या का नियमानुसार समाधान सुनिश्चित किया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ शिकायतकताओं को साइबर अपराध और साइबर ठगी के प्रति जागरूक किया। लोगों को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले तरीकों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, एटीएम/डेबिट कार्ड संबंधी जानकारी या अन्य संवेदनशील जानकारी साझा न करें और संदिग्ध लिंक या संदेश पर प्रतिक्रिया देने से बचें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर बिना देरी किए संबंधित माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई। डीएम और एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों की नियमित निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतकर्ता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। अधिकारियों ने जनसमस्याओं के निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर जोर दिया।

आपराधिक इतिहास वाले विक्की सैनी पर पुलिस का शिकंजा, 315 बोर का तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद

कोतवाली नगर पुलिस ने शाहाबुद्दीनपुर रोड से मिर्मलाना रोड की ओर जाने वाले रास्ते पर दबोचा, आरोपी के खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर पुलिस ने अवैध हथियार के साथ घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है और उसके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने तीन अक्टूबर को कार्रवाई की। पुलिस टीम ने शाहाबुद्दीनपुर रोड से मिर्मलाना रोड की ओर जाने वाले रास्ते पर ट्यूबवेल के पास से आरोपी विक्की सैनी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विक्की सैनी पुत्र स्वर्गीय बिट्टू, निवासी थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे

पुलिस के मुताबिक आरोपी विक्की सैनी के खिलाफ अलग-अलग थानों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें थाना जानसठ में वर्ष 2024 का धारा 411 बीएनएस का मुकदमा, थाना नई मंडी में वर्ष 2024 का धारा 363, 366, 376 बीएनएस के साथ पॉक्सो एक्ट की धाराओं का मुकदमा और थाना कोतवाली नगर में वर्ष 2026 का धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का मुकदमा शामिल है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

अवैध हथियार बरामद होने के बाद उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है।

इन पुलिसकर्मियों ने की गिरफ्तारी

आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में जिला अस्पताल चोकी प्रभारी सोनू कुमार, कांस्टेबल विनीत कुमार और रिजर्व कांस्टेबल अर्जुन शामिल रहे। मामले के विवेचक उपनिरीक्षक साहीराम नागर हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेवा संकल्प अभियान में मुजफ्फरनगर के 1504 छात्र-छात्राओं को मिली छात्रवृत्ति

एसडी इंटर कॉलेज में हुआ भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम, लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव संबोधन से जुड़े विद्यार्थी और अभिभावक; जनप्रतिनिधियों ने छात्रवृत्ति वितरण में लिया हिस्सा

मुजफ्फरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को मुजफ्फरनगर में छात्र-छात्राओं के लिए विशेष छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसडी इंटर कॉलेज में सुबह करीब 11 बजे शुरू हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले के 1504 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। करीब एक घंटे तक चले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, उनके अभिभावक, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित करने के साथ उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम को राजधानी लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव कार्यक्रम से जोड़ा गया था। एसडी इंटर कॉलेज में मौजूद छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के लाइव संबोधन को देखा और सुना। मुख्यमंत्री के संबोधन के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम स्थल पर शासन की ओर से संचालित छात्रवृत्ति योजना और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही आर्थिक सहायता की जानकारी भी साझा की गई। जिले में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुल 1504 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। छात्रवृत्ति मिलने से विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक सहायता मिलेगी। विभाग की ओर से पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की प्रक्रिया के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया

गया।छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और उनके परिजनों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि सरकार की ओर से शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका पात्र विद्यार्थियों को लाभ दिया जा रहा है।

छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से किया गया। विभाग की अधिकारी मेत्री रस्तोगी के निर्देशन में कार्यक्रम की व्यवस्थाएं की गईं। विभागीय स्तर से छात्रवृत्ति वितरण की प्रक्रिया पूरी कर जिले के विद्यार्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं और उनके परिजनों को छात्रवृत्ति से संबंधित जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता का उपयोग अपनी पढ़ाई और उससे जुड़ी आवश्यकताओं में किया जाना चाहिए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि एसडी इंटर कॉलेज में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम को लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव कार्यक्रम से जोड़ा गया। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी स्क्रीन के माध्यम से मुख्यमंत्री का संबोधन विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों को दिखाया गया।

मुख्यमंत्री के लाइव संबोधन के दौरान छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावक और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री का संबोधन सुना और सरकार की योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

जिला स्तरीय छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी और जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल समेत कई जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जनप्रतिनिधियों ने छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा उनके भविष्य की मजबूत नींव है। विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं और अवसरों का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

मुज़फ़्फ़रनगर की फर्म के नाम पर आगरा के कागज व्यापारी से 6.85 लाख ठगी: गूगल सर्च का मायाजाल, ई-वे बिल न मिलने पर खुला राज

गूगल सर्च के मायाजाल में फंसे आगरा के कागज कारोबारी

मुजफ़्फ़रनगर। गूगल सर्च इंजन पर कंपनियों के फर्जी संपर्क नंबर और पते डालकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह ने आगरा के एक नामचीन कागज व्यापारी को अपना शिकार बना लिया है। मुजफ्फरनगर स्थित एक फर्जी पेपर मिल का मैनेजर और प्रबंध निदेशक बनकर जालसाजों ने व्यापारी से 6,85,811 रुपये ऐंठ लिए और इसके बाद अपने सभी मोबाइल नंबर बंद कर गायब हो गए। पीड़ित व्यापारी की शिकायत पर आगरा के साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी कुंडली खंगाली जा रही है।

गूगल पर खोजा नंबर और शुरू हुआ ठगी का जाल

आगरा शहर में यमुनोत्री कॉलोनी (कर्मयोगी, कमलानगर) निवासी निलेश बंसल सेठ गली स्थित अपनी पैतृक फर्म 'नैमीचंद राकेश कुमार' के जरिए कागज का थोक कारोबार संभालते हैं। कारोबार के सिलसिले में उन्हें बड़े पैमाने पर कागज की खरीदारी करनी थी। 15 सितंबर को उन्होंने गूगल पर कागज सप्लाई करने वाली मिलों और फर्मों की जानकारी खोजी। इसी दौरान उन्हें मुजफ्फरनगर की 'आरामको पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड' नामक फर्म का संपर्क नंबर मिला। नंबर पर संपर्क करने पर खुद को फर्म का मैनेजर बताने वाले विकास और प्रबंध निदेशक (एमडी) यामीन चौधरी से उनकी बात हुई। आरोपियों ने बेहद पेशेवर तरीके से बातचीत करते हुए कागज की गुणवत्ता और दरें तय कीं और व्यापारी को विश्वास में लेने के लिए तुरंत सैंपल (नमूना) भी भेज दिया। बैंक अधिकारियों से बातचीत के बाद पीड़ित को साइबर ठगी का अहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

एडवांस से लेकर पूरे बिल का भुगतान कराया, फिर नंबर बंद

जालसाजों के झांसे में आकर व्यापारी ने सौदा पक्का कर लिया। इसके बाद साइबर अपराधियों ने चरणबद्ध तरीके से ठगी को अंजाम दिया इसमें 20 सितंबर को आरोपियों ने सौदे को अंतिम रूप देने के नाम पर 1,000,000 (1 लाख) रुपये एडवांस के रूप में बैंक खाते में ट्रांसफर करवाये। जबकि 25 सितंबर (फर्जी बिलिंग) को ठगों ने निलेश बंसल को सूचना दी कि 17,094 किलोग्राम कागज ट्रक में लोड कर दिया गया है। इसके बाद उन्होंने जीएसटी सहित कुल 6,85,811 रुपये का बिल बनाकर भेजा और बकाया 5,85,811 रुपये भी तुरंत ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद 26 सितंबर को आरोपियों ने ट्रक रवाना होने की बात कही थी, लेकिन अगले दिन न तो ट्रक पहुंचा और न ही ई-वे बिल या ट्रक चालक का कोई फोन आया। शंका होने पर जब व्यापारी ने दिए गए नंबरों पर संपर्क किया, तो सभी मोबाइल नंबर स्विच ऑफ मिले।

पुलिस की कार्रवाई और बैंक खातों की जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर क्राइम थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जांच अधिकारियों का कहना है कि जिन बैंक खातों में 6.85 लाख रुपये की राशि ट्रांसफर की गई है, उन्हें फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन मोबाइल नंबरों से बात की गई थी, उनकी कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और लोकेशन ट्रेस की जा रही है।

साइबर एक्सपर्ट्स की सलाह

आगरा के डीसीपी (साइबर क्राइम) आदित्य सिंह ने साइबर ठगी को लेकर लोगों को सतर्क करते हुए कहा कि गूगल या किसी भी सर्च इंजन पर मौजूद कंपनियों के हेल्पलाइन और संपर्क नंबर 100 प्रतिशत प्रामाणिक नहीं होते। साइबर अपराधी कंपनियों के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर अपने नंबर दर्ज कर देते हैं। किसी भी व्यावसायिक लेनदेन से पहले कंपनी का भौतिक सत्यापन, जीएसटीआईएन और आधिकारिक वेबसाइट की पुष्टि जरूर करें। ऑनलाइन व्यापार में सर्च इंजन नंबरों पर तुरंत भरोसा न करें: गूगल मैप्स या सर्च रिजल्ट में दिखने वाले नंबरों को कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से मिलाएं।

मोरना मिल क्षेत्र बदलने पर किसानों का हंगामा: चीनी मिल पर जोरदार प्रदर्शन, प्रशासन को दिया अल्टीमेटम

प्रदर्शनकारी किसानों ने कोल्हू पर गन्ना बेचने की दी चेतावनी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। दी गंगा किसान सहकारी चीनी मिल मोरना पर शनिवार को सैकड़ों किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। क्षेत्र के कई गांवों के किसानों ने अचानक मिल क्षेत्र (गन्ना सेंटर) बदले जाने के विरोध में मोरना चीनी मिल प्रांगण में जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। किसानों का स्पष्ट कहना है कि प्रशासन और चीनी मिल प्रबंधन के इस मनमाने रवैये को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि उनकी पुरानी व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो वे अपना गन्ना चीनी मिल को देने के बजाय स्थानीय कोल्हुओं पर बेचने को मजबूर होंगे।

पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग

मोरना चीनी मिल पर प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि ग्राम खोकनी और नवादा के किसान वर्षों से टिकोला चीनी मिल को अपने गन्ने की आपूर्ति करते आ रहे हैं। वहां गन्ने के तौल, भुगतान और पर्ची वितरण को लेकर किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं थी। इसके बावजूद अचानक प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल करते हुए उनका मिल क्षेत्र बदलकर मोरना चीनी मिल से जोड़ दिया गया। वहीं दूसरी ओर, इंछावाला गांव के किसानों ने भी मोरना चीनी मिल की गन्ना आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ा ऐतराज जताया है। इंछावाला के किसानों का कहना है कि उन्हें पूर्व की भांति खाईखेड़ी चीनी मिल पर ही गन्ना आपूर्ति करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि मोरना मिल में उन्हें पूर्व में भी कई तरह की अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा है। मोरना चीनी मिल परिसर में जुटे किसानों ने मिल प्रबंधन के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए कहा कि मोरना मिल में आए दिन घटतौली, तौल में देरी और सेंटरों पर अव्यवस्था का माहौल रहता है। इसी कारण किसान मोरना मिल को गन्ना नहीं देना चाहते। किसानों ने कहा कि उन्हें टिकोला और खाईखेड़ी मिलों पर कोई परेशानी नहीं थी। मोरना मिल की बदहाली और अव्यवस्थाओं के कारण किसान बेहद परेशान हैं। अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो हम मोरना मिल को एक क्विंटल गन्ना भी आपूर्ति नहीं करेंगे, चाहे हमें नुकसान उठाकर गन्ना कोल्हुओं पर ही क्यों न बेचना पड़े।"

विरोध प्रदर्शन के बाद किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मोरना चीनी मिल के महाप्रबंधक (GM) से मुलाकात की और अपनी मांगों के समर्थन में एक मांग पत्र (ज्ञापन) सौंपा। किसानों ने मांग की है कि खोकनी व नवादा को टिकोला मिल तथा इंछावाला को खाईखेड़ी मिल से ही यथावत जोड़े रखा जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से किसान पलविंदर सिंह, परविंदर बालियान, टिंकू चौधरी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान और भाकियू कार्यकर्ता मौजूद रहे। मिल प्रबंधन ने किसानों को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं और मांग पत्र को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखकर जल्द ही उचित समाधान निकाला जाएगा।

मुजफ्फरनगर में नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान: रोहाना कलां शुगर मिल में ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी दीदी ने दिलाई शपथ

मिल के अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को जागरूक करने का लिया संकल्प

मुजफ्फरनगर। देश में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने और समाज को नशामुक्त बनाने के पावन उद्देश्य से शनिवार को इंडियन पोटाश लिमिटेड की शुगर यूनिट रोहाना कलां में एक भव्य सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'नशामुक्त भारत अभियान' एवं 'मिशन स्पंदन' के अंतर्गत विकसित भारत की ओर एक सशक्त कदम के रूप में तथा दादी प्रकाशमणि की पावन स्मृति में चलाए जा रहे '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' के तहत आयोजित हुआ। मिल गेट पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में यूनिट हेड लोकेश कुमार सहित मिल के तमाम वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों ने एक स्वर में नशे से दूर रहने तथा समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया।

चीनी मिल परिसर में सामूहिक शपथ ग्रहण

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से पधारीं बीके लक्ष्मी दीदी ने यूनिट हेड लोकेश कुमार, मिल के अधिकारियों और कर्मचारियों को नशामुक्ति की सामूहिक शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने यह प्रण लिया कि वे स्वयं कभी किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे। इसके साथ ही वे अपने परिवारजनों, मित्रों और आसपास के समाज को भी नशे के घातक दुष्प्रभावों से बचाने के लिए निरंतर जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण केवल नशामुक्त जीवन शैली से ही संभव है।

नशे से दूरी ही स्वस्थ समाज की आधारशिला

समारोह को संबोधित करते हुए बीके बृज मोहन त्यागी, बीके अरविंद सिंह, बीके मदन मोहन और बीके राकेश कुमार ने नशामुक्ति के सामाजिक व व्यक्तिगत महत्व पर गहराई से प्रकाश डाला। नशे की लत न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को तबाह करती है, बल्कि उसके पारिवारिक ताने-बाने और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी छिन्न-भिन्न कर देती है। अधिकांश पारिवारिक विवादों की जड़ में नशा ही होता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह स्वयं नशामुक्त रहे और दूसरों को भी प्रेरित करे।

अधिकारियों और कर्मचारियों की रही सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में सामूहिक सहभागिता के जरिए यह संदेश दिया गया कि नशामुक्त भारत के निर्माण में हर व्यक्ति की व्यक्तिगत जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। सभी कर्मचारियों ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। इस नशामुक्ति महाअभियान में मुख्य रूप से वीर सैन, आरके तिवारी, आरके पांडेय, पंकज शर्मा, एनके रस्तोगी, अमित त्यागी, दीप्तिमान त्यागी, जसमेन्द्र सिंह और पवनेश शर्मा समेत भारी संख्या में मिल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोरना-शुकतीर्थ मार्ग के चौड़ीकरण की तैयारी शुरू: 22.74 करोड़ रुपये स्वीकृत, 6.82 करोड़ रुपये अवमुक्त

श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को मिलेगी राहत: चार लेन चौड़ीकरण परियोजना को मिली गति

मोरना (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में धार्मिक स्थलों के संपर्क मार्गों को बेहतर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जनपद के प्रसिद्ध धार्मिक क्षेत्र मोरना-शुकतीर्थ मार्ग के 4.7 किलोमीटर लंबे हिस्से के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की तैयारी अब धरातल पर उतरने लगी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत सरकार द्वारा कुल 22.74 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे, जिसके सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 6.82 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता एवं नोडल अधिकारी अनिल कुमार राना ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, नवनिर्माण और समग्र विकास के लिए चलाई जा रही 'एकमुश्त व्यवस्था योजना' के अंतर्गत इस परियोजना को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिली है। तय योजना के अनुसार, इस पूरे 4.7 किलोमीटर लंबे मार्ग को चार लेन में चौड़ा किया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुगम होगी।

हालांकि इस परियोजना की निर्माण कार्य से जुड़ी कोई निश्चित समय-सारणी (डेटा या डेडलाइन) उपलब्ध नहीं कराई गई है, लेकिन वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट मिलने के बाद से इस पर तेजी से कार्य शुरू होने की प्रक्रिया जारी है।

शुकतीर्थ एक प्रमुख पौराणिक और धार्मिक तीर्थस्थल है, जहाँ देश-विदेश से रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान और दर्शन के लिए पहुँचते हैं। मार्ग के संकरा होने के कारण अक्सर जाम और आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इस मार्ग के चार लेन चौड़ीकरण से न केवल तीर्थयात्रियों के सफर को सुगम बनाया जा सकेगा, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को भी रोजाना आने-जाने में भारी सहूलियत मिलेगी। धन राशि जारी होने के बाद अब निर्माण कार्य के जल्द ही गति पकड़ने की उम्मीद है। परियोजना के तहत मोरना-शुकतीर्थ मार्ग के 4.7 किलोमीटर लंबे हिस्से का चार लेन चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इस पूरी परियोजना के लिए कुल 22.74 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस परियोजना के तहत 6.82 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। यह कार्य धार्मिक मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, नवनिर्माण एवं विकास के लिए चलाई जा रही 'एकमुश्त व्यवस्था योजना' के अंतर्गत किया जा रहा है।

खतौली में संस्कार, संस्कृति और समर्पण संगम कार्यक्रम: , बुजुर्गों के सम्मान का दिया संदेश

के.के. पब्लिक स्कूल के बच्चों की भावुक प्रस्तुतियों ने मोहा सबका मन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। फलावदा रोड स्थित के.के. पब्लिक स्कूल में शनिवार को ह्यसंस्कार, संस्कृति और समर्पण संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा एक से पांच तक के छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया और माता-पिता, दादा-दादी एवं नाना-नानी के सम्मान में विभिन्न गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियां देकर उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की इन भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने कई अभिभावकों को भावुक भी कर दिया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के संरक्षक उमेश चंद माहेश्वरी और प्रधानाचार्य संजीव कुमार जैन ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की। इसके पश्चात नन्हें-मुन्ने बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को मंच पर जीवंत कर दिया।

शिक्षा के साथ संस्कारों का होना जरूरी: वक्ता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य संजीव कुमार जैन ने कहा कि आधुनिक दौर में बच्चों को परिवार, बुजुर्गों के सम्मान और भारतीय संस्कृति के संस्कारों से जोड़ना बेहद आवश्यक है। वहीं, विद्यालय के संरक्षक उमेश चंद माहेश्वरी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों में अभिभावकों की सहभागिता बच्चों का हौसला और उत्साह बढ़ाती है, और हमारा विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के संस्कारों पर भी विशेष ध्यान देता है। इनका रहा विशेष सहयोग इस सफल आयोजन को संपन्न कराने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं निधि, स्वाति, उमा, पिंकी, अनामिका, अनीता, अवनीश और अतुल आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रधानाचार्य संजीव कुमार जैन द्वारा किया गया।

मोरना ब्लॉक के ग्राम सचिव पर रिश्वतखोरी का आरोप: मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने के मांग पांच हजार रुपये, भाकियू का धरना व प्रदर्शन

मोरना में ब्लॉक कार्यालय पर किसानो का हंगामा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। मोरना ब्लॉक क्षेत्र में प्रशासनिक भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने मोर्चा खोल दिया है। ग्राम सचिव द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने और क्षेत्र में फैली गंदगी से नाराज कार्यकताओं ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। धरने के दौरान दर्जनों पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने ब्लॉक प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोपी ग्राम सचिव के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। ग्राम निरगाजनी निवासी पीड़ित किसान प्रमोद कुमार ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि दो वर्ष पूर्व उनके पिता महेंद्र सिंह का निधन हो गया था। पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेज ग्राम सचिव को सौंपे थे।आरोप है कि ग्राम सचिव प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में ड्5,000 की रिश्वत की मांग कर रहा है। जब किसान ने रिश्वत देने में असमर्थता जताई, तो ग्राम सचिव ने प्रमाण पत्र को जानबूझकर लंबित कर दिया। किसान पिछले कई महीनों से ब्लॉक और गांव के चक्कर काटने को मजबूर है। जैसे ही रिश्वतखोरी का यह मामला भारतीय किसान यूनियन के संज्ञान में आया, संगठन में भारी रोष फैल गया। ब्लॉक अध्यक्ष अनुज राठी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने खंड विकास कार्यालय पहुंचकर धरना दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी योजनाओं और आवश्यक दस्तावेजों के नाम पर आम जनता का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी ग्राम सचिव को तत्काल निलंबित कर किसान का प्रमाण पत्र जारी किया जाए।

शुकतीर्थ में सफाई कर्मियों की हठधर्मिता

धरने के दौरान भाकियू कार्यकर्ता अनुभव चौधरी ने शुकतीर्थ स्थित शिव धाम कॉलोनी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि कॉलोनी में लंबे समय से सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप्प है, जिसके कारण सड़कों पर जलभराव और कीचड़ फैला हुआ है। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि तैनात सफाई कर्मचारी काम करने में हठधर्मिता दिखाते हैं। भाकियू ने खंड विकास अधिकारी से ऐसे गैर-जिम्मेदार कर्मचारियों को तुरंत हटाने और क्षेत्र में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। धरने की अध्यक्षता कृष्ण पाल राठी ने की तथा संचालन ब्लॉक अध्यक्ष अनुज राठी द्वारा किया गया। प्रदर्शन में मुख्य रूप से तहसील संगठन मंत्री मेघिन्द्र बालियान, युवा ब्लॉक अध्यक्ष राजा देशवाल, नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र सहरावत,

खतौली में सेवा संकल्प पर रंगोली प्रतियोगिता: विद्यार्थियों ने बिखेरे रचनात्मक रंग, कला के जरिए दिए सामाजिक संदेश

महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना ने आयोजित किया कार्यक्रम

खतौली (मुजफ्फरनगर)। महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तत्वावधान में आयोजित 'सेवा संकल्प 2027' कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोली निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता, सामाजिक जागरूकता, परस्पर सहयोग और निष्काम सेवा-भावना को बढ़ावा देना रहा। रंगोली निर्माण गतिविधि में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी छिपी हुई कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

९रंगों के माध्यम से उभारे सामाजिक सरोकार

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के मनमोहक एवं जीवंत रंगों का उपयोग करते हुए सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और सेवा-भावना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित रंगोलियां तैयार कीं। विद्यार्थियों द्वारा उकेरी गई आकृतियों और संदेशों ने उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया।

प्राचार्या व कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन

यह संपूर्ण गतिविधि महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ के कुशल मार्गदर्शन एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विकास जैन के सफल संयोजन में संपन्न हुई। इस प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। रंगोली जैसी पारंपरिक कला से न केवल रचनात्मकता निखरती है, बल्कि विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी गहरी होती है।"

शिक्षकों ने विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय का समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण अमला उपस्थित रहा। शिक्षकों ने रंगोली स्थलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया।

उपस्थित प्रमुख शिक्षक

कार्यक्रम के दौरन प्रमुख रुप से इंजीनियर आशीष जैन, डॉ. विषु, निखिल ठाकुर, डॉ. पूजा पुंडीर, डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. संजीव, सचिन कुमार, श्रीमती एकता राजपूत व डॉ. पारूल शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और समाज हित में योगदान देने के संकल्प के साथ किया गया।

करोड़ों के टिपर-कूड़ा वाहन खरीदकर कंपनी बाग में खड़े करने का आरोप, एडीएम ने बैठाई जांच

नगर पालिका की सफाई व्यवस्था के लिए खरीदे गए वाहनों के इस्तेमाल पर उठे सवाल; एडीएम प्रशासन ने एसडीएम सदर को सौंपी जांच, खरीद से लेकर भुगतान और उपयोग तक खंगाले जाएंगे रिकॉर्ड

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर की सफाई व्यवस्था के लिए खरीदे गए टिपर और कूड़ा वाहनों को सफाई कार्य में इस्तेमाल करने के बजाय कंपनी बाग में खड़ा किए जाने के आरोपों ने प्रशासन का ध्यान खींचा है। मामले में शिकायत मिलने के बाद अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) देश दीपक सिंह ने जांच बैठा दी है। उन्होंने प्रकरण की जांच अपर उप जिलाधिकारी सदर कृष्णकांत विश्वकर्मा को सौंपी है। जांच अधिकारी को शिकायत में लगाए गए आरोपों की पड़ताल कर साक्ष्यों के साथ स्पष्ट जांच आख्या और संस्तुति निर्धारित समय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मामला नगर पालिका की सफाई व्यवस्था से जुड़े वाहनों की खरीद और उनके इस्तेमाल से संबंधित है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि नगर पालिका परिषद ने शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से टिपर और कूड़ा वाहन खरीदे, लेकिन इन वाहनों का अपेक्षित उपयोग सफाई कार्य में नहीं किया जा रहा है। शिकायत के मुताबिक कई वाहन कंपनी बाग में खड़े हैं। इस संबंध में डीकेओ फाउंडेशन ऑफ फ्रीडम एंड जस्टिस, मानव अधिकार सुरक्षा के जिला अध्यक्ष राधेश पप्पू ने 10 सितंबर 2026 को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया था। शिकायत में नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर द्वारा खरीदे गए टिपर और कूड़ा वाहनों को लेकर सवाल उठाए गए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि शहर की सफाई व्यवस्था के लिए करोड़ों रुपये की लागत से वाहन खरीदे गए, लेकिन उन्हें सफाई कार्य में पूरी तरह उपयोग में नहीं लाया जा रहा है। आरोप के मुताबिक वाहन कंपनी बाग में खड़े हैं और सरकारी धनराशि खर्च होने के बावजूद उसका अपेक्षित लाभ शहर की सफाई व्यवस्था को नहीं मिल रहा है।

शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की जांच कराकर वाहनों की खरीद से लेकर उनके वर्तमान उपयोग तक की स्थिति स्पष्ट करने और यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) देश दीपक सिंह ने मामले में जांच के आदेश जारी किए हैं। जांच की जिम्मेदारी अपर उप जिलाधिकारी सदर कृष्णकांत विश्वकर्मा को दी गई है। जांच अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि शिकायत में लगाए गए सभी आरोपों की बिंदुवार जांच की जाए। जांच के दौरान उपलब्ध अभिलेखों और साक्ष्यों का परीक्षण करते हुए स्पष्ट रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जांच आख्या में आवश्यक संस्तुति भी शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के अधिशासी अधिकारी को भी निर्देश दिए हैं कि मामले से संबंधित सभी अभिलेख जांच अधिकारी को उपलब्ध कराए जाएं।

साथ ही जांच में पूरा सहयोग सुनिश्चित करने को कहा गया है। इससे जांच के दौरान नगर पालिका से टिपर और कूड़ा वाहनों की खरीद से संबंधित फाइलें, स्वीकृति, खरीद प्रक्रिया, भुगतान से जुड़े दस्तावेज, वाहन संख्या और अन्य संबंधित रिकॉर्ड मांगे जा सकते हैं। प्रशासनिक जांच में सिर्फ वाहनों के कंपनी बाग में खड़े होने की स्थिति ही नहीं देखी जाएगी, बल्कि वाहनों की खरीद प्रक्रिया से लेकर उनके वर्तमान इस्तेमाल तक पूरे मामले की पड़ताल की जाएगी। जांच में यह देखा जाएगा कि कितने टिपर और कूड़ा वाहन खरीदे गए, उनकी खरीद पर कितनी धनराशि खर्च हुई, भुगतान किस प्रक्रिया के तहत किया गया, वाहनों की वर्तमान स्थिति क्या है और उन्हें सफाई कार्य में किस स्तर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

रूरल मैनेजमेंट में करियर की क्या संभावनाएं हैं?

रूरल रीजन की ओर पूरी दुनिया में अब पहले से ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। ऐसी बहुत-सी नेशनल, इंटरनेशनल, लोकल एजेंसीज और नॉन गवर्नमेंटल बॉडीज हैं जो रूरल मैनेजमेंट की जरूरत को सामने लाई हैं और इसमें करियर की जबरदस्त रिक्वायरमेंट है। आज रूरल मैनेजमेंट कोर्स स्टूडेंट्स के बीच काफी डिमांडिंग है। अगर आप भी गांवों का डेवलपमेंट करना चाहते हैं, तो जानिए कुछ जरूरी सवाल और उनके जवाब।

रूरल मैनेजमेंट क्यों जरूरी है?

भारत गांवों और किसानों का देश है। जहां लगभग 60 प्रतिशत लोग आज भी गांवों में रहते हैं। आज हम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में शहर में तो डेवलपमेंट हो रहा है पर गांव में यह न के बराबर है। इसलिए गांव की तस्वीर बदलनी जरूरी है। रूरल मैनेजमेंट कोर्स आपके जज्बे को आगे बढ़ाने में काफी मदद करता है। इसके जरिए आप गांवों की सूरत बदल सकते हैं।

कौन-कौन से कोर्सेज किए जा सकते हैं?

रूरल मैनेजमेंट बहुत से मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स के माध्यम से डिग्री और डिप्लोमा कोर्स कंडक्ट कराता है। इनमें से कुछ कोर्सेज बहुत पॉपुलर हैं, जैसे- एमबीए इन रूरल मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ रूरल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मैनेजमेंट। इन कोर्सेज में एडमिशन के लिए ऑल इंडिया एंट्रेंस टेस्ट होता है। इस टेस्ट में ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू होता है। इन कोर्सेज को ज्वॉइन करने के लिए मिनिमम क्वॉलिफिकेशन में कंडीडेट को ग्रेजुएट होना चाहिए। इसके अलावा रूरल मैनेजमेंट में फेलोशिप, रूरल टेक्नोलॉजी और डिस्टेंस लर्निंग या करेस्पोंडेंस कोर्सेज कराए जाते हैं।

इसमें करियर की क्या संभावनाएं हैं?

रूरल मैनेजमेंट में करियर की असीम संभावनाएं हैं। इसमें गवर्नमेंट के साथ-साथ नॉन गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन (एनजीओ) में भी बहुत अवसर हैं। ये ऑर्गनाइजेशंस डेवलपमेंट स्कीम्स और प्रोग्राम्स को मैनेज करने के लिए कांट्रेक्ट बेसिस पर लोगों को हायर करते हैं। जो कंडीडेट बहुत टैलेंटेड होते हैं, उन्हें यूएन की स्पेशलाइज्ड एजेंसीज में भी जॉब मिल सकती है। इंटरनेशनल एनजीओ के पास रूरल मैनेजर्स के लिए बहुत से ऑप्शन होते हैं। इसके अलावा कंडीडेट खुद का एनजीओ शुरू कर सकते हैं और गांवों के विकास के लिए काम कर सकते हैं।

इंजीनियरिंग-मेडिकल से हटकर भी हैं कई रास्ते

12वीं साइंस के बाद ज्यादातर छात्रों के दिमाग में दो ही नाम घूमते हैं, इंजीनियरिंग या मेडिकल. लेकिन अगर आपका मन न तो डॉक्टर बनने में है और न ही इंजीनियरिंग करने में, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. साइंस स्ट्रीम आपके लिए कई दूसरे शानदार करियर के दरवाजे भी खोलती है. आप अपनी पसंद और रुचि के हिसाब से इन क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं. आइए जानते हैं 12वीं साइंस के बाद इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा 7 बेहतरीन करियर ऑप्शन.

डेटा साइंस और एनालिटिक्स

आज हर कंपनी को डेटा एनालिस्ट की जरूरत है. मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स डेटा साइंस में ग्रेजुएशन कर सकते हैं. यह फील्ड आईटी, बैंकिंग, हेल्थकेयर हर सेक्टर में डिमांड में है और सैलरी पैकेज भी शुरुआत से ही अच्छा मिलता है.

बायोटेक्नोलॉजी में स्कोप

जिन स्टूडेंट्स को बायोलॉजी पसंद है लेकिन मेडिकल नहीं करना चाहते, उनके लिए बायोटेक्नोलॉजी एक बेहतरीन ऑप्शन है. फार्मा कंपनियों, रिसर्च लैब और एग्रीकल्चर सेक्टर में बायोटेक ग्रेजुएट्स की मांग लगातार बढ़ रही है.

एनवायरमेंटल साइंस

क्लाइमेट चेंज और प्रदूषण जैसे मुद्दों के चलते एनवायरमेंटल साइंस में करियर के नए दरवाजे खुले हैं. सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संस्थानों में एनवायरमेंटल एक्सपर्ट्स की जरूरत बढ़ रही है, साथ ही यह फील्ड सामाजिक बदलाव से भी जुड़ी है.

एविएशन और पायलट ट्रेनिंग

फिजिक्स और मैथ्स पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए पायलट बनना भी एक शानदार करियर विकल्प है. कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग के बाद एविएशन इंडस्ट्री में शुरुआती सैलरी भी काफी आकर्षक होती है, हालांकि ट्रेनिंग की फीस अधिक होती है.

फॉरेंसिक साइंस

क्राइम इन्वेस्टिगेशन में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स फॉरेंसिक साइंस चुन सकते हैं. पुलिस डिपार्टमेंट, सीबीआई और प्राइवेट लैब में फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की मांग रहती है. यह फील्ड साइंस और जांच दोनों का मेल है, जो स्टूडेंट्स को रोमांचक अनुभव देती है.

स्पोर्ट्स साइंस और न्यूट्रिशन

फिटनेस और खेल में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स स्पोर्ट्स साइंस चुन सकते हैं. एथलीट्स की परफॉर्मेंस बेहतर बनाने में यह फील्ड अहम भूमिका निभाती है और स्पोर्ट्स इंडस्ट्री के बढ़ने के साथ इसमें भी मौके बढ़ रहे हैं.

कैसे करें सही चुनाव

करियर एक्सपर्ट्स की सलाह है कि सिर्फ ट्रेंड देखकर फैसला न लें, बल्कि अपनी रुचि और क्षमता को भी ध्यान में रखें. किसी भी नए फील्ड में जाने से पहले उस इंडस्ट्री के बारे में पूरी जानकारी लेना और सीनियर्स से बात करना बेहद फायदेमंद साबित होता है.

10वीं के बाद तुरंत चाहिए नौकरी? ये टॉप जॉब ओरिएंटेड कोर्स

10वीं बोर्ड परीक्षा पास करने के बाद ज्यादातर स्टूडेंट्स के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि आगे कौन-सा कोर्स चुना जाए, जिससे कम समय में अच्छी नौकरी मिल सके और फ्यूचर ब्राइट हो. कई ऐसे प्रोफेशनल और स्किल-बेस्ड कोर्स हैं, जिन्हें करने के बाद सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में रोजगार के अच्छे अवसर मिलते हैं. खास बात यह है कि इनमें से कई कोर्स कम फीस में पूरे हो जाते हैं और जल्दी जॉब शुरू करने का मौका भी देते हैं. अगर आप भी 10वीं के बाद करियर को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो यहां जानिए ऐसे टॉप जॉब ओरिएंटेड कोर्स, उनकी एलिजिबिलिटी और करियर स्कोप.

10वीं के बाद कौन-सा कोर्स दिला सकता है जल्दी नौकरी

आज के समय में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि स्किल्स की भी उतनी ही मांग है. इसलिए ऐसे कोर्स चुनना बेहतर माना जाता है जो इंडस्ट्री की जरूरतों के मुताबिक हों. पॉलिटेक्निक, आईटीआई, पैरामेडिकल और डिजिटल स्किल कोर्स जैसे विकल्प कम समय में बेहतर रोजगार दिलाने में मदद करते हैं.

पॉलिटेक्निक डिप्लोमा

अगर आपकी रुचि टेक्निकल फील्ड में है, तो पॉलिटेक्निक डिप्लोमा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस जैसी ब्रांच में डिप्लोमा करने के बाद रेलवे, सरकारी विभागों और निजी कंपनियों में जूनियर इंजीनियर स्तर की नौकरियों के अवसर मिलते हैं. इसके अलावा, डिप्लोमा के बाद बीटेक के दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री लेकर आगे की पढ़ाई भी की जा सकती है.

आईटीआई कोर्स

आईटीआई देश के सबसे लोकप्रिय स्किल डेवलपमेंट कोर्स में से एक है. फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, COPA, टर्नर और डीजल मैकेनिक जैसी ट्रेड्स की इंडस्ट्री में हमेशा मांग रहती है. कोर्स पूरा करने के बाद भारतीय रेलवे, क्राश्वरु द्धस्त्रह्र, बिजली कंपनियों और ऑटोमोबाइल सेक्टर में टेक्नीशियन के तौर पर रोजगार मिलने की संभावना रहती है.

पैरामेडिकल डिप्लोमा

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होने के साथ पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है. छरूरुक्ष, एक्स-रे टेक्नीशियन और ह्रञ्ज टेक्नीशियन जैसे कोर्स करने वाले युवाओं को अस्पतालों, पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर और हेल्थकेयर सेक्टर में रोजगार के अच्छे अवसर मिलते हैं. यह उन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा विकल्प है, जो मेडिकल फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं.

डिजिटल स्किल कोर्स

डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन बिजनेस के दौर में डिजिटल स्किल्स की मांग तेजी से बढ़ी है. डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, वेब डेवलपमेंट, टैली और त्रस्ञ्ज जैसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कुछ ही महीनों में पूरे किए जा सकते हैं. इनकी मदद से स्टूडेंट्स फ्रीलांसिंग, स्टार्टअप, ई-कॉमर्स कंपनियों या प्राइवेट सेक्टर में शुरुआती नौकरी हासिल कर सकते हैं.

सही कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान
कोई भी कोर्स चुनने से पहले अपनी रुचि, क्षमता और फ्यूचर स्कोप को ध्यान में रखें. साथ ही, जिस संस्थान में एडमिशन ले रहे हैं, उसकी मान्यता जरूर जांच लें. AICTE, NCVT, NIELIT या संबंधित राज्य परिषद से मान्यता प्राप्त संस्थान से किया गया कोर्स भविष्य में ज्यादा लाभदायक साबित होता है.

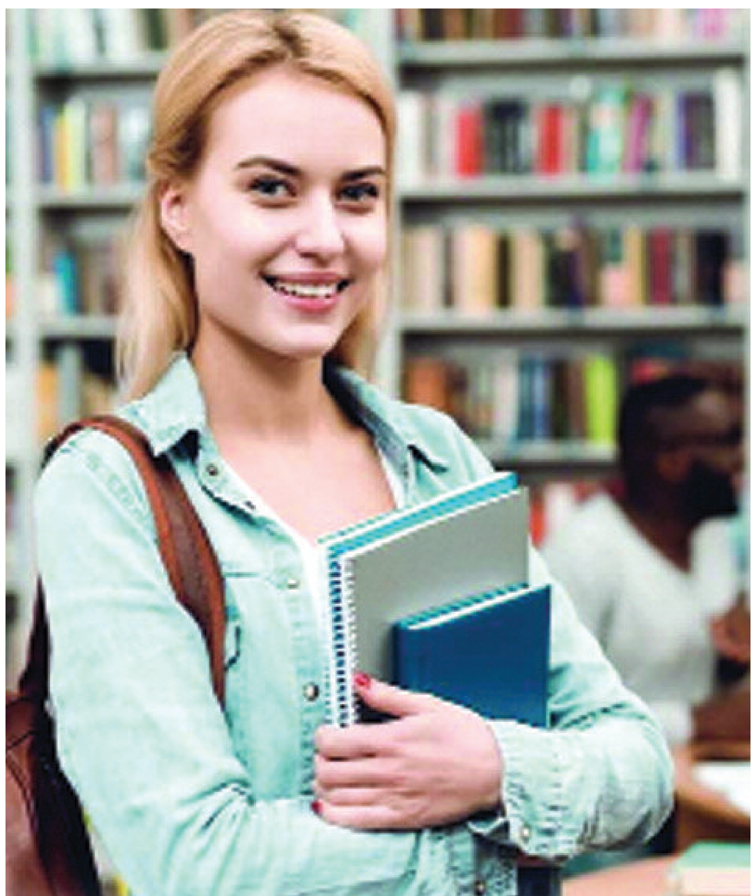

कॅरियर में चाहिए तरक्की, ब्रिज मेंटरशिप से मिलेगी सफलता की नई राह

अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने कॅरियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

आज के युग में प्रतिस्पर्धा चल रही है, फिर चाहे आप स्टूडेंट हों या फिर नौकरी की तलाश कर रहे हों। हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है। ऐसे में सभी को किसी न किसी मेंटर की जरूरत होती है। मेंटरशिप में एक से अधिक एक्सपीरियंस व्यक्ति किसी अन्य पेशेवर के साथ बुद्धिमत्ता और ज्ञान साझा करते हैं। जिससे कि उनको आगे बढ़ने में सहायता मिल सके। अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने कॅरियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

ब्रिज मेंटरशिप

एक रिसर्च से पता चलता है कि 71त्न मेंटर अपने ही पेशे वाले कर्मचारियों का मार्गदर्शन करना पसंद करते हैं। इस अवधारणा को ब्रिज मेंटरशिप कहा जाता है। जहां पर मेंटर और मेटी नियमित रूप से आमने-सामने मिलते हैं। जिससे के दोनों तरफ से साझेदारी बनाई जा सके। इस प्रोसेस के दौरान मेंटी को मेंटर के दृष्टिकोण, अनूठे अनुभवों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की गहरी समझ हासिल करने में सहायता मिलती है। यह प्रक्रिया प्रशिक्षण के साथ सहानुभूति और अंतर-सांस्कृतिक संचार को बढ़ावा देती है।

बातचीत को करें प्रोत्साहित

अधिकतर मेंटरशिप की तरह ही ब्रिज मेंटरशिप के अपने कुछ दिशा-निर्देश होते हैं। जिनमें मेंटी और मेंटर दोनों की तरफ से विश्वास और गोपनीयता शामिल है। इस आधार पर एक सहायक और सेफ वातावरण बनता है। जिससे दोनों तरफ से खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलता है। यह प्रोसेस दोनों पक्ष के स्तर पर विजय पाने में सहायता करती है। वहीं सभी लोगों के लिए एक सांस्कृतिक रूप से समक्ष कार्य का वातावरण का निर्माण करती है।

कार्यक्रमों में लें हिस्सा

आप अपने क्षेत्र या अपने विशिष्ट समुदायों के भीतर संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से ब्रिज मेंटरशिप के लिए आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने नेटवर्क को बढ़ा सकते हैं। इससे आपको उन लीडर्स तक पहुंचने में सहायता मिलेगी, जोकि उच्च पदों पर कार्यरत हैं। साथ ही आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी भलीभांति परिचित हैं।

खोजें ऐसे सेंटर

बता दें कि आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे प्लेटफॉर्म खोज सकते हैं, जो मेंटर से मिलाने पर फोकस करते हैं। वहीं आप अपने संगठन के अंदर एक ऐसी परियोजना में हिस्सा ले सकते हैं, जिसमें तमाम विभागों या फिर कार्यात्मक क्षेत्रों के लोग एक साथ मिलकर काम करते हैं। इसके अलावा दूसरे विभागों के लीडर्स से भी मिल सकते हैं। ब्रिज मैटरशिप के लिए आपको सुरक्षित क्षेत्र से बाहर निकलना होता है। जहां पर आप संभावित सेंटरों से मिलने के लिए कह सकते हैं, जिससे कि आप उनके विचारों को जान सकें। साथ ही यह भी कि क्या वह इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर से हटेंगे दो लाख से ज्यादा पुराने ट्रक और बसें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना की रफ्तार बढ़ाने की बड़ी तैयारी शुरू हो गई है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य क्षेत्र से करीब 2.07 लाख पुराने व प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-6 या इलेक्ट्रिक जैसे स्वच्छ वाहनों को लाना है। लेकिन चिंता की बात यह है कि दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान के अनुसार, 25 सितंबर तक केवल 5344 वाहनों का ही पंजीकरण हो सका है।

वहीं, इस धीमी गति को देखते हुए, अब प्रशासन आगामी अक्टूबर और नवंबर महीने में मिशन मोड पर विशेष पंजीकरण अभियान चलाने जा रहा है ताकि तय लक्ष्य को तेजी से हासिल किया जा सके। योजना का कुल वित्तीय परिव्यय 9585 करोड़ रुपये है। वहीं दिल्ली सरकार के 28 सितंबर के एक्शन प्लान में राजधानी के लिए 78112 वाहनों का आंकड़ा दिया गया है, जिसमें 71,293 ट्रक व 6819 बसें शामिल हैं। योजना के तहत पुराने वाहनों को बदलने वालों को कई आर्थिक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। नए पात्र वाहनों पर पांच साल तक ऋण पर पांच प्रतिशत ब्याज सहायता, 10 साल तक रोड टैक्स में पूरी छूट और पंजीकरण शुल्क माफी का प्रविधान है। भाग लेने वाले वाहन निर्माता एक्स-शोरूम कीमत पर कम से कम आठ प्रतिशत की छूट देंगे। ईवी यानी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर वाहन श्रेणी के अनुसार एकमुश्त प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने अक्टूबर-नवंबर में जन भागीदारी शिविर लगाने, पात्र लाभार्थियों तक पहुंचने और पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग तथा नए ईवी के पंजीकरण की निगरानी करने का फैसला किया है। सितंबर के अंत में हुई समीक्षा बैठक में भी परिवर्तन योजना के पंजीकरण अभियान को मिशन मोड में चलाने का निर्णय लिया गया था।

आरएमएल अस्पताल में दवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल, दो महीने में दूसरी बार खामियां उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) में आपूर्ति होने वालीं दवाओं की गुणवत्ता को लेकर लगातार सामने आ रही घटनाओं ने दवा आपूर्ति और गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जुलाई में अस्पताल में प्रसव के दौरान इस्तेमाल होने वाली आक्सीटोसिन की 2675 शीशियां दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग ने जब्त कर सील की थीं। जांच में दवा नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (गुणवत्ता मानक में खामी) मिली थी। दो महीने बाद सितंबर में अस्पताल को 10 अलग-अलग बैच की दवाएं वापस करनी पड़ीं। इनमें आठ बैच नाट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी पाए गए, जबकि दो बैच में गोलियां स्ट्रिप के अंदर पाउडर के रूप में मिलीं। जुलाई में दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग ने आरएमएल से आक्सीटोसिन की 2675 शीशियां जब्त कर सील की थीं। संबंधित बैच का निर्माण जैक्सन लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, अमृतसर ने किया था। जून में ड्रग इंस्पेक्टरों ने अस्पताल से नमूने लेकर सरकारी प्रयोगशाला में जांच कराई।

इसमें आक्सीटोसिन का सक्रिय तत्व निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं मिला। आक्सीटोसिन का इस्तेमाल प्रसव पीड़ा शुरू कराने और प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव नियंत्रित करने में होता है।

आरएमएल ने सात से 14 सितंबर के बीच जारी चार नोटिस में 10 बैच की दवाओं का इस्तेमाल रोककर उन्हें वापस करने के निर्देश दिए। इनमें सोडियम वैल्प्रोएट 200 मिलीग्राम, स्पाइरोनोलैक्टोन 50 मिलीग्राम, इमिप्रामाइन 25 मिलीग्राम की गोलियां तथा एडेनोसिन, मिथाइल एर्गोमेट्रिन, मल्टीविटामिन, फेनिरामाइन मैलेट और एस्कार्बिक एसिड के इंजेक्शन शामिल हैं। इन आठ बैच को जांच में नाट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी पाया गया। वहीं, आइसोसार्बाइड मोनोनाइट्रेट 20 मिलीग्राम और मेटोप्रोलोल 50 मिलीग्राम की गोलियां स्ट्रिप के अंदर पाउडर के रूप में मिलीं। दोनों बैच का निर्माण ग्लोसन इंडिया लैब्स प्राइवेट लिमिटेड ने किया था। इन घटनाओं के बीच सवाल है कि अस्पताल में आपूर्ति दवाओं की गुणवत्ता जांच व्यवस्था को और मजबूत क्यों नहीं किया जा रहा है। दवा मरीज को देने से पहले बैच स्तर पर खामी पकड़ना जरूरी है। खासकर इंजेक्शन जैसी महत्वपूर्ण दवाओं में गुणवत्ता की निगरानी मजबूत होनी चाहिए। आरएमएल के अनुसार, प्रभावित दवाओं का इस्तेमाल रोक दिया गया है और वैकल्पिक दवाओं की व्यवस्था की गई है। इन दवाओं के कारण किसी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव की सूचना नहीं है।

भारतीय युवाओं में फैटी लिवर से बढ़ रहा सिरोसिस का खतरा, एक्सपर्ट्स की सलाह को न करें नदरअंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी उम्रदराज लोगों की बीमारी मानी जाने वाली फैटी लिवर (मेटाबोलिक डिसफंक्शन-एसोसिएटेड स्टिएटोटिक लिवर डिजीजः एमएएसएलडी) की समस्या अब युवाओं में तेजी से सामने आ रही है। कम उम्र में फैटी लिवर का होना युवाओं में लिवर सिरोसिस का खतरा बढ़ा रहा है।

25-26 साल की उम्र में ग्रेड-2 फैटी लिवर मिलना अब असामान्य नहीं है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लिवर में जमा चर्बी सूजन व फाइब्रोसिस को पैदा करती है।

फाइब्रोसिस बढ़ने पर लिवर को स्थायी नुकसान होता है, जो सिरोसिस के खतरे को बढ़ाता है। इसी बढ़ते खतरे और युवाओं को जागरूक करने पर नई दिल्ली में चल रहे वर्ल्ड कांग्रेस आफ गैस्ट्रोएंटरोलाजी 2026 में भी चर्चा हो रही हैं।

खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली बड़ा कारण

आइएलबीएस के प्रोफेसर डॉ. अनूप सराया के अनुसार, युवाओं में फैटी लिवर का संबंध केवल वजन बढ़ने से नहीं है, बल्कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी मेटाबोलिक समस्याओं से भी है। फास्ट फूड, अस्वास्थ्यकर खानपान और शारीरिक गतिविधि की कमी से इसका खतरा बढ़ रहा है। इससे बचने के लिए वजन नियंत्रित रखना, अधिक कैलोरी और मीठे भोजन से बचना व नियमित व्यायाम आवश्यक है। अल्ट्रासाउंड में निकले हर ग्रेड-2 फैटी लिवर का अर्थ लिवर में अधिक चर्बी होना है। इससे फाइब्रोसिस या सिरोसिस का पता नहीं चलता। जरूरत पर फाइब्रोस्कैन से फाइब्रोसिस का पता लगाया जाता है। विशेषज्ञों की सलाह है कि युवाओं को अभी संभलना होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, वजन अधिक है तो धीरे-धीरे कम करना होगा। सप्ताह में कम से कम 150 मिनट व्यायाम करना चाहिए। इसके साथ कोल्ड ड्रिंक, अधिक मीठे पेय और फास्ट फूड कम करना चाहिए। 25-26 साल में फैटी लिवर मतलब समय रहते फाइब्रोसिस की जांच कराने की गंभीर चेतावनी है।

19.4 करोड़ फैटी लिवर के मरीज

फैटी लिवर को लेकर हुए अध्ययन में भारत में एमएएसएलडी के करीब 19.43 करोड़ और एक वर्ष में करीब 82.63 लाख नए मामले पाए गए। 2026 के फिनोम इंडिया अध्ययन में 27 शहरों के 7764 लोगों में एमएएसएलडी की दर 38.9 प्रतिशत मिली। एमएएसएलडी वाले लोगों में महत्वपूर्ण फाइब्रोसिस 6.3 प्रतिशत था, जबकि बिना एमएएसएलडी वालों में यह 1.7 प्रतिशत था।

25 से 30 साल के युवाओं की भी बड़ी संख्या

18 से 30 वर्ष के 2373 भारतीय युवाओं के अध्ययन में 27.4 प्रतिशत में एमएएसएलडी पाया गया। 2.27 प्रतिशत युवाओं का एफआइबी-4 स्कोर (लिवर में फाइब्रोसिस का खतरा आयाज्योति) बढ़ा हुआ था।

पति के दूसरी महिला से संबंधों पर ससुर ने नहीं की कार्रवाई, दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- यह घरेलू हिंसा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू हिंसा के मामले में अहम निर्णय सुनाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि घरेलू हिंसा कानून के तहत ससुर को सिर्फ इसलिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता कि वह अपने बालिग बेटे के व्यवहार को नियंत्रित करने में नाकाम रहा। महिला की याचिका को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि घरेलू हिंसा कानून की धारा-तीन के तहत शारीरिक या मानसिक नुकसान होता है, लेकिन इस कानून को लागू करने के लिए पक्षकारों के बीच केवल घरेलू संबंध होना ही काफी नहीं है। वैवाहिक दुर्व्यवहार में ससुर की कोई भूमिका न पाते हुए पीठ ने कहा कि एक पिता को घरेलू हिंसा के कानून के तहत सिर्फ इसलिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता कि उसने अपने बालिग बेटे के व्यवहार को नियंत्रित नहीं किया। महिला ने घरेलू हिंसा के आरोपों पर ससुर के खिलाफ कार्रवाई न करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता का आरोप था कि ससुर ने उसके पति के किसी दूसरी महिला के साथ संबंधों के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। अदालत ने कहा कि प्रकरण में सामने आए तथ्यों से ससुर द्वारा घरेलू हिंसा का कोई आधार नहीं बनता है। अदालत ने महिला के इस तर्क को भी ठुकरा दिया कि ससुर का व्यवहार उन्हें अपमानित करने से लेकर, मजाक उड़ाने, बेइज्जती करने जैसा था, लेकिन अदालत ने पाया कि महिला इस संबंध में कोई भी पुख्ता सामग्री अदालत के समक्ष नहीं पेश कर सकी।

नर्सरी की छात्रा से दरिंदगी के मामले में चार्जशीट दाखिल, सीसीटीवी कैमरे और ड्राइवर के मोबाइल से खुलेंगे राज

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में बवाना के पूठ खुर्द स्थित एक निजी स्कूल में तीन वर्षीय नर्सरी की छात्रा से यौन उत्पीड़न के मामले में गवाहों के बयान के अलावा बच्ची द्वारा दिए गए दरिंदगी के बयान को महत्वपूर्ण माना गया है।

पुलिस ने जांच पूरी करते हुए करीब 105 पेज का आरोपपत्र अदालत में दाखिल कर दिया। हालांकि, मामले में इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

स्कूल के सीसीटीवी कैमरों और आरोपी चालक के मोबाइल को एफएसएल भेजा गया है। इनकी रिपोर्ट आने के बाद जांच से जुड़े इलेक्ट्रानिक तथ्यों को भी अदालत के समक्ष रखा जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी।

मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपपत्र में पीड़िता के बयान के अलावा उसके माता-पिता, स्कूल की प्रधानाचार्य, कक्षा अध्यापिका और अन्य संबंधित लोगों के बयान शामिल किए गए। बच्ची को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश करने के बाद मजिस्ट्रेट के सामने भी उसका बयान दर्ज कराया गया था।

पुलिस ने इन बयानों के साथ मेडिकल जांच से जुड़े दस्तावेज और अन्य जरूरी कागजात को आरोपपत्र का हिस्सा बनाया है। इस मामले की जांच उस समय शुरू हुई थी, जब 19 अगस्त को बच्ची के स्वजन ने उसके अंदरूनी अंगों पर सूजन और लाल निशान देखे थे।

बच्ची ने आरोपी की पहचान की

वहीं, बच्ची से पूछताछ में उसने एक व्यक्ति को बुरा अंकल बताते हुए चाकलेट देने और अनुचित तरीके से छूने की बात बताई थी। 24 अगस्त को स्कूल में बच्ची ने आरोपी की पहचान की, जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया था।

एफएसएल जांच के लिए भेजा

मेडिकल जांच के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई। पुलिस ने जांच के दौरान स्कूल परिसर के सीसीटीवी कैमरों और आरोपित के मोबाइल फोन को जब्त किया। दोनों को रोहिणी, एफएसएल जांच के लिए भेजा गया। इनकी रिपोर्ट अभी लंबित है। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मामले की जांच में अगली महत्वपूर्ण कड़ी माने जा रहे हैं।

एफएसएल रिपोर्ट मिलने के बाद उसमें सामने आने वाले तथ्यों को पूरक आरोपपत्र के माध्यम से अदालत में दाखिल किया जाएगा। जांच में आरोपित के आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपित पर पहले से सात अन्य आपराधिक मामले दर्ज मिले हैं। इनका विवरण 22 सितंबर को दाखिल किए गए आरोपपत्र में शामिल किया गया।

वहीं, मोबाइल की जांच के दौरान कुछ अन्य बच्चों से संबंधित वीडियो क्लिप मिलने की बात भी सामने आई है। पुलिस इन वीडियो क्लिप और उनसे जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

दिल्ली में खतरनाक बस ड्राइविंग पर ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 154 चालान और दो बसें जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रही बस की एक छोटी-सी लापरवाही कई किलोमीटर लंबे ट्रैफिक को प्रभावित कर सकती है। अचानक लेन बदलना, गलत तरीके से ओवरटेक करना या बीच सड़क पर खतरनाक तरीके से ब्रेक लगाना बस के आसपास चल रहे दर्जनों वाहनों को एक साथ ब्रेक लगाने या दिशा बदलने के लिए मजबूर कर सकता है।

154 बसों का चालानः इसी खतरे को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने बृहस्पतिवार को पूरी दिल्ली में बसों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 154 बसों का चालान किया गया, जबकि गंभीर यातायात उल्लंघन करने वाली दो बसों को जब्त किया गया।

बसों की मूवमेंट पर खास नजरः अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात दिनेश कुमार गुप्ता के मुताबिक, विशेष अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने प्रमुख मार्गों और ट्रैफिक सर्किलों में बसों की मूवमेंट पर खास नजर रखी।

इस बार पुलिस का केंद्र सिर्फ दस्तावेज या सामान्य नियमों की चेकिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बस चालक के ड्राइविंग पैटर्न और सड़क पर पैदा होने वाले रिस्क को भी देखा गया। ऐसे मामलों में कार्रवाई की गई, जिनमें चालक का ड्राइविंग तरीका दूसरे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए खतरा बन सकता था।

सिख राजनीति में सरगर्मी तेज, भाजपा नेताओं की शिअद स्टेट से नजदीकी के कारण बढ़ी सरना की बेचैनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का चुनाव अगले वर्ष फरवरी तक होने की उम्मीद है। इसे लेकर सिख राजनीति में सरगर्मी तेज होने लगी है।

डीएसजीएमसी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका के नेतृत्व वाली शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट (शिअद दिल्ली स्टेट) के सामने कमेटी की सेवा बरकरार रखने की चुनौती है।

वहीं, शिरोमणि अकाली दल बादल (शिअद बादल) अपनी खोई हुई सत्ता वापस पाने के प्रयास में है। उसके नेता भाजपा पर शिअद दिल्ली स्टेट को समर्थन करने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा गुरुद्वारा चुनाव नहीं लड़ती है, लेकिन पहले राजनीतिक गठबंधन होने के कारण भाजपा के कई सिख नेता शिअद बादल के उम्मीदवारों के पक्ष में खड़े दिखते थे। अब स्थिति बदल गई है। पार्टी के सिख नेताओं की नजदीकी शिअद दिल्ली स्टेट के साथ है।

भाजपा कर रही तैयारीः दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा इनके कार्यक्रमों में भी शामिल होते हैं। इससे शिअद बादल की बेचैनी बढ़ रही है। अकाली नेता परमिंदर पाल सिंह का कहना है कि पंजाबी बाग सहित कई स्थानों पर शिअद दिल्ली स्टेट के कार्यक्रमों व बैठकों में सिरसा शामिल हो रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन है। भाजपा इनके साथ मिलकर गुरुद्वारा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष गठबंधन हुआ है?: उनका कहना है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उनकी पार्टी का दिल्ली स्टेट के साथ कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष गठबंधन हुआ है? यदि भाजपा डीएसजीएमसी चुनाव में भागीदारी करना चाहती है, तो उसको इसकी घोषणा करनी चाहिए। वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि भाजपा न तो कभी गुरुद्वारा चुनाव लड़ी है और न ही इसमें कोई हस्तक्षेप करती है। भविष्य में इसे लेकर अभी कोई विचार भी नहीं है।

दिल्ली मेट्रो के सभी स्टेशनों के एंट्री-एग्जिट गेट अब खुले, न्यू दिल्ली स्टेशन पर इंटरचेंज सुविधा भी बहाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने शुक्रवार को सेवा अपडेट जारी करते हुए जानकारी दी है कि दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट गेट अब खोल दिए गए हैं। जंतर मंतर पर सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के चलते शुक्रवार को दिन में हुए प्रदर्शन के चलते दिल्ली मेट्रो के 12 स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई थी।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, न्यू दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर इंटरचेंज सुविधा भी अब उपलब्ध है। यात्री सामान्य रूप से स्टेशनों में प्रवेश-निकास कर सकते हैं और न्यू दिल्ली स्टेशन पर लाइन बदलने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। डीएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे आधिकारिक अपडेट्स पर नजर रखें और सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करें।

प्रदर्शन के चलते बंद किए थे मेट्रो के द्वारः बता दें कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन को देखते हुए डीएमआरसी ने शुक्रवार सुबह ही जनपथ, पटेल चौकस केंद्रीय सचिवालय, राजीव चौक, सेवा तीर्थ, मंडी हाउस, लोक कल्याण मार्ग, आइएनए, चावड़ी बाजार, रामकृष्ण आश्रम मार्ग और नई दिल्ली सहित 11 मेट्रो स्टेशनों को बंद कर दिया था। दोपहर लगभग 12 बजे बाराखंभा रोड मेट्रो स्टेशन को भी बंद कर दिया गया था।

अंदर से बाहर और बाहर से अंदर जाने की पाबंदीः इन स्टेशनों पर न तो कोई यात्री बाहर से अंदर जा सकता है और न ही किसी को स्टेशन से बाहर निकलने की अनुमति थी। राजीव चौक, मंडी हाउस, आइएनए, नई दिल्ली और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन, दोपहर सवा दो बजे से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इंटरचेंज की सुविधा बंद कर दी गई। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

15 घंटे के भीतर बदलेगा 23 राज्यों का मौसम, पहाड़ों पर भूस्खलन की चेतावनी

अरुणाचल में भारी बारिश की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज के लिए मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है, जबकि दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के कई इलाकों में गरज-चमक, बिजली कड़कने और तेज हवाओं का अनुमान है। वहीं, अगले 15 घंटे में यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित 23 राज्यों में मूसलाधार हो सकती है। अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी अलग-अलग जगहों पर बारिश हो सकती है।

असम-मेघालय और नागालैंड-मणिपुर-मिजोरम-त्रिपुरा में गरज-चमक और बिजली कड़कने की भी संभावना है। वहीं कई पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन की आशंका है।

दक्षिण भारत में आंधी-तूफान का अलर्टः तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश, केरल, माहे और लक्षद्वीप में भी गरज-चमक और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की गति वाली हवाओं का अनुमान है। आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं।

आने वाले दिनों में दक्षिण भारत में बारिश और बढ़ने की संभावना है। केरल और माहे में 2 से 6 अक्टूबर तक अच्छी खासी बारिश हो सकती है, जबकि तटीय कर्नाटक में 3 से 6 अक्टूबर तक बारिश का अनुमान है। 4 से 6 अक्टूबर के बीच केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश हो सकती है।

दिल्ली का मौसम रहेगा साफः आज हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि 6 अक्टूबर से इन इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। उत्तराखंड में 5 अक्टूबर से बारिश शुरू होने और 7 अक्टूबर को अच्छी बारिश होने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश में भी 5 से 8 अक्टूबर तक बारिश हो सकती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के कई हिस्सों से वापस लौट रहा है।

दिल्ली के 12 जिलों में बनेंगे मिनी सचिवालय, एक छत के नीचे मिलेंगी कई सरकारी विभागों की सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विभिन्न सरकारी विभागों की सेवाओं को एक छत के नीचे उपलब्ध कराने की योजना में तेजी आई है। इसके तहत प्रत्येक जिले में मिनी सचिवालय बनाने की कवायद आगे बढ़ गई है। पुरानी दिल्ली जिले को छोड़कर 12 जिलों में मिनी सचिवालय के लिए जमीन की पहचान कर ली गई है।

एक छत के नीचे कई विभागों का होगा कामः वहीं, दक्षिण-पश्चिमी जिले के द्वारका सेक्टर-10 में करीब 212 करोड़ रुपये की लागत से मिनी सचिवालय बनाने की दिशा में काम भी आगे बढ़ गया है। मिनी सचिवालय परिसरों में लोगों को अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलने की उम्मीद है।

यहां राजस्व विभाग के साथ-साथ जल बोर्ड, बिजली और नगर निगम के उपायुक्त कार्यालय भी एक ही परिसर में उपलब्ध कराने की योजना है। दिल्ली की बात करें तो दिल्ली सरकार ने पिछले साल अगस्त में सभी 13 जिलों में मिनी सचिवालय स्थापित करने की योजना है।

वहीं, नई दिल्ली जिला में शाहजहां रोड पर 12 जामनगर हाउस में एलएंडडीओ की भूमि, वेस्ट जिला के राजा गार्डन में दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की भूमि व उत्तरी जिला में सिविल लाइन में एलएंडडीओ की भूमि मिनी सचिवालय के लिए तय की गई है।

एमएसपी निर्धारण में पारदर्शिता की मांग: किसानों ने कहा, सरकार सार्वजनिक करे लागत और महंगाई का डेटा

नई दिल्ली, एजेंसी। किसान संगठनों ने केंद्र के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने के फैसले पर नाराजगी जताई है. वह इसलिए क्योंकि यह मौजूदा उत्पादन लागत में बढ़ोतरी से मेल नहीं खाता है. साथ ही सरकार ने 2027-28 सीजन के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में सिर्फ 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है, जिससे यह 2,585 रुपये से बढ़कर 2610 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है.

सरकार ने कहा कि बदले हुए एमएसपी का मकसद किसानों को अच्छा रिटर्न देना है. हालांकि किसानों के प्रतिनिधियों ने सवाल उठाया है कि क्या यह बढ़ोतरी खेती की बढ़ती लागत को ठीक से दिखाती है. किसान नेताओं ने मांग की है कि सरकार को हर फसल के लिए एमएसपी तय करते समय लागत और महंगाई से जुड़े डेटा जारी करने चाहिए. उनका तर्क है कि इनपुट लागत (कुल खर्च होने वाली धन राशि) काफी बढ़ गई है.

इन चिंताओं की ओर इशारा करते हुए, भारतीय किसान यूनियन (अपॉलिटिकल) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने ईटीवी भारत को बताया, 'एमएसपी की घोषणा के साथ-साथ, सरकार को किसानों के खेती के खर्च और महंगाई में बढ़ोतरी का डेटा भी जारी करना चाहिए. '

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव के कारण किसानों को लगभग डेढ़ गुना अधिक कीमत पर हर्बिसाइड और पेस्टिसाइड खरीदने पड़ रहे हैं. इसी तरह डीजल की कीमतें भी बढ़ी हैं. जबकि सल्फर और अन्य पोषक तत्वों की कीमतों में काफी वृद्धि दर्ज की गई है. हालांकि सरकार

ने गेहूं के एमएसपी में केवल 25 रुपये की वृद्धि की है, जिससे यह 2610 रुपये प्रति क्विंटल तय हो गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि गेहूं के एमएसपी में 0.96 प्रतिशत की बढ़ोतरी धोखा है.

मलिक ने कहा कि सरकार की किसान विरोधी नीतियों की वजह से किसानों का कर्ज लगातार बढ़ रहा है. किसान यह भी जानना चाहते हैं कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना और पंतनगर ने गेहूं की पैदावार की क्या लागत निकाली है. यह जानकारी भी सार्वजनिक की जानी चाहिए. संयुक्त किसान मोर्चा समन्वय समिति के सदस्य पी कृष्ण प्रसाद ने ईटीवी भारत को बताया, 'कमीशन सी2 लागत का निजी तौर पर मूल्यांकन करता है ताकि यह पक्का हो सके कि सुझाई गई एमएसपी कम से कम बड़े उत्पादन वाले राज्यों में पूरी अवसर लागतों को कवर करे. क्योंकि सरकार सी2 पर 50 प्रतिशत प्रॉफिट मार्जिन की गारंटी नहीं देती है (जो स्वामीनाथन कमीशन फॉर्मूला की मांग कर रहे किसान यूनियनों के साथ विवाद का एक मुख्य मुद्दा बना हुआ है), सी2 डेटा को 'मुख्य कार्यकारी घोषणा से बाहर रखा जाता है. '

उन्होंने कहा कि एमएसपी कितना सही है, इसका अंदाजा लगाते समय खेती के खर्च में बढ़ोतरी, खाने की चीजों की कीमतों और घर के रहने के खर्च पर भी ध्यान देना होगा. एमएसपी के मुद्दे पर किसान नेता आशीष मित्तल ने ईटीवी भारत से कहा, 'अगर खेती से मिलने वाला रिटर्न कम होता रहा, तो किसानों पर कर्ज बढ़ेगा. उन्हें अपनी जमीन गिरवी रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है या वे अपनी जमीन खो सकते हैं जिससे खेती में गिरावट आएगी. इससे खेती और शहरों में मजदूरी की दरें भी कम हो सकती हैं जिससे मजदूरी सस्ती हो जाएगी. ' इस बीच कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की रिपोर्ट, 'रबी फसलों के लिए मूल्य नीति 2027-28' की घोषणा के 48 घंटे बाद भी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध नहीं कराई गई है. जब किसान रबी एमएसपी 2027-28 की घोषणा से हुए इस क्रूर मजाक पर दुख और आक्रोश जता रहे हैं, तो सवाल यह है कि मोदी कैबिनेट उस रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी का फैसला कैसे कर सकती है, जो उपलब्ध ही नहीं है या गायब है. 'शायद प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री (जो इन दिनों प्रेस कॉन्फ्रेंस और इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त हैं) ने निर्देश दिया है कि इस रिपोर्ट को छिपाकर ही रखा जाए. सच यह है किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है. एक तरफ खाद्य महंगाई के मुकाबले एमएसपी पर नकारात्मक रिटर्न और दूसरी तरफ एमएसपी के इर्द-गिर्द अपारदर्शिता. 'उन्होंने इसको लेकर एक्स पोस्ट पर एक चार्ट भी प्रकाशित किया है. उन्होंने कहा चार्ट इस सच्चाई को उजागर करता है कि खाद्य महंगाई के सामने एमएसपी की बढ़ौतरी की रिटर्न किसान के लिए नेगेटिव है।

संक्षिप्त समाचार

बंगलूरू में सिलिंडर लीक से घर में लगी आग, चार बच्चों समेत परिवार के छह लोग झुलसे

बंगलूरू , एजेंसी। बंगलूरू के नयनदहल्ली इलाके में शनिवार सुबह एलपीजी सिलिंडर से गैस लीक होने के बाद घर में आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के छह लोग झुलस गए, जिनमें चार बच्चे शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के समय परिवार के सदस्य खाना बना रहे थे। हादसा विनायक लेआउट स्थित किराये के मकान में हुआ। परिवार मूल रूप से रायचूर का रहने वाला है और बंगलूरू में किराये के घर में रह रहा था। पुलिस ने घायलों की पहचान करिलिंगप्पा (40), उनकी पत्नी लक्ष्मम्मा (42), चैतरा (11), बसवा (9) और तीन वर्षीय जुड़वां बहनों गीता और गिरिजा के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, एलपीजी सिलिंडर से गैस लीक होने के बाद अचानक आग भड़क गई और परिवार के सभी छह सदस्य इसकी चपेट में आ गए। आग में उन्हें झुलसने की चोटें आई हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद चंद्रा लेआउट पुलिस थाने के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सभी घायलों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि एलपीजी रिसाव किस वजह से हुआ और आग कैसे भड़की।

गुजरात के अमरेली में शेरनी का आतंक, वनकर्मी समेत 5 लोगों को बनाया निशाना, वन विभाग ने ऐसे दबोचा

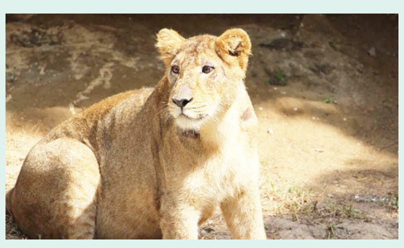

अमरेली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले से डरावनी खबर सामने आई है. अमरेली के वड़िया तालुका में एक शेरनी ने भारी आतंक मचाया. इस शेरनी ने एक के बाद एक कुल 5 लोगों पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया. घायलों में दो बाइक सवार युवक, दो किसान और खुद वन विभाग का एक कर्मचारी शामिल है. इस सिलसिलेवार हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया. हालांकि, वन विभाग की टीम ने करीब 12 घंटे चले कड़े रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शेरनी को बेहोश कर पिंजरे में कैद कर लिया है.

आधी रात को बाइक सवार युवकों पर पहला हमला: जानकारी के मुताबिक, यह घटना अमरेली के वड़िया तालुका के अरजणसुख गांव की सीमा पर शुरू हुई. तोरी गांव के रहने वाले दो युवक, मेहुल मनुभाई वाजा और भगीरथ गभीरभाई बासिया, एक कार्यक्रम से देर रात मोटरसाइकिल पर अपने गांव लौट रहे थे. अरजणसुख और तोरी गांव को जोड़ने वाली सड़क पर अचानक झाड़ियों से निकलकर शेरनी ने उनकी चलती बाइक पर छलांग लगा दी. अचानक हुए इस हमले से दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े. शेरनी के इस हमले में मेहुल के हाथ में और भगीरथ के पैर में गंभीर चोटें आई. गनीमत रही कि बाइक गिरने और शोर मचाने के बाद शेरनी वहां से भाग निकली. दोनों घायलों को तुरंत आपातकालीन सेवा 108 की मदद से अमरेली के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया.

खेतों में काम कर रहे किसानों को भी बनाया निशाना: इस घटना के बाद शेरनी का गुस्सा शांत नहीं हुआ. सुबह होते ही उसने अरजणसुख गांव के पास कपास के खेतों में काम कर रहे दो स्थानीय किसानों पर अचानक हमला बोल दिया. एक घायल किसान ने बताया कि वह खेत में काम कर रहा था, तभी कपास की फसल के बीच से अचानक शेरनी निकली और उस पर टूट पड़ी. एक बार पीछे हटने के बाद शेरनी दोबारा लौटी और उसने किसान के सिर पर वार किया. शेरनी के इस आक्रामक रूप को देखकर खेतों में काम कर रहे अन्य मजदूरों और किसानों में भगदड़ मच गई.

रसिक दुलारी की मौत का रहस्य: पुलिस की सात टीमें खंगाल रही सुराग, 50 लोगों से पूछताछ; नए आश्रम तक पहुंची जांच

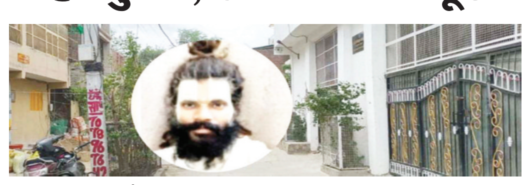

मथुरा, एजेंसी। संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक उर्फ रसिक दुलारी शरण की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस की सात टीमें जांच में जुटी हैं। आत्महत्या के रहस्य से पर्दा उठाने के लिए पुलिस ने मांट क्षेत्र स्थित संत के नए आश्रम यमुना विहार कुंज को भी जांच के दायरे में ले लिया है। आश्रम में रह रहे शिष्यों के साथ ही रसिक दुलारी शरण के करीबियों से भी पूछताछ की जा रही है। अब तक 50 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक लोधी ने 25 सितंबर को वराह घाट क्षेत्र स्थित गऊ कृपा कुंज आश्रम की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। प्राइवेट पार्ट कटा होने पर आत्महत्या का रहस्य गहरा गया है। इस घटना से पर्दा हटाने में जुटी पुलिस के सामने शिष्यों की चुप्पी सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने आ रही है। पुलिस ने इस मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस ने वृंदावन स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम श्रीहित राधा केलिकुंज के साधकों और शिष्यों से भी पूछताछ की है। इसके अलावा रसिक दुलारी के साथ बिजली का कार्य करने वाले मिस्त्री से भी जानकारी जुटाई जा रही है। परिजन को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। वहीं, सीओ मांट और थाना प्रभारी को नए आश्रम यमुना विहार कुंज में जांच करने के लिए कहा गया है। पुलिस आश्रम की गतिविधियों और वहां रह रहे लोगों से भी जानकारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, पूछताछ और फॉरेंसिक जांच समेत सभी उपलब्ध साक्ष्यों को एक साथ जोड़कर घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। सीओ वृंदावन संदीप कुमार ने बताया कि जांच के लिए उच्चाधिकारियों ने तीन सीओ, तीन इंस्पेक्टर के साथ जांच टीमें गठित की हैं।

हिमाचल में सड़क हादसा: मनाली से पठानकोट जा रही बस बाशिंग में पलटी, छह यात्री घायल

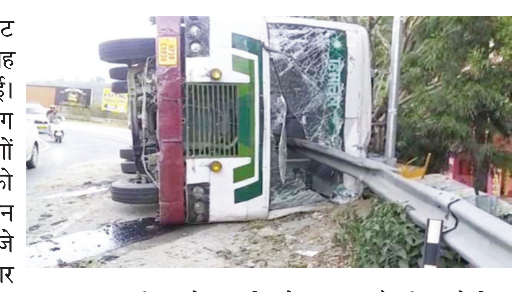

कुल्लू, एजेंसी। मनाली से पठानकोट जा रही एचआरटीसी की बस शनिवार सुबह कुल्लू के बाशिंग में सड़क पर पलट गई। बस में चालक-परिचालक समेत छह लोग सवार थे, जिनमें चालक सहित पांच लोगों को चोटें आई हैं, जबकि परिचालक को हल्की चोट आई है। हादसा पुलिस लाइन बाशिंग के समीप सुबह करीब 6:00 बजे हुआ। हादसे के दौरान बस में छह लोग सवार थे, जिनमें चार यात्री, एक ड्राइवर और एक कंडक्टर शामिल थे। सभी को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू रेफर किया गया।

घायलों में श्याम लाल(45) पुत्र लाला राम, निवासी बास्कोला कटरेन कुल्लू, कृष्ण थापा(42) पिता ईमान थापा, निवासी बंदरोल कुल्लू, छाया देवी पत्नी(25) राकेश कुमार, निवासी गांव कुठैड़ पठानकोट, राकेश कुमार(31) पुत्र सरदारी लाल, निवासी कुठैड़ पठानकोट, बस ड्राइवर मनमोहन सिंह(42) पुत्र जोगिंद्र सिंह, निवासी गांव वहट, चुवाड़ी और बस कंडक्टर प्रवीण(46) पुत्र लाभ सिंह निवासी गांव खन्नी नूरपुर शामिल हैं।

काशापाठ में मुख्यमंत्री सुक्खू की खास मेहमाननवाजी, पहाड़ी स्वाद से सजी थाली, पारंपरिक अंदाज में हुआ स्वागत

रामपुर, एजेंसी। 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शुक्रवार को शिमला जिले के दुर्गम क्षेत्र काशापाठ पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया, मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए ग्रामीणों ने जहां पारंपरिक संस्कृति की झलक पेश की, वहीं स्थानीय महिलाओं ने पहाड़ी स्वाद से सजी खास थाली तैयार कर मेहमाननवाजी की. महिलाओं ने दिनभर मेहनत कर पारंपरिक व्यंजन तैयार किए. काशापाठ पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्वागत स्थानीय बजंतरियों ने पारंपरिक तरीके से बेड़ देकर किया. महिलाओं ने प्राकृतिक फूलों और लोसरू से तैयार की गई फूल मालाओं से मुख्यमंत्री का स्वागत किया. इस दौरान महिलाएं पारंपरिक भेष-भूषा में नजर आई, जिससे पूरा माहौल हिमाचली संस्कृति के रंग में रंगा दिखाई दिया.

थाली में दिखा पहाड़ी स्वाद: स्थानीय निवासी कमलादेवी ने बताया कि मुख्यमंत्री के लिए तैयार की गई पारंपरिक थाली में स्थानीय मोटे अनाज से तैयार किए गए कई व्यंजन शामिल किए गए हैं. इनमें ओगले के चुड़े, फाफरे के चील्टू, भीतुभात, कौदे की रोटी, तुलसी की खीर और तुलसी की रोटी सहित अन्य पारंपरिक पकवान शामिल किए गए. स्थानीय महिलाओं का कहना है कि इन व्यंजनों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध खान-पान की परंपरा और स्थानीय अनाज की विशेषता को मुख्यमंत्री के सामने रखा गया.

पारंपरिक पहनावे से बढ़ाया स्वागत का मान

मुख्यमंत्री को क्षेत्रवासियों की ओर से ऊन का छुपटा, ऊन का पजामा, ऊनी टोपी और गाची पहनाकर सम्मानित किया गया. वहीं महिलाओं ने भी पारंपरिक परिधान पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया. काशापाठ में मुख्यमंत्री के स्वागत के दौरान स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, लोक पहनावा और पहाड़ी व्यंजनों का अनूठा संगम देखने को मिला. इससे ग्रामीणों ने अपनी लोक परंपराओं और संस्कृति को मुख्यमंत्री के समक्ष जीवंत रूप में प्रस्तुत किया. इस दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का बच्चों के प्रति खास दुलार भी देखने को मिला. काशापाठ में मौजूद बच्चों से उन्होंने आत्मीयता से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और स्नेहपूर्वक बातचीत की. मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चे भी काफी उत्साहित नजर आए. मुख्यमंत्री के सामने काशापाठ में छात्राओं ने पारंपरिक नाटी की शानदार प्रस्तुति दी.

बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों में वायुसेना का राहत अभियान, हेलीकॉप्टरों से 10 टन सामग्री पहुंचाई गई

पटना , एजेंसी। नेपाल और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में सितंबर के अंतिम सप्ताह में हुई अत्यधिक बारिश के बाद राज्य के छह जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इस बीच राहत और बचाव अभियान को तेज करते हुए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने सारण के बाढ़ प्रभावित इलाकों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के 30 प्रखंडों की 144 ग्राम पंचायतों में करीब 4.93 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। भारतीय वायुसेना की मध्य वायु कमान (सीएसी) के हेलीकॉप्टरों को गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर और तटबंधों में टूट के बाद 2 अक्टूबर को अल्प सूचना पर बिहार में राहत कार्य के लिए तैनात किया गया। पटना से संचालित हेलीकॉप्टरों ने दिनभर उड़ान भरते हुए सारण जिले के चकिया, पृथ्वीपुर, सतजोड़ा, करचोलिया और मकेर सहित प्रभावित क्षेत्रों में करीब 10 टन आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई। विषम परिस्थितियों और कठिन भूभाग के बीच चलाए गए इस अभियान के जरिए बाढ़ प्रभावित समुदायों तक जरूरी सहायता पहुंचाई गई। रक्षा प्रकोष्ठ के मुताबिक प्राकृतिक आपदा के समय नागरिक प्रशासन को सहयोग देने और प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए वायुसेना का अभियान जारी है। इधर, आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार प्रभावित लोगों के बीच अब तक करीब 68,600 पॉलीथिन शीट और 64,100 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। ड्राई राशन के वितरण का कार्य अभी जारी है। आबादी के निष्क्रमण और आवागमन को सुगम बनाने के लिए कुल 323 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार नावों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

यूपी में राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने खरीदा नौंवा पर्चा, बढ़े सपा में सेंधमारी के आसार, अखिलेश के लिए है ये चुनौती

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नौवां नामांकन पत्र खरीद लिया है। चुनावी गणित के मुताबिक, मौजूदा संख्याबल के आधार पर भाजपा के आठ और समाजवादी पार्टी (सपा) के दो प्रत्याशियों का निर्वाचित होना तय माना जा रहा है। ऐसे में भाजपा की ओर से नौवां पर्चा खरीदे जाने से चुनाव में सेंधमारी की संभावनाओं को बल मिला है।राज्यसभा चुनाव विधानसभा चुनाव से पहले हो रहा है। इसे सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए शक्ति

परीक्षण के तौर पर भी देखा जा रहा है। दोनों दल अपने-अपने विधायकों को एकजुट रखने में जुटे हैं। भाजपा और सपा के पास कुछ अतिरिक्त वोट हैं, जिसके चलते क्रॉस वोटिंग और विधायकों के पाला बदलने को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। भाजपा इससे पहले भी राज्यसभा चुनाव में अतिरिक्त प्रत्याशी उतारकर मुकाबले को रोचक बना चुकी है। नौवां पर्चा खरीदने के बाद पार्टी की रणनीति को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, भाजपा ने अभी अपने प्रत्याशियों के नाम घोषित नहीं किए हैं।

देश के पहले तंबाकू मुक्त गांव 'कूलिमाड' ने अब ड्रग्स के खिलाफ छेड़ी जंग

कोझिकोड, एजेंसी। केरलम के कोझिकोड जिले का कूलिमाड गांव, जो देश का पहला तंबाकू मुक्त गांव है, अब नशीली दवाओं (ड्रग्स) के खिलाफ अपनी लड़ाई को दोबारा शुरू कर चुका है. स्थानीय संगठन 'अक्षरा कूलिमाड' और राज्य के आबकारी विभाग ने मिलकर इस अभियान को एक बड़े आंदोलन का रूप दे दिया है. यह गांव पूरे देश के लिए मिसाल बन गया है.

तंबाकू मुक्ति से ड्रग्स के खिलाफ जंग: कूलिमाड गांव ने आज से करीब 31 साल पहले यानी 11 जनवरी 1995 को भारत का पहला तंबाकू मुक्त गांव बनने का गौरव हासिल किया था. उस समय 'अक्षरा कूलिमाड' नाम की संस्था के नेतृत्व में एक बड़ा जन-आंदोलन चला था. गांव के लोगों की एकता को देखकर सालों से बीड़ी-सिगरेट पीने वाले लोगों ने भी हमेशा के लिए धूम्रपान छोड़ दिया था. आज जब समाज में सिंथेटिक ड्रग्स का खतरा बढ़ रहा है, तब इस गांव ने

अपनी उसी पुरानी एकता और हिम्मत को दोबारा जगाया है.

विकास के साथ आई नई चुनौतियां: चालियाड़ और इरुवंजिप्पुझा नदियों के संगम पर बसे इस खूबसूरत गांव में हाल ही में दो नए पुल और सड़कें बनी हैं. इस वजह से यहां हर दिन पड़ोसी जिलों से हजारों की संख्या में पर्यटक घूमने आ रहे हैं. लेकिन इस भीड़ के साथ एक नई समस्या भी खड़ी हो गई है. सुनसान जगहों पर असामाजिक तत्वों और नशा बेचने वालों का खतरा बढ़ गया है. इस चुनौती का सामना करने के लिए ग्रामीणों ने पुलिस और सरकार के 'ऑपरेशन तूफान' और 'ऑपरेशन थंडर' अभियान से हाथ मिला लिया है.

'मयंगिल्ला केरल' अभियान और कमिश्नर का बयान: केरलम सरकार के विशेष आबकारी अभियान 'मयंगिल्ला केरलम' (जिसका मतलब है - केरलम सोएगा नहीं) के तहत गांव की सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है. इसके तहत अधिकारी गांव की उन पुरानी या सुनसान जगहों को साफ कर रहे हैं, जहां नशेड़ी छिप सकते हैं.

इस मुहिम के बारे में ईटीवी भारत से बात करते हुए असिस्टेंट एक्साइज कमिश्नर निजुमोन ने स्पष्ट किया, 'सरकार के निर्देश के बाद, आबकारी विभाग की एक टीम ने इस धुआं-मुक्त गांव (कूलिमाड) का दौरा किया है. हमारा उद्देश्य स्थानीय क्लबों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से इस पूरे क्षेत्र की सफाई करना है, ताकि इसे एक बेहतरीन पर्यटन स्थल या मनोरंजन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके. '

जनता की एकजुटता: इस मुहिम को सफल बनाने के लिए गांव के बच्चों, बड़ों और नेताओं ने मिलकर एक 'मॉर्निंग वॉक' की और संदेश दिया कि वे ड्रग्स को अपने गांव में घुसने नहीं देंगे. नदी के किनारे बना नया मनोरंजन केंद्र अब नशामुक्त अभियान का

संक्षिप्त समाचार

ओहायो के श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला, खिड़कियां टूटीं; जांच में जुटी एजेंसियां

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर ईंटों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर, रिचमंड हाइट्स में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे यह घटना हुई। हमलावरों ने मंदिर की इमारत पर ईंटें फेंकीं, जिससे काफी नुकसान हुआ।

अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घटना की जानकारी दी। संगठन के अनुसार, घटना के वक्त मंदिर को निशाना बनाया गया और ईंटें फेंके जाने से संरचना को काफी नुकसान पहुंचा। एचएएफ ने बताया कि यह अपमानजनक हमला महात्मा गांधी की जयंती और ओहियो राज्य द्वारा घोषित हिंदू विरासत माह की शुरुआत पर हुआ है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज उपलब्ध है और अधिकारी उसकी समीक्षा कर रहे हैं। संगठन ने कहा कि मामले की जानकारी एफबीआई और नागरिक अधिकार अधिकारियों को भी दी जा रही है। एचएएफ ने बताया कि वह मंदिर के नेतृत्व के संपर्क में है और जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की है। संगठन ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने को प्राथमिकता देने की अपील की है। एचएएफ ने घटना को संभावित हेट क्राइम बताया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि हमले के पीछे धार्मिक मकसद ही था। किसी संदिग्ध का नाम भी सामने नहीं आया है और गिरफ्तारी की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। संगठन ने अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकारी एजेंसियों से भारतीय और हिंदू-अमेरिकी समुदायों के खिलाफ कथित नफरत भरी बयानबाजी की सार्वजनिक रूप से निंदा करने की भी अपील की है। कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका के मुताबिक, ग्रेटर क्लीवलैंड इलाके में स्थित मंदिर पर ईंटें फेंकी गईं, जिससे उसकी खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय मंदिर के अंदर पुजारी और श्रद्धालु मौजूद थे। हालांकि, संगठन ने यह जानकारी नहीं दी कि हमले में कोई घायल हुआ या नहीं। साथ ही, कितनी खिड़कियां टूटीं, इसका भी सटीक आंकड़ा नहीं बताया गया है।

क्रिप्टोकरेंसी उद्योग के दिग्गज चांगपेंग झाओ ने कहा- लोकतंत्र में सुनवाई नहीं, तानाशाह के राज में काम तेजी से

अबू धाबी, एजेंसी। सफेद निसान एसयूवी की ड्राइविंग सीट पर बैठे 49 वर्षीय चांगपेंग झाओ (सीजेड) विंडशील्ड पर आईफोन टिकाकर गाड़ी चलाते हुए खुद को किसी आम कैब ड्राइवर की तरह पेश करते हैं और हंसते हुए कहते हैं ये मेरी लैम्बोर्गिनी है। हकीकत यह है कि यह आम आदमी दुनिया के क्रिप्टोकरेंसी उद्योग का सबसे अमीर और शक्तिशाली शख्स है, जिसकी कुल संपत्ति लगभग 114 अरब डॉलर यानी करीब 10.83 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादियों व रूसी सिंडिकेट्स के लिए वित्तीय पनाहगाह बनने के आरोपों में जेल भेजे जा चुके झाओ चार महीने की कैद काटकर बाहर आए हैं। अक्तूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अप्रत्याशित प्रेसिडेंशियल पार्डन (माफी) पाने के बाद झाओ अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी के सादियात द्वीप पर 9 बेडरूम वाले आलीशान विला, चार बॉडीगार्ड्स, शेफ और दा मून नामक लग्जरी यॉट के साथ बेखौफ जिंदगी बिता रहे हैं। वह किसी राष्ट्राध्यक्ष की तरह प्राइवेट जेट से एशिया भर के मुल्कों में घूमते हैं। किर्गिस्तान के राष्ट्रपति के साथ स्कीइंग करते हैं। झाओ के मौजूदा रसूख की सबसे बड़ी बुनियाद दुनिया के दो सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों के साथ उनकी गहरी कारोबारी सांठगांठ है। पिछले साल झाओ की कंपनी बाइनेंस ने ट्रंप और उनके बेटों के क्रिप्टो स्टार्टअप वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ कारोबारी रिश्ता कायम किया।

खेती-किसानी से बच्चों की परवरिश तक, आंख मूंदकर एआई पर भरोसा कर रहे लोग

बीजिंग, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वैश्विक दौड़ में अमेरिका को पछाड़कर नंबर-1 बनने का सपना देख रहे चीन के सामने अब एक नया और अप्रत्याशित संकट खड़ा हो गया है। यह संकट किसी तकनीक की नाकामी का नहीं, बल्कि चीनी समाज में एआई पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता का है। चीन में लोग खेती-किसानी से लेकर बच्चों की परवरिश, मनोरंजन और यहां तक कि वर्चुअल रोमांस तक के लिए आंख मूंदकर एआई का इस्तेमाल करने लगे हैं। कम्युनिस्ट पार्टी को डर सताने लगा है कि एआई की यह बेलगाम लत इंसानी रिश्तों को खोखला कर रही है, युवाओं के सोचने-समझने की क्षमता छीन रही है और देश में सामाजिक स्थिरता के लिए सीधा खतरा बन रही है। नतीजतन, चीनी सरकार ने अब एआई के उपयोग और दुरुपयोग पर कड़े नियम व न्यायिक दिशा-निर्देश लागू करने शुरू कर दिए हैं।

बढ़ते खतरे को देखते हुए टिकटॉक की पेरेंट कंपनी बाइटडांस के मशहूर एआई असिस्टेंट 'दौबाओ' पर बच्चों की लत को देखते हुए सरकार ने नाबालिगों के साथ वर्चुअल रिलेशनशिप बनाने वाले फीचर्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे कंपनी को अपने 'वर्चुअल कंपेनियन' फीचर को बंद करना पड़ा। इसका नतीजा यह हुआ कि पूर्वी अनहुई प्रांत के एक 67 वर्षीय किसान वू ने एआई चैटबॉट की सलाह पर अपनी फसल में ऐसा खरपतवारनाशक छिड़क दिया, जिससे उसकी 25 एकड़ तिल की फसल जलकर राख हो गई।

20 फीसदी बच्चों ने कहा इन्सानों से बात नहीं करनी: 'चाइना यूथ एंड चिल्ड्रंस रिसर्च सेंटर' द्वारा 8,500 से अधिक नाबालिगों पर किए गए एक सर्वेक्षण में सामने आया कि 20 से ज्यादा बच्चे अब केवल एआई से चैट करना चाहते हैं और असली इन्सानों से बात करने से कतराते हैं। कई परिवारों में बच्चे इतने ज्यादा चैटबॉट्स के आदी हो चुके हैं कि वे अपने माता-पिता से शिकायत करते हैं कि वे भी एआई की तरह हमेशा मीठी और उनकी मर्जी की भाषा में ही बात करें।

इन घटनाओं ने चिंता में डाला

एआई ऐप की पहचान पर भरोसा कर जंगली मशरूम खाया। जहरीले मशरूम से लोग बीमार; नौ साल का बच्चा आठ दिन आईसीयू में भर्ती रहा। एआई के दिए निर्देशों पर बिना जरूरी सामान के पहाड़ पर चढ़ा ट्रैकर। अगस्त में पहाड़ी चोटी पर फंसा, रेस्क्यू टीम ने जान बचाई। बिना कैमरा, क्रू और इंसानी कलाकारों के मिनटों में बने एआई शोज। 90 प्रतिशत कंटेंट एआई जनरेटेड।

कम्युनिस्ट पार्टी की चेतावनी

कम्युनिस्ट पार्टी यह समझ रही है कि वह तकनीक को जितना आगे बढ़ाएगी, उतनी ही नई सामाजिक चुनौतियां सामने आएंगी। पार्टी हर उस चीज को लेकर बेहद संवेदनशील है जो सामाजिक ताने-बाने या रोजगार बाजार को हिला सकती है। इ पार्टी के आधिकारिक मुखपत्र 'पीपुल्स डेली' ने संपादकीय लिखकर चेतावनी दी है कि कृषि और स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में केवल आधिकारिक स्रोतों से प्रमाणित एआई डेटा का ही इस्तेमाल होना चाहिए। अखबार ने किसानों को एआई के सुझावों पर आंख मूंदकर अमल करने के बजाय 'क्रिटिकल थिंकिंग' (तार्किक सोच) अपनाने की सलाह दी है।

एआई और अध्यात्म... क्लॉड को ट्रेन करने के लिए धर्मगुरुओं और विचारकों की मदद लेगी एंथ्रोपिक

वाशिंगटन। आमतौर पर जब सिलिकॉन वैली किसी जटिल तकनीकी समस्या में उलझती है, तो वह ज्यादा इंजीनियरों और प्रोग्रामरों को काम पर रखती है, जिनमें बड़ी संख्या भारतीयों की होती है। लेकिन प्रमुख एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने एक कदम आगे बढ़ते हुए कुछ अलग रास्ता चुना। कंपनी ने इस गंभीर सवाल पर विचार करने के लिए धार्मिक विद्वानों, दार्शनिकों और धर्मशास्त्रियों का एक विशेष सम्मेलन बुलाया कि वे असल में क्या बना रहे हैं और उसकी नैतिक सीमाएं क्या होनी चाहिए। इस मंथन में भारत के एक प्रमुख संन्यासी को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। सैन फ्रांसिस्को स्थित एंथ्रोपिक के मुख्यालय में आयोजित इस विशेष विचार-गोष्ठी में वेदांत सोसाइटी ऑफ न्यूयॉर्क के प्रमुख और अद्वैत वेदांत के जाने-माने विद्वान स्वामी सर्वप्रियानंद शामिल हुए। स्वामी जी ने हाल ही में सार्वजनिक रूप से पुष्टि की कि कंपनी ने अपने प्रमुख एआई मॉडल क्लॉड के ट्रेनिंग और एआई नैतिकता से जुड़ी चर्चा के लिए कैलिफोर्निया बुलाया था। एक सार्वजनिक व्याख्यान में उन्होंने बताया कि गोपनीयता समझौता की वजह से अंदरूनी ब्योरा साझा नहीं कर सकते, लेकिन कंपनी ने माइथोस और प्रोजेक्ट ग्लासविंग जैसे अपने नवीनतम कार्यों की झलक दिखाई थी। इस दौरान एंथ्रोपिक के सह-संस्थापक क्रिस्टोफर ओलाह ने प्रतिभागियों के साथ इस संभावना पर चर्चा की कि क्या एआई मॉडल इंसानी भावनाओं और व्यक्तित्व जैसा व्यवहार प्रदर्शित कर सकते हैं।

कौन है स्वामी सर्वप्रियानंद?: स्वामी सर्वप्रियानंद इस चर्चा के लिए सबसे उपयुक्त विचारकों में से एक हैं क्योंकि उनकी विशेषज्ञता अद्वैत वेदांत में है, जहां कॉन्शियसनेस का मिलन आधुनिक न्यूरोसाइंस, भौतिकी और एआई से होता है। रामकृष्ण मिशन से जुड़े स्वामी जी ने भुवनेश्वर के जेवियर इंस्टीट्यूट से एमबीए करने के बाद 1994 में संन्यास मार्ग अपनाया और 2004 में पूर्ण संन्यास लिया। भारत और अमेरिका के विभिन्न संस्थानों में सेवा देने के बाद वे 2017 में वेदांत सोसाइटी ऑफ न्यूयॉर्क के प्रमुख बने।

ट्रंप प्रशासन को झटकाः टेक्सास में बॉर्डर वॉल परियोजना पर कोर्ट ने लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। टेक्सास की संघीय अदालत ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया। इसमें डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को राज्य के बिग बेंड इलाके में बॉर्डर वॉल (अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर बनाई जा रही दीवार) और दूसरी बुनियादी सुविधाएं बनाने से फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला इस इलाके के जमीन मालिकों, कारोबारियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी जीत है। ये सभी प्रस्तावित निर्माण परियोजनाओं का विरोध कर रहे हैं। ये परियोजनाएं ट्रंप प्रशासन की 46 अरब डॉलर की योजना का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर कई तरह की सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी है। इसमें 30 फुट ऊंची स्टील की दीवारें शामिल हैं। इसके अलावा वाहनों को रोकने वाली बाधाएं, सड़कें और निगरानी की तकनीक भी लगाई जानी है।

कोर्ट ने रोक लगाने की क्या वजह बताई: जज कैथलीन कार्डोन ने अपने आदेश में कहा कि याचिका दायर करने वालों के कम से कम एक दावे पर जीतने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगर रोक नहीं लगाई गई, तो याचिकाकर्ताओं को गंभीर और ऐसा नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपाई बाद में नहीं की जा सकेगी।

जज ने यह भी कहा कि मामले में दोनों पक्षों के हितों को देखने और जनता के हित को ध्यान में रखने पर फैसला याचिकाकर्ताओं के पक्ष में जाता है। सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग (सीबीपी) और गृह सुरक्षा विभाग ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

विरोध करने वालों का क्या तर्क है बॉर्डर वॉल परियोजना के विरोधियों का कहना कि टेक्सास का बिग बेंड इलाका बहुत दूर-दराज है।

एफबीआई के राज अब होंगे बेपर्दाः काश पटेल की गोपनीय रिपोर्ट ने बढ़ाई हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई में एक गोपनीय रिपोर्ट को लेकर हलचल है। इसे पटेल रिपोर्ट कहा जा रहा है। रिपोर्ट एजेंसी के कर्मचारियों के लिए तैयार की गई है। इसमें एफबीआई के इतिहास के उन हिस्सों की समीक्षा की गई है, जहां संस्था के अनुसार उससे चूक हुई। रिपोर्ट की जानकारी एक आंतरिक संदेश से सामने आई है। हालांकि, इसमें किन घटनाओं का जिक्र है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

रिपोर्ट में एफबीआई के पुराने कामकाज की समीक्षा की गई है। एजेंसी के संदेश के अनुसार, इसका मकसद उन गलतियों को पहचानना है, जिन्हें अतीत में ठीक नहीं किया गया। संदेश में कहा गया है कि जो हुआ उसे बदला नहीं जा सकता। लेकिन उसकी ईमानदारी से समीक्षा की जा सकती है। इसके जरिए कमियों को स्वीकार करने, जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी गलतियां रोकने के उपायों पर जोर दिया गया है।

काश पटेल के नेतृत्व में यह रिपोर्ट क्यों अहम: एफबीआई के निदेशक काश पटेल पहले भी एजेंसी के पुराने नेतृत्व की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने ऐसे अधिकारियों और मामलों की जांच को बढ़ावा दिया है, जिन पर उनके अनुसार एजेंसी के राजनीतिकरण से जुड़े सवाल हैं। उनके कार्यकाल में कई कर्मचारियों को नौकरी से हटाया भी गया है। इनमें कुछ ऐसे कर्मचारी शामिल थे, जो डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े वर्षों पुराने मामलों की जांच में शामिल रहे थे।

नई रिपोर्ट को लेकर काश पर क्या सवाल उठे: पटेल ने निदेशक बनने से पहले कहा था कि वह पीछे की ओर नहीं देखेंगे। इसके बावजूद उनके कार्यकाल में पुराने अधिकारियों और पुराने मामलों की समीक्षा हुई है। इसी वजह से नई रिपोर्ट को लेकर भी बहस शुरू हुई है। पटेल के समर्थक इसे जवाबदेही की कोशिश के रूप में देखते हैं। उनके आलोचकों का आरोप है कि एफबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक तरीके से किया जा रहा है और पुराने इतिहास को नए नजरिए से पेश करने की कोशिश हो रही है। ये आलोचकों के आरोप हैं।

एफबीआई ने रिपोर्ट को लेकर कर्मचारियों से क्या कहा: एफबीआई के सह-उप निदेशकों क्रिस्टोफर राइया और एंड्र्यू बेली की ओर से कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में रिपोर्ट का बचाव किया गया है। संदेश के अनुसार, पुरानी गलतियों को छिपाने के बजाय उनका सामना करना जरूरी है। इसमें जवाबदेही तय करने और जिन चीजों में कमी रही, उन्हें ठीक करने की बात कही गई है। रिपोर्ट को एफबीआई के एक पुराने अध्याय के अंत और नए अध्याय की शुरुआत के रूप में भी बताया गया है।

क्या रिपोर्ट के बाद कोई कार्रवाई होगी: अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रिपोर्ट में कोई सिफारिश की गई है या नहीं। यह भी साफ नहीं है कि पुराने मामलों को लेकर एफबीआई आगे कोई नई कार्रवाई करेगी या नहीं। एजेंसी ने रिपोर्ट पर सार्वजनिक रूप से विस्तृत टिप्पणी नहीं की है। इतना जरूर कहा गया है कि रिपोर्ट का उद्देश्य संगठन में जवाबदेही बढ़ाना और जनता का भरोसा मजबूत करना है। रिपोर्ट के सामने आने के साथ कई सवाल भी उठ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में बड़ा हादसाः रग्बी फैंस की भीड़ में घुसी कार, 10 लोग घायल; टीम बस का इंतजार कर रहे थे प्रशंसक

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स स्थित न्यूकैसल में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। न्यूकैसल नाइट्स रग्बी टीम को विदा करने के लिए सड़क किनारे जुटे प्रशंसकों की भीड़ में एक कार जा घुसी। हादसे में 10 लोग घायल हुए हैं। इनमें एक पांच साल की बच्ची और 67 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर बताई गई है।

घटना वॉलसेंड इलाके में न्यूकैसल लिंक रोड पर करीब सुबह 9:30 बजे हुई। टीम के प्रशंसक रविवार को होने वाले एनआरएल ग्रैंड फाइनल से पहले खिलाड़ियों की बस को विदा करने के लिए सड़क पर जमा हुए थे। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस, एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर मौके पर पहुंचे।

दो की हालत गंभीर, तीन बच्चे घायल: न्यू साउथ वेल्स पुलिस के अनुसार, हादसे में घायल 10 लोगों में से पांच साल की बच्ची और 67 वर्षीय व्यक्ति गंभीर हालत में हैं। बाकी आठ घायलों की हालत स्थिर बताई गई है। स्थिर हालत वाले घायलों में एक और पांच साल की बच्ची तथा दो साल की बच्ची भी शामिल हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

18 वर्षीय चालक गिरफ्तार: पुलिस ने कार चला रहे 18 वर्षीय युवक को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसे अनिवार्य जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में घटना के आतंकवाद से जुड़े होने की बात सामने नहीं आई है।

टीम के पहुंचने से पहले हुआ हादसा: न्यूकैसल के मेयर गेविन मॉरिस के अनुसार, चालक न्यूकैसल नाइट्स का समर्थक था। उनका कहना है कि टीम के पहुंचने से कुछ समय पहले वह कार का इंजन तेज कर रहा था और इसी दौरान उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। कार भीड़ की ओर चली गई। हालांकि, हादसे की परिस्थितियों की पुलिस जांच कर रही है।

न्यूकैसल नाइट्स ने बदला टीम बस का रास्ता: हादसे के बाद न्यूकैसल नाइट्स ने टीम के विदाई जुलूस का रास्ता बदल दिया। क्लब ने प्रशंसकों से माफी मांगते हुए कहा कि कई लोग टीम को विदा करने का मौका चूक सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक सुरक्षा उसकी प्राथमिकता है।

ट्रंप का दावा- ईरान जंग खत्म होते ही गिरेंगे तेल के दाम, बोले- तेहरान के पास कभी नहीं होगा परमाणु हथियार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध, तेल की कीमतों और अमेरिका में महंगाई को लेकर कई दावे किए हैं। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा।

ट्रंप ने महंगाई और 'अफोर्डेबिलिटी' के मुद्दे पर डेमोक्रेटिक पार्टी को निशाना बनाया और दावा किया कि उनके प्रशासन ने कीमतों को नीचे लाने का काम किया है। उनके इन दावों के बीच अमेरिका में ईंधन की कीमतों और ईरान युद्ध के आर्थिक असर को लेकर बहस जारी है।

ट्रंप ने कहा कि 'अफोर्डेबिलिटी' यानी चीजों को लोगों की पहुंच में रखना, यह शब्द डेमोक्रेट्स ने दिया है। उन्होंने बहुत बड़ी समस्या पैदा की और इतिहास की सबसे खराब महंगाई दी। हमने तो सिर्फ कीमतों को कम करने का काम किया है।

'युद्ध खत्म होते ही तेल की कीमतें गिरेंगी': अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जब ईरान के साथ युद्ध खत्म होगा, जो बहुत जल्द होने वाला है, तो तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी। ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है। हाल ही में जी-7 देशों ने बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच बाजार में 10 करोड़ बैरल तेल और रिफाइंड ईंधन जारी करने की योजना की घोषणा की है।

'ईरान के पास कभी नहीं होगा परमाणु हथियार': ट्रंप ने अपने बयान में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भी स्पष्ट रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि सबसे पहली बात यह है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। क्योंकि वे पागल हैं। यह काम दूसरे राष्ट्रपतियों को वर्षों पहले ही कर देना चाहिए था या किसी दूसरे देश को करना चाहिए था। ट्रंप पहले भी यह दावा कर चुके हैं कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का प्रमुख उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। अगस्त में भी उन्होंने कहा था कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए।

महंगाई पर डेमोक्रेट्स को घेरा: अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'अफोर्डेबिलिटी' के मुद्दे पर डेमोक्रेट्स की आलोचना करते हुए कहा कि यह शब्द उनकी पार्टी की ओर से इस्तेमाल किया गया और उनके मुताबिक, पिछली नीतियों ने महंगाई की समस्या पैदा की। ट्रंप ने दावा किया कि उनके प्रशासन ने कीमतों को कम करने के लिए काम किया है।

फ्लाईदुबई हमलाः टॉयलेट जाने की जिद ने बचाईं 180 जानें!

6 साल की नीना की वजह से टला विमान हादसा

दुबई/तेल अवीव, एजेंसी। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट स्न्1073 में कॉकपिट के भीतर ओमानी को-पायलट के खौफनाक हमले और विमान को क्रैश करने की साजिश के मामले में कई बेहद हैरान कर देने वाले और साहसिक खुलासे हुए हैं। हवा में 30,000 फीट की ऊंचाई पर एक 6 साल की मासूम बच्ची की छोटी सी जिद ने पूरे विमान को एक भीषण तबाही से बचा लिया।

इस बीच, चाकूबाजी में गंभीर रूप से घायल हुए विमान के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार की जान बचाने और हमलावर आतंकी को दबोचने वाले इजरायली नागरिकों को राष्ट्रपति पदक दिए जाने का ऐलान किया गया है।

मम्मी टॉयलेट जाना है- 6 साल की नीना की जिद ने बचाईं 180 जानें: इजरायली न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए ताली मानेस ने उस खौफनाक मंजर को याद किया। ताली ने बताया कि उनकी 6 साल की बेटी नीना मानेस ने अचानक टॉयलेट जाने की जिद की। जैसे ही ताली अपनी बेटी को लेकर कॉकपिट के पास बने टॉयलेट की ओर बढ़ीं, उसी वक्त कॉकपिट का दरवाजा थोड़ा सा खुला और अंदर ओमानी को-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित मछार पर चाकू से दनादन वार करने शुरू कर दिए।

ताली ने कॉकपिट के भीतर खून से लथपथ कैप्टन को देखा और चीखना शुरू कर दिया, वह पायलट को गोद रहा है! वह पायलट को चाकू मार रहा है! बचाओ!

चीख-पुकार और विमान के अचानक नीचे गिरने के बीच ताली के पति ज्विका मानेस और अन्य यात्री कॉकपिट की तरफ भागे। ज्विका ने बताया, मेरी बेटियों की चीखें आज भी मेरे कानों में गूंज रही हैं जब विमान तेजी से नीचे गिर रहा था और वे कह रही थीं पापा, हम मरना नहीं चाहते। इसी ने मुझे कॉकपिट के भीतर कूदने पर मजबूर किया।

खून से लथपथ भारतीय कैप्टन स्मित मछार ने खोला कॉकपिट के गेट: हमले में गंभीर रूप से घायल और फर्श पर पड़े भारतीय कैप्टन स्मित मछार ने अदम्य साहस का परिचय दिया। चाकू के वार से लहूलुहान होने के बावजूद उन्होंने किसी तरह कॉकपिट डोर का इमर्जेंसी रिलीज लॉक दबा दिया, जिससे बाहर मौजूद यात्री और क्रू मेंबर्स अंदर दाखिल हो सके। विमान में सफर कर रहे प्लंबर यानिव हयून ने हमलावर ओमानी पायलट को गर्दन से दबोचकर चोकहोल्ड में ले लिया, जबकि एक डेंटिस्ट यात्री ने कैप्टन स्मित मछार का बहता खून रोककर उनकी जान बचाई। इस अफरा-तफरी के दौरान चेहरे पर खून से सने एक यात्री का वीडियो भी सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर मदद मांगते हुए कहा, हम हाईजैक के बीच में हैं, हमने आतंकियों को काबू कर लिया है और लैंडिंग के करीब हैं। जो भी सुन रहा है, मदद भेजो!

नेतन्याहू ने कहा- जिहादी कट्टरपंथ का मामला: इजरायल के राष्टपति इसाक हर्जोग ने अदम्य साहस दिखाने वाले नागरिकों- यानिव हयून, ज्विका मानेस और असाफ राजुआन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड फॉर सिविलियन हिरोइज्म से सम्मानित करने की सिफारिश की है। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बयान जारी कर कहा है कि शुरुआती जांच से संकेत मिलते हैं कि ओमानी को-पायलट जिहादी कट्टरपंथ का शिकार था और उसने एक सोची-समझी साजिश के तहत विमान को क्रैश करने की कोशिश की थी।

समुद्री गलियारों में बढ़ते खतरेः ओमान के पास टैंकर पर हमला, पांच भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकाला गया

मस्कटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव घटने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा घटनाक्रम में यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार संचालन ने शुक्रवार को (स्थानीय समय) बताया कि ओमान के पूर्व में करीब चार समुद्री मील दूर एक कच्चे तेल के टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ। एक्स (प्लेटफॉर्म) पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया कि सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और किसी पर्यावरणीय प्रभाव की सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। जहाजों को सावधानी से यात्रा करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना को देने की सलाह दी गई है। ओमान में भारत के दूतावास ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य कुवैत के झंडे वाले टैंकर पर प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ था। इस हमले के बाद पांच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित किनारे स्थानांतरित कर दिया गया। दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उसने नामक टैंकर पर सवार पांच भारतीय नागरिकों के बचाव कार्य का समन्वय किया।

2027 वनडे विश्व कप

क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा: डिविलियर्स

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप देश के क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ 50 ओवर के इस मेगा इवेंट को को-होस्ट करेगा।

डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर फैनकोड की एक खास चैट में आईएएनएस से कहा, '2027 में वनडे वर्ल्ड कप 2003 के बाद पहली बार साउथ अफ्रीका वापस आ रहा है। 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। इसका मुझ पर

बहुत बड़ा असर पड़ा। मुझे साफ तौर पर याद है कि एक ऑस्ट्रेलियाई ने यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक किया था। वहीं मैंने उस समय, 19 साल की उम्र में क्रिकेट खेला था। मैं एडम गिलक्रिस्ट को थोड़ा और बेहतर जान पाया। उन्होंने उस दिन मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया।' उन्होंने कहा, 'उन्हें उस समय कोई आइडिया नहीं था कि मैं कौन हूं। मुझे उनके साथ एक बहुत अच्छा पल साफ तौर पर याद है। उन्होंने मुझे अपने बाएं हाथ पर काम करने के लिए कहा और कहा, 'ऑल द बेस्ट, यंगस्टर।' तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला। इसका मुझ पर बहुत बड़ा असर पड़ा और मुझे पूरा यकीन है कि 2027 वर्ल्ड कप का भी साउथ अफ्रीका के युवाओं पर वैसा ही असर पड़ेगा, जो एक दिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद कर रहे हैं। ' डिविलियर्स ने कहा, 'पैसे के हिसाब से, साउथ अफ्रीका में वर्ल्ड कप होना बहुत अच्छा है, जिसे नामीबिया और जिम्बाब्वे भी मिलकर होस्ट कर रहे हैं और मैं बाकी दुनिया के लोगों के आने और साउथ अफ्रीका के शानदार हिस्सों का मजा लेने और हम कितने अच्छे होस्ट हैं, यह देखने का इंतजार कर रहा हूं। मैं दक्षिण अफ्रीका का भी घरेलू मैदान पर समर्थन करना चाहूंगा।

युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कहा

देश के लिए टेस्ट खेलने का सपना रहा अधूरा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। चहल अब कभी भी व्हाइट जर्सी में रेड बॉल क्रिकेट खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। चहल ने इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने फैसले की जानकारी दी। चहल ने लिखा, 'मैंने जो पहली क्रिकेट बॉल पकड़ी थी, वह रेड बॉल थी। मैं 10 साल का था, और मुझे तब कोई अंदाजा नहीं था कि मुझे इस खेल से इतना प्यार हो जाएगा। मेरे लिए, रेड-बॉल क्रिकेट कभी भी सिर्फ एक और फॉर्मेट नहीं था। यहीं पर मैंने सब्र, कैरेक्टर, मजबूती और घंटों तक मैदान पर रहने, हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की असली खुशी का मतलब सीखा।' उन्होंने लिखा, 'मैंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच लॉर्ड्स में खेला। यह कहना भावुक करने वाला है क्योंकि टेस्ट कैप हमेशा एक सपना था, जिसे मैंने कई सालों तक अपने साथ रखा।

संक्षिप्त समाचार

किशन के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि

यह मुकाम हासिल करने वाले बने महज दूसरे भारतीय बल्लेबाज

निशिन । एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला जा रहा है। गोल्ड मेडल के लिए खेले जा रहे मुकाबले में ईशान किशन ने 18 गेंदों में 20 रन बनाए। भले ही ईशान इस मैच में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे, लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। ईशान किशन ने साल 2026 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में एक हजार रन पूरे करने वाले महज

दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। ईशान इस साल अब तक 169 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,005 रन बना चुके हैं। ईशान से पहले यह कारनामा सूर्यकुमार यादव ने किया है, जिन्होंने साल 2022 में 187 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,164 रन बनाए थे। एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के खिलाड़ी करणबीर सिंह के नाम है, जिन्होंने साल 2025 में 174 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 1,472 रन बनाए थे। वहीं, मोहम्मद रिजवान ने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन बनाए। टीम की ओर से अभिषेक शर्मा एक बार फिर बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 28 गेंदों में 3 चौके और 7 छक्कों की मदद से 61 रनों की तूफानी पारी खेली।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

रोहित शर्मा का एक और बड़ा कारनामा

सचिन के बाद यह मुकाम हासिल करने वाले बने दूसरे भारतीय

न्यू चंडीगढ़ । भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा और आखिरी वनडे मुकाबला न्यू चंडीगढ़ के पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टॉस जीतकर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। रोहित शर्मा ने इस मुकाबले में 2 रन बनाने के साथ ही खास मुकाम हासिल कर लिया है।

रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज 10 हजार रन पूरे कर लिए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 2 रन बनाने के साथ ही रोहित ने इस उपलब्धि को अपने नाम किया। रोहित भारत की ओर से यह मुकाम हासिल करने वाले महज दूसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ सचिन तेंदुलकर ही कर सके हैं। रोहित ओवरऑल इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले विश्व के चौथे बल्लेबाज हैं। रोहित बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। उन्होंने यह मुकाम अपनी 202वीं पारी में हासिल किया। इस मैच से पहले रोहित ने 201 पारियों में ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर 9,998 रन बनाए थे।
रोहित का प्रदर्शन दूसरे वनडे मुकाबले में शानदार रहा था।

अभिषेक शर्मा के टी20 में 400 छक्के पूरे

क्रिस गेल को इन 2 मामलों में पछाड़ा

निशिन । भारत के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने शनिवार को करोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 28 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 6 विकेट पर 211 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अभिषेक ने अपनी इस विस्फोटक पारी के दौरान कई उपलब्धियां हासिल कीं। अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान 7 छक्के लगाए। पारी का दूसरा छक्का लगाते ही अभिषेक के टी20 क्रिकेट में 400 छक्के पूरे हो गए। शर्मा के अब कुल 405 छक्के हो गए हैं। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। गेल ने 400 छक्के लगाने के लिए 3,557 गेंदें खेली थीं। अभिषेक ने 3,513 गेंदों में अपने 400 छक्के पूरे किए।

टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 400 छक्के लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के नाम है। रसेल ने 3,027 गेंदों पर 400 छक्के लगाए हैं।

अभिषेक ने अपनी 61 रन की पारी के दौरान एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 2026 में 100 टी20 छक्के भी पूरे किए। एक कैलेंडर साल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने के मामले में वे दूसरे स्थान पर आ गए। अभिषेक ने 651 गेंदों पर 100 छक्के लगाए। इस मामले में अभिषेक ने दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा। एक साल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने के मामले में भी आंद्रे रसेल पहले नंबर पर हैं।

अभिषेक शर्मा मौजूदा दौर में पूरी दुनिया में टी20 फॉर्मेट के एक श्रेष्ठ ओपनर के रूप में खुद को स्थापित कर चुके हैं। 6 जुलाई 2024 को अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिषेक ने 62 मैचों की 61 पारियों में 3 शतक और 13 अर्धशतक लगाते हुए 1,926 रन बनाए हैं।

नीरू ढांडा होंगी क्लोजिंग सेरेमनी में ध्वजवाहक

2 गोल्ड समेत जीते कुल तीन मेडल

नागोया। भारतीय शूटर नीरू ढांडा रविवार को नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में राष्ट्रीय ध्वज लेकर चलेंगी। यह उनके लिए एक यादगार सफर रहा, जिसमें वह देश की बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरीं। 27 वर्षीय ट्रैप शूटर ने इन गेम्स में तीन मेडल (दो गोल्ड और एक सिल्वर) जीते। शूटिंग में भारत के शानदार प्रदर्शन में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। नीरू के मेडल जीतने का सिलसिला महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल के साथ शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ टीम बनाई थी। तीन दिन के क्वालिफिकेशन के बाद भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 328 रहा। वे गोल्ड मेडल जीतने वाले चीन से पीछे रहीं, जबकि कुवैत ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इसके बाद नीरू ने व्यक्तिगत ट्रैप इवेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और इस खेल में एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। 118 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप करने के बाद उन्होंने फाइनल में 28 का स्कोर बनाकर एशियन रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने कायन चेनाई के साथ मिलकर ट्रैप-मिक्स्ड टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल जीता। मुश्किल शुरुआत के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की और आखिर में 34 हिट के साथ जीत हासिल की। ??उन्होंने 2026 में ही कतर द्वारा बनाए गए 33 हिट के पिछले एशियन रिकॉर्ड को तोड़ा।

मिक्स्ड टीम की जीत ने नीरू के लिए दो दिनों के यादगार सफर को पूरा किया। व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने के 24 घंटे से भी कम समय में वह फिर से शूटिंग रेंज में लौटीं और एक बार फिर टॉप पर रहीं। तीन मेडल जीतने के कारण वह आइची-नागोया गेम्स में भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक बन गई और उन्हें क्लोजिंग सेरेमनी में भारतीय दल का नेतृत्व करने का सम्मान मिलेगा। आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 का क्लोजिंग सेरेमनी रविवार, 4 अक्टूबर को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में होगा।

हमवतन धीरज बोम्मादेवरा को हराया

नीरज ने व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में जीता ब्रॉन्ज मेडल

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने शनिवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वेयर में पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल के लिए हुए मुकाबले में अपने ही देश के धीरज बोम्मादेवरा को हराया। पांच सेट तक चले मुकाबले में नीरज ने धीरज को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। दोनों तीरंदाज अपने-अपने सेमीफाइनल मैच हारने के बाद इस मुकाबले में उतरे थे। नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 1-7 से हार मिली थी, जबकि धीरज को अंतिम चार में साउथ कोरिया के ली वू-सेओक से हार का सामना करना पड़ा था। ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने पहला सेट 29-26 के स्कोर से जीता, जबकि दूसरा सेट 27-28 से और तीसरा सेट भी 28-29 से हार गए। धीरज 4-2 से आगे थे और उन्हें सिर्फ एक सेट जीतने की जरूरत थी, लेकिन नीरज ने चौथा सेट शानदार तरीके से खेला और तीन बार 10 का स्कोर करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया।

धीरज ने आखिरी सेट की शुरुआत 8 के स्कोर के साथ की, जबकि नीरज ने 10 का स्कोर किया। धीरज ने सुधार करते हुए दो बार

10 का स्कोर किया और आखिरी सेट में कुल 28 प्वाइंट बनाए। नीरज को ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए 19 अंकों की जरूरत थी। उन्होंने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दोनों तीरंदाजों ने इससे पहले मिक्स्ड और टीम इवेंट में मेडल जीते थे। धीरज ने मिक्स्ड इवेंट के फाइनल में कुमकुम मोहोद के साथ सिल्वर मेडल जीता था, जहां उन्हें गोल्ड मेडल के मुकाबले में चीन से हार मिली थी। इसके अलावा, धीरज ने नीरज और यशदीप भोग के साथ टीम सिल्वर मेडल भी जीता था। फाइनल में उन्हें साउथ कोरिया से हार का सामना करना पड़ा और वे गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए। इन खेलों में भारतीय महिला तीरंदाजों का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। कुमकुम मोहोद ने एशियन गेम्स में इतिहास रचा। उन्होंने साउथ कोरिया की ओह येजिन को हराकर व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने का कारनामा किया।

इसके अलावा, उन्होंने कीर्ति शर्मा और अंकिता भकात के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में भी गोल्ड मेडल जीता। इस तिकड़ी ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन कोरियाई टीम को चौंकाते हुए जीत हासिल की।

भारतीय ताइक्वांडो टीम का पदक जीतने का सपना रहा अधूरा

तोयोहाशी । भारत का एक और एशियन गेम्स ताइक्वांडो अभियान बिना किसी पदक के समाप्त हो गया। देश की तीन सदस्यीय महिला टीम आइची-नागोया 2026 से खाली हाथ लौटी। यह प्रतियोगिता शनिवार को जापान के तोयोहाशी जिमनैजियम में खत्म हो जाएगी। कशिश मलिक, ज्योति यादव और रूपा बेयोर चार मेडल इवेंट्स में भारत की तरफ से उतरी थीं, लेकिन किसी भी इवेंट में इनमें से कोई भी एथलीट पोडियम फिनिश नहीं कर सकी। भारत का आखिरी एशियन गेम्स ताइक्वांडो मेडल 2002 में बुसान में सुरेंद्र भंडारी ने जीता था। सुरेंद्र ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। कशिश ने गेम्स में भारत को सबसे ज्यादा जीत दिलाई और मिक्स्ड इंडिविजुअल वर्चुअल ताइक्वांडो इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची, जो आइची-नागोया में एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहा था। उन्होंने हांगकांग, चीन की सियू वाई लैम पर 2-0 की जीत के साथ शुरुआत की और दोनों राउंड 800-500 और 400-0 से जीते। उनका कैंपेन क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रीता बाकिशेवा के खिलाफ खत्म हुआ, जिन्होंने आखिर में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

कशिश के पहले राउंड में 320-0 की बढ़त लेने के बाद उन्होंने पहला राउंड 320-0 से जीता, लेकिन कजाख खिलाड़ी ने अगले दो राउंड 460-0 और 340-0 से जीतकर 2-1 से जीत पक्की कर ली।

भारतीय खिलाड़ी ने पहले महिलाओं के -57 किग्रा कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया था, जहां उनका सामना ड्रॉ में सबसे मजबूत नामों में से एक से हुआ था। पेरिस 2024 की ओलंपिक चैंपियन, कोरिया गणराज्य की किम यू-जिन ने कशिश को 2-0 (18-3, 17-2) से हराया।

ज्योति का कैंपेन महिलाओं की प्रतियोगिता में राउंड ऑफ 16 चरण पर खत्म हुआ।

एशियन गेम्स में भारत की बेटियों ने जीता गोल्ड

पीएम बोले-भारतीय हॉकी के लिए बहुत खास पल

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने यादगार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस खास उपलब्धि के लिए भारत की बेटियों की जमकर सराहना की है। पीएम मोदी ने पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय हॉकी के लिए एक बहुत ही खास पल। भारत के लोग महिला हॉकी टीम की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिन्होंने एशियन गेम्स में शानदार गोल्ड मेडल जीता है और वो भी चार दशकों से ज्यादा समय के बाद। यह बेहतरीन कौशल और टीमवर्क का नतीजा है। उनका जज्बा भी बहुत प्रेरणादायक है। टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। उम्मीद है कि यह सफलता देशभर में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ाने में योगदान देगी।' केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी भारतीय महिला टीम को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'भारत के लिए गोल्ड की कामयाबी। 44 साल बाद भारतीय महिला हॉकी को गोल्ड मेडल जीतने पर बधाई। हुनर, पक्के इरादे और टीमवर्क का शानदार प्रदर्शन। बहुत बढ़िया, चैंपियंस। '

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक दिन।